



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

16/84
28

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

लं. १९]

नई दिल्ली, शनिवार, मई १२, १९८४/वैशाख २२, १९०६

No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 12, 1984/VAISAKHA 22, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्त मंदिरालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये गये सांख्यिक प्रावेश और अधिसूचनाएँ।
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

गृह संत्रासय

(कार्मिक और प्रशासनिक मुद्रावार विभाग)

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1984

का०भा० 1535—राजपत्रि, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त याकितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण) नियंत्रण और अपील नियम, 1965 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मिशन सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) संशोधन नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त नहीं होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 को अनुसूची में—

(1) भाग 1—केन्द्रीय सिविल सेवा, समूह "क" में—विद्यमान प्रविष्टि संख्या 41 के पश्चात निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

"42. भारतीय प्रसारण (इंशीनियर) सेवा।"

(2) भाग 5—रक्त सेवाओं में मिशन पद—

(क) नम सं० 1 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

1	2	3	4	5
1. समूह "क" पद	अपर सचिव	अपर सचिव		मंत्री
(क) (1) सभी समूह "क" (राजपत्रि) पद उससे पिछे जिन्हें मर (क) में विनियिष्ट किया गया है।		मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	(1) से (4)	

1

2

3

4

5

(2), सभी समूह "ख" (वराजपत्रित) पद उनसे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भिन्न जिन्हें भद्र (ख) में विनियिट किया गया है।	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	सभी
प्रियमनियित के अधीन निम्नतर विस्ताराओं (लोकर फार्मेशनों) में पद:—		
(1) जनरल स्टाफ शास्त्रा	उप मुख्य सेनाध्यक्ष	
(2) एडजुटेंट जनरल शास्त्रा	एडजुटेंट जनरल	सभी
(3) फ्लाईर भास्टर जनरल	फ्लाईर भास्टर जनरल	सभी
(4) मास्टर जनरल आईनेंस शास्त्रा	मास्टर जनरल आईनेंस	सभी
(5) प्रमुख इंजीनियर शास्त्रा	प्रमुख इंजीनियर	सभी
(6) नौसेना मुख्यालय	चीफ आफ पर्सनल	सभी
(7) वायु सेना मुख्यालय	वायु प्रभारी अफसर कार्मिक	सभी
(8) महानिदेशक, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएँ	महानिदेशक सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएँ	सभी
(9) महानिदेशक राष्ट्रीय केंडिट कोर	महानिदेशक राष्ट्रीय केंडिट कोर	सभी
(10) महानिदेशक रक्षा भूमि तथा छावनी	महानिदेशक रक्षा भूमि तथा छावनी	सभी
(11) महानिदेशक आयुष फैक्टरी	महानिदेशक आयुष फैक्टरी	सभी
(12) महानिदेशक निरीक्षण	महानिदेशक निरीक्षण	सभी
(13) तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु सेना) संगठन	निदेशक तकनीकी विकास तथा उत्पादन (वायु सेना)	सभी
(14) रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन	महानिदेशक रक्षा अनुसंधान तथा विकास	सभी
(ख) क्रम संख्या 2 के सामने—		
(1) "श्रेणी 3 तथा श्रेणी-4 पद" शीर्षक के स्थान पर समूह "ग" तथा समूह "द" पद शीर्षक रखा जाएगा—		
(2) स्तम्भ 2 में पैरा (ख) के अधीन उप पैरा (2) और प्रविष्टि "सहायक जनरल शास्त्रा" के स्थान पर निम्ननियित रक्षा जाएगा, अर्थात्:—		
(2) एडजुटेंट शास्त्रा (जिसके अन्तर्गत सेना आयुष कोर, विष्वत तथा योतिकी इंजीनियर तथा सेना कार्म विकाहों में भिन्न सेना रिकार्ड कार्यालयों में के सभी समूह "ग" पद है)।		

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 25th April, 1984

S.O. 1335. In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1984.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Schedule to the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965,—
(1) In Part I—Central Civil Services, Group 'A'— after the existing entry No. 41, the following shall be inserted, namely :—
"42. Indian Broadcasting (Engineers) Service."
(2) In Part V—Civil Posts in Defence Services—
(a) for serial number 1 and entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
1. Group 'B' Posts :—		Additional Secretary	Additional Secretary Chief Administrative Officer	All (i) to (iv)
(A) (i) All Group 'B' (Gazetted) posts other than those specified in item (B)				
(ii) All Group 'B' (Non-Gazetted) posts other than those specified in item (B)		Chief Administrative Officer	Chief Administrative Officer	All
(B) Posts in Lower formations under :—				
(i) General Staff Branch	Deputy Chief of Army Staff	Deputy Chief of Army Staff Director of Military Intelligence Director of Military Training Director of Artillery Signal Officer-in-Charge Director of Staff Duties as the case may be.	{	All (i) to (iv)
(ii) Adjutant General's Branch	Adjutant General	Adjutant General Director of Organisation Director of Medical Services Judge Advocate General Director of Recruiting, Military and Air Attaché, as the case may be.	{	All (i) to (iv)
(iii) Quarter Master General's Branch	Quarter Master General	Quarter Master General Director concerned holding rank not below Brigadier.	{	All (i) to (iv)
(iv) Master General of Ordnance Branch	Master General of Ordnance	Master General of Ordnance Director of Ordnance Services Director of Electrical and Mechanical Engineering, as the case may be.	{	All (i) to (iv)
(v) Engineer-in-Chief Branch	Engineer-in-Chief	Engineer-in-Chief Chief Engineers of Commands	{	All (i) to (iv)
(vi) Naval Headquarters	Chief of Personnel	Chief of Personnel Flag Officer Commanding-in-Chief Western Naval Command, Bombay Flag Officer Commanding-in-Chief Eastern Naval Command, Visakhapatnam Flag Officer Commanding-in-Chief Southern Naval Command, Cochin, Flag Officer Commanding, Goa Area, Goa The Fortress Commander, Andaman & Nicobar Islands, Port Blair, Admiral Superintendent, Naval Dockyard, Bombay Admiral Superintendent, Naval Dockyard, Visakhapatnam Chief Hydrographer, Naval Hydrographic Office, Dehradun.	{	All (i) to (iv)
(vii) Air Headquarters	Air-Officer-in-Charge Personnel, Air Headquarters.	Air-Officer-in-Charge Personnel, Air Headquarters.	{	All

1	2	3	4	5
(viii) Directorate General Armed Forces Medical Services	Director General Armed Forces Medical Services	Director General, Armed Forces Medical Services		All
(ix) Directorate General National Cadet Corps.	Director General National Cadet Corps.	Director General, National Cadet Corps.		All
(x) Directorate General Defence Lands and Cantonment	Director General, Defence Lands and Cantonment	Director General, Defence Lands and Cantonment.		All
(xi) Directorate General Ordnance Factories	Director General, Ordnance Factories	Director General, Ordnance Factories		All
(xii) Directorate General of Inspection	Director General, of Inspection	Director General of Inspection		All
(xiii) Technical Development and Production (Air) Organisation	Director of Technical Development and Production (Air)	Director of Technical Development and Production (Air)		All
(xiv) Defence Research and Development Organisation.	Director General, Defence Research and Development	Director General, Defence Research and Development.		All
		Chief Controller, Research and Development (Administration)	'(i) to (iv)	

(b) against serial number 2,—

(i) for the heading "Class III and Class IV Posts", the heading "Group C and Group D Posts" shall be substituted;
 (ii) in column 2, under para (B), for sub-para (ii) and the entry "Adjutant General's Branch" the following shall be substituted, namely :—
 "(ii) Adjutant General's Branch (including all Group 'C' posts in Record Offices of the Army other than Army Ordnance Corps, Electrical and Mechanical Engineers and Military Forms Records)."

[No. F. 11012/7/82-Estt.(A)]

MANJULA SUBRAMANIAM, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
तारीख विस्तीर्णी, 25 अप्रैल, 1984
आय-कार

का० आ० 1536.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 29/7/82 की अधिसूचना संख्या 4838 (फा० सं० 398/26/82-आ० क० ब०) का अधिलंबन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्ड्रेडारा श्री हरि ओम प्रकाश सर्सेना को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री हरि ओम प्रकाश सर्सेना द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार प्रहृण किए जाने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 5775/का० सं० 398/7/84-आ० क० ब०]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
New Delhi, the 25th April, 1984
INCOME-TAX

S.O. 1536.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 4838 (F. No. 398/26/82-IT(B) dated 29-7-1982, the Central Government hereby authorises Shri Hari Om Prakash Saxena, being a gazetted Officer of the Central Government, to

exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Hari Om Prakash Saxena takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 5775/F. No. 398/7/84-IT(B)]

आय-कार

का० आ० 1537.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 31-12-82 की अधिसूचना संख्या 5053 (फा० सं० 398/5/82-आ० क० ब०) का अधिलंबन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्ड्रेडारा श्री बी० डी० नाग को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री बी० डी० नाग द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार प्रहृण किए जाने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 5773/का० सं० 398/8/84-आ० क० ब०]

बी० डी० असैक्जे-डॉर अवर सचिव

INCOME-TAX

S.O. 1537.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 5053 (F. No. 398/5/82-IT(B) dated the 31-12-1982, the Central Government hereby authorises Shri B. D. Nag, being a gazetted

Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. D. Nag takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 5773/F. No. 398/8/84-IT(B)]

B. E. ALEXANDER, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1984

प्रधान कार्यालय परस्परापन

का० आ० 1538—केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम 1963 (1963 की संख्या 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय राजस्व मंत्री (अधिकारी) के अधिकारी श्री अ० ए० जेम्स को जो रिडिंग दिनों बन्दै में मु०। आयुक्त (प्रशासन) और अधिकारी आयुक्त, बम्बई बी० सी०-१ के पार पर सैनात थे, 2 अप्रैल, 1984 के दोपहर बाद से केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के सरस्य के हार में नियुक्त करती है।

[का० सं० ए० 19011/2/84-प्रशा० I]

बी० आर० मेहमी, अवर सचिव

New Delhi, the 17th April, 1984

HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

S.O. 1538.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri G. A. James an officer of the Indian Revenue Service (Income-tax) and lately posted as Chief Commissioner (Admn.) and Commissioner of Income-tax, BC-I, Bombay, as Member of the Central Board of Direct Taxes with effect from the afternoon of the 2nd April, 1984.

[F. No. A-19011/2/84-Adm. I]

B. R. MEHMI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1984

स्टाम्प

का० प्रशा० 1539—केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ईस्ट इंडिया होटेल्स लिमिटेड, कलकत्ता को पांच लाख बासठ हजार पांच सौ रुपए मात्र के ऐसे समेकित स्टाम्प शुल्क का संवाद करने की अनुमति देती है जो उक्त कम्पनी द्वारा साँड़े सात करोड़ रुपए के सममूल्य पर बंधातों के रूप में निर्गमित नकद प्रत्येक 100 रुपए के 15 प्रतिशत असम्परिवर्तीनीय प्रतिभूल डिवेन्चरों के रूप में 7,50,000 डिवेन्चरों पर स्टाम्प शुल्क के मद्दे प्रमाण है।

[सं० 28/84-स्टाम्प-का० सं० 33/6/84-विंक०]

भगवान दास, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 26th April, 1984

STAMPS

S.O. 1539.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the East India Hotels Limited, Calcutta to pay consolidated stamp duty of five lacs sixty two thousand and five hundred only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures 7,50,000, 15 per cent Non-convertible secured debentures of Rs. 100 each for cash at par for rupees seven and a half crores to be issued by the said company.

[No. 28/84-Stamps-F. No. 33/6/84-ST]

BHAGWAN DAS, Under Secy.

(अधिकारी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1984

(बीमा)

का० आ० 1540—बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 27 क की उपधारा (i) के खंड (प), जैसा कि वह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (गजरव विभाग) को अधिसूचित संख्या साठका० निं० 734, दिनांक 23 अगस्त, 1958 द्वारा भारतीय जीवन बीमा, नियम पर लागू होता है, के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा 1984 में (अधिसूचित रकम से ऊपर 50 लाख रुपए तक के अतिरिक्त अधिदान को प्रतिधारण करने के अधिकार सहित) जारी किए गए 4.50 करोड़ रुपए के मूल्य के 8.5 प्रतिशत—12 वर्षीय बांदों को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए “अनुसूचित निवेशों” के रूप में एतद्वारा घोषित करती है।

[सं० 131(6) ईंश्यो-IV/84]

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 16th April, 1984

(INSURANCE)

S.O. 1540.—In exercise of the powers conferred by clause (q) of sub-section (1) of section 27A of the Insurance Act, 1938 (4 of 1948), as applied to the Life Insurance Corporation of India by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. GSR 734, dated 23rd August, 1958, the Central Government hereby declares the 8.25%—12 years bonds of the value of Rs. 4.50 crores issued in 1984 (with a right to retain additional subscription over the notified amount up to Rs. 50 lakhs) by the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited as “scheduled investments” for the purposes of the said section.

[No. 131(6)-Ins. IV/84]

का० आ० 1541—बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 27 क की उपधारा (i) के खंड (ज) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा 1984 में (अधिसूचित रकम से ऊपर 50 लाख रुपए तक के अतिरिक्त अधिदान को प्रतिधारण करने के अधिकार पहिल) जारी किए गए 4.50 करोड़ रुपए के मूल्य के 8.25 प्रतिशत—12 वर्षीय बांदों को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए “अनुसूचित निवेशों” के रूप में एतद्वारा घोषित करती है।

[सं० 131(6) ईंश्यो-I/84]

प्रिय दिल्ली रहेजा, अवर सचिव (बीमा)

S.O. 1541.—In exercise of the powers conferred by clause (j) of sub-section (i) of section 27B of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), the Central Government hereby declares the 8.25%—12 years bonds of the value of Rs. 4.50 crores issued in 1984 (with a right to retain additional subscription over the notified amount up to Rs. 50 lakhs) by the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited as “approved investments” for the purposes of the said section.

[No. 131(6)-Ins. IV/84]

S. D. RAHEJA, Under Secy. (Ins)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1984

का० आ० 1541—राष्ट्रीयछात्र बैंक (प्रबंध और प्रकोण उपबंध) निगम, 1970 के खंड 3 के उप खंड (ख) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री लक्ष्मण बाणमुखदूपपत्र, श्रीकांतिन समार्थी, एस० बी० ए० ए०, दक्षिण मद्रास इण्डियन औद्योगीज बैंक, मद्रास को 23 अप्रैल, 1984 से इण्डियन औद्योगीज बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 15/5/82-आई० आर०]

यशवंत राज, अव० सचिव

(Banking Division)

New Delhi, the 23rd April, 1984

S.O. 1542.—In pursuance of sub-clause (b) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri Lakshmanan Balasubramanian, Shroff/Bill Collector, S.B.A.A. South Madras, Indian Overseas Bank, Madras as a Director on the Board of Indian Overseas Bank with effect from April 23, 1984.

[No. F. 15/5/82-IR]

YASHWANT RAJ, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1984

का० आ० 1543.—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के साथ परामर्शदात्रे के बाद, एतद्वारा भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के कार्यपालक निदेशक श्री डॉ० एन० डावर को 19 अप्रैल, 1984 से चार वर्ष की अवधि के लिए भारतीय औद्योगिक वित्त निगम का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/10/84-बी०आ० I]

बी० के० शिवन, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 19th April, 1984

S.O. 1543.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government, after consultation with the Industrial Development Bank of India, hereby appoint Shri D. N. Davar, Executive Director, Industrial Finance Corporation of India as the Chairman of the Industrial Finance Corporation of India for a term of four years with effect from April 19, 1984.

[No. F. 9/10/84-BO.I]

V. K. SIBAL, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1984

का० आ० 1544.—निश्चिप श्रीमा तथा प्रधारण गारंडी निगम, अधिनियम, 1961 (1961 का 47) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ग) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नयी दिल्ली के निदेशक श्री के० के० मिश्रा को श्री अशोक चन्द्र के स्थान पर नियुक्त बीमा और प्रधारण गारंटी निगम के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं० एफ० 9/46/83-बी० ओ०-I(2)]

New Delhi, the 24th April, 1984

S.O. 1544.—In pursuance of the provisions of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation Act, 1961 (47 of 1961) the Central Government hereby nominates Shri K. K. Misra, Director, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi as a Director of the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation vice Shri Ashok Chandra.

[No. F. 9/46/83-BO.I(2)]

का० आ० 1545.—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपखंड (ii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री डॉ० एन० डावर, अध्यक्ष भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, नई दिल्ली को श्री डॉ० शिवन के स्थान पर भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक नामित करती है।

[सं० एफ० 9/2/84 बी० ओ०-I]

S.O. 1545.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri D. N. Davar, Chairman, Industrial Finance Corporation of India, New Delhi as a Director of the Industrial Development Bank of India vice Shri B. B. Singh.

[No. F. 9/2/84-BO.I]

का० आ० 1546.—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वित्त संकालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नयी दिल्ली में संयुक्त सचिव श्री अशोक चन्द्र को श्री डॉ० के० द्वार के स्थान पर भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं० एफ० 9/46/83-बी०आ०-I(3)]

S.O. 1546.—In pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) the Central Government hereby nominates Shri Ashok Chandra, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi as a Director of the Industrial Finance Corporation of India vice Shri V. K. Dar.

[No. F. 9/46/83-BO.I(3)]

का० आ० 1547.—राष्ट्रीयछात्र बैंक (प्रबंध और प्रकोण उपबंध) निगम, 1970 के खंड-3 के उप खंड (ग) के अनुसरण में राष्ट्रीय बैंक के प्राप्तियों से केन्द्रीय गवर्नर एतद्वारा श्री के० के० नायर, अधिकारी बैंक ऑफ बंडेदार, अम्बई के मुख्य कार्यालय, अम्बई, को 24 अप्रैल, 1984 से बैंक ऑफ बंडेदार के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 9(15)/84 बी० ओ०-II]

S.O. 1547.—In pursuance of sub-clause (c) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri K. K. Nair, Officer in Bombay Main Office of the Bank of Baroda, Bombay as a Director on the Board of Bank of Baroda with effect from April 24, 1984.

[No. F. 9/15/84-BO.I]

का० आ० 1548.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 7 के साथ पठित खंड 5 के उग खंड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री पी० एम० गोपालकृष्णन को, जिन्हें 26 अप्रैल, 1984 से ओरियंटल बैंक आफ कामर्स के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, उर्मा तारीख से ओरियंटल बैंक आफ कामर्स के निदेशक शोड़ के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एफ० 9/12/84-वी० आ०-१ (2)]

S.O. 1548.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India hereby, appoints Shri P. S. Gopalakrishnan, who has been appointed as Managing Director of the Oriental Bank of Commerce with effect from 26th April, 1984 to be the Chairman of the Board of Directors of the Oriental Bank of Commerce with effect from the same date.

[No. F. 9/12/84-BO. I(2)]

का० आ० 1549.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 8 के उपबंध (1) के गाथ पठित खंड 3 के उपबंध (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री पी० एम० गोपालकृष्णन, कार्यालय न्यासी, भारतीय गुनिट ट्रस्ट को 26 अप्रैल, 1984 से आगम होने वाली और 25 अप्रैल, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए ओरियंटल बैंक आफ कामर्स के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/12/84-वी० आ० I (1)]

S.O. 1549.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri P. S. Gopalakrishnan, Executive Trustee, Unit Trust of India, as the Managing Director of the Oriental Bank of Commerce for a period commencing on 26th April, 1984 and ending with 25th April, 1987.

[No. F. 9/12/84-BO.I(1)]

का० आ० 1550.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 3 के उपबंध (अ) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे की सारणी के कालम (2) में उल्लिखित व्यक्तियों को उनमें से प्रत्येक के मामते उम्मे सारणी के कालम (3) में उल्लिखित व्यक्तियों के स्थान पर सारणी के कालम (1) में दिये गये राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

सारणी

1	2	3
1. सैन्यन्दन बैंक आफ इंडिया	श्री अशोक चन्द्र, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली	श्री कौ० कौ० मिथा, निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली

1	2	3
2. यनियत बैंक आफ इंडिया	श्री कौ० कौ० मिथा, निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली	श्री वेनेंद्र राज मेहता निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली
3 बैंक आफ महाराष्ट्र आ० कौ० कौ० मिथा	निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली	श्री अशोक चन्द्र

[सं० एफ० 9/46/83-वी० आ०-१ (1)]
च०था० मृ॒रचंदानी, निदेशक

S.O. 1550.—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) there of in place of the persons specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table :

TABLE

1	2	3
1. Central Bank of India	Shri Ashok Chandra, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi	Shri V. K. Dar
2. Union Bank of India	Shri K. K. Misra, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi	Shri D. R. Mehta
3. Bank of Maharashtra	Shri K. K. Misra, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi	Shri Ashok Chandra

[No. F. 9/46/83-BO I (1)]

C. W. MIRCHANDANI, Director

का० आ० 1551.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और व्यक्तिगत उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 3 के उपबंध (ल) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे की सारणी के कालम (2) में उल्लिखित व्यक्तियों को उनमें से प्रत्येक के मामते उसी सारणी के कालम (3) में उल्लिखित व्यक्तियों के स्थान पर सारणी के कालम (1) में दिये गये राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

1	2	3
1. पंजाब नेशनल बैंक: श्री एम० एव० वार्ड०	श्री एम० एम० सचदेव प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-११०००१	श्री एम० एम० सचदेव

1	2	3
2 कैनरा बैंक	श्री आर० आर० प्रधान वित्तीय नियन्त्रक, ब्याय और बजट नियन्त्रण, भारतीय रिजर्व बैंक कोन्सोल कार्यालय, संबंध।	श्री एम० एन० बगाई

[रि०एफ० ९/२३/८४-बी० जी० १]
२० वा० भीरुचन्द्रानी, नियेशक

S.O. 1551.—In pursuance of sub-clause (g) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) thereof in place of the persons specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table :—

TABLE

(1)	(2)	(3)
1. Punjab National Bank	Shri S.N. Bagai, Manager, Reserve Bank of India, Parliament Street, New Delhi-110001.	Shri M.L. Sachdeva
2. Canara Bank	Shri R.R. Pradhan, Financial Controller, Dept. of Expenditure & Budgetary Control, Reserve Bank of India, Central Office, Bombay.	Shri S. N. Bagai

[No. F. 9/23/84-BO.I]

C. W. MIRCHANDANI, Director
राजस्व विभाग

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1983

आय कर

का०आ० 1552.—सर्वाधारण की जानकारी के लिए एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को, आय कर नियम, 1962 नियम 6 के साथ पठित आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2 क) के प्रयोजनार्थ नीचे विविदिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित किया है :—

वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना अतिरिक्त अंशयुक्त शीघ्र पैदावार का नाम

देने वाली रवार की ऐसी किसी विकसित करना जो शुल्कता को बदास्त कर सके तथा रुग्णता प्रतिरोधक हो।

प्रयोजक का नाम .

हिन्दुस्तान गम एण्ड कैमिकल्स लि०, भिवानी

कार्यान्वयन करने वाली प्रयोगशाला का नाम

उदयपुर विश्व विद्यालय, उदयपुर

अवधि

1-6-1982 से 31-5-1986

अनुमानित व्यय

3.81 लाख रुपये

2. उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) (ii) के अंतर्गत अनुमोदित है, देखिए—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 18-4-1975 की अधिसूचना सं० 203/39/75 आ०का०नि०-II

[सं० 5097/फा० सं० 203/54/81-आ०का०नि०-II]
पी० सक्सीना, उपमचिव

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd February, 1983

INCOME TAX

S.O. 1552.—It is hereby notified for general information that the following Scientific Research Programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section 2A of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 by Department of Science & Technology, New Delhi.

Name of the Scientific Research Project	To breed early, drought tolerant and disease resistant varieties of guar with high yield coupled with high gum contents.
Name of the Sponsored by	Hindustan Gum Chemicals Ltd., Bhiwani.
Name of the Sponsored at Duration Estimated cost	University of Udaipur, Udaipur. 1-6-82 to 31-5-1986. Rs. 3.81 lakhs.

2. University of Udaipur, Udaipur is approved u/s 35(1) (ii) of the Income tax Act, 1961, vide Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 203/39/75-ITA-II dated 18-4-1975.

[No. 5097/F. No. 203/54/81-ITA-II]
P. SAXENA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1984

(आय कर)

का०आ० 1553.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (2) (ख) वारा प्रदर्श शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा "श्री चारभुजनाथ मन्दिर, मेट्रास्टी, जिला नागौर (राजस्थान)" को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ सम्मूर्ख राजस्थान राज्य में प्रसिद्ध सार्वजनिक पूजा-स्थान के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं० 5589/फा० सं० 176/58/83-आ०का०नि० (ए०आई०)]
आर० के० तिकारी, अवरसचिव

New Delhi, the 17th January, 1984

(INSURANCE)

S.O. 1553.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Charbhanjan Temple, Metracity, Distt. Nagpur (Rajasthan)" to be a place of public worship of renown throughout the State of Rajasthan.

[No. 5589/F. No. 176/58/83-IT(AI)]
R. K. TEWARI, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1984

(आयकर)

का०आ० 1554 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उप-खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, “ग्रान्थ क्यूचिन सोसायटी, विजयवाड़ा” को कर निर्धारण वर्ष 1983-84 से 1985-86 तक के अंतर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं० 5770/फा०सं० 197/97/83-आ०क०(नि० 1)]

New Delhi, the 25th April, 1984

(INCOME-TAX)

S.O. 1554.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Andhra Capuchin Society, Vijayawada” for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No. 5770/F. No. 197/97/83-IT(AI)]

(आयकर)

का०आ० 1555:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उप-खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, “श्री गुरुव्यूरप्पन आस्तिक समाजम, मद्रास” को कर निर्धारण वर्ष 1984-85 तथा 1985-86 के अंतर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं० 5769 (फा०सं० 197/191/83-आ०क०(नि० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1555.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Guruvayoorappan Asthika Samajam, Madras” for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1984-85 and 1985-86.

[No. 5769/F. No. 197/191/83-IT(AI)]

(आयकर)

का०आ० 1556:—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उप-खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, “श्री चावो सतीजी टस्ट, झंडूनू” को कर निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 तक के अंतर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं० 5771/फा०सं० 197/16/83-आ०क०(नि० 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1556.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Shri Chavo Satiji Trust, Jhunjhunu” for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 5771/F. No. 197/16/83-IT(AI)]

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1984

(आयकर)

का०आ० 1557 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2)(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, “पत्तुबुरुकल भगवती मन्दिर, एण्कुलम” को समस्त केरल राज्य में विद्यात सार्वजनिक पूजा-स्थल के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं० 5756/फा०सं० 176/17/84-आ०क०(नि० 1)]

आर०क० तिवारी, अमर प्रेस

New Delhi, the 11th April, 1984

(INCOME-TAX)

S.O. 1557.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Pattupurackal Bhagavathi Temple, Ernakulam” to be a place of public worship of renown throughout the State of Kerala.

[No. 5756/F. No. 176/17/84-IT(AD)]

R. K. TEWARI, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1982

आय-कर

का०आ० 1558. —केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 21 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी अधिसूचना सं० 4344 तक 30-11-1981 का निम्नलिखित संशोधन करती है। संभं 3 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा।

अनुसूची

आय-कर	मुख्यालय	अधिकारिता
आयुक्त		
अन्वेषण	लुधियाना क-1. अन्वेषण संकिल	लुधियाना
लुधियाना	2. सर्वेक्षण संकिल-1	लुधियाना
	3. सर्वेक्षण संकिल II	लुधियाना
	4. जिला III	अमृतसर
	5. सर्वेक्षण संकिल	अमृतसर
	6. अन्वेषण संकिल	जालंधर
	7. सर्वेक्षण संकिल	यमुना नगर
	8. सर्वेक्षण संकिल	गुडगांव
	9. सर्वेक्षण संकिल	हिसार
	10. सर्वेक्षण संकिल	जालंधर

ख—पटियाला, रोहतक, अमृतसर और जालंधर के आय-कर आयुक्तों की अधिकारिता में समाविष्ट क्षेत्रों की बाबत सर्वेक्षण की सामान्य शक्ति।

यह आदेश 7-4-1982 से प्रभावी होगा।

[सं० 4559/फा०सं० 187/32/81-आ०क०(ए 1)]
बी० बी० श्रीनिवासन, सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 7th April, 1982

(INCOME TAX)

S.O. 1558.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment in its Notification No. 4344 dated 30-11-1981. The following shall be substituted in Column 3 in place of the existing entry.

SCHEDULE

Commissioner of Income Tax	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3
(Investigation) Ludhiana	A.	1. Investigation Circle, Ludhiana. 2. Survey Circle I, Ludhiana. 3. Survey Circle-II, Ludhiana. 4. District-III, Amritsar. 5. Survey Circle, Amritsar. 6. Investigation Circle, Jullundur. 7. Survey Circle, Yamuna-nagar. 8. Survey Circle, Gurgaon. 9. Survey Circle, Hissar. 10. Survey Circle Jullundur
	B	General power of Survey in respect of areas comprised in the jurisdiction of Commissioners of Income-tax, Patiala, Rohtak, Amritsar and Jullundur.

This order will come into effect from 7-4-1982

[No. 45509/F.No 187/32/81 IT(AI)]

V.B. SRINIVASAN, Secy. Central Board of Direct Taxes

(आधिक कार्य विभाग)

(वैकिक प्रभाग)

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1984

का०आ० 1559.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 50 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित चार्टर्ड लेखाकारों की फ़र्मों को वर्ष 1983-84 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के लेखा परीक्षक नियुक्त करती है, अर्थात्—

- मैसर्स बाट्लीबाय एंड पुरोहित, चार्टर्ड लेखाकार, नेशनल इंश्योरेंस बिल्डिंग, 204, हा० शादाभाई नारोजी रोड, बम्बई-400001
- मैसर्स लक्ष्मांजल लीविस, चार्टर्ड लेखाकार, नं० 4, लायन्स रेंज, कलकत्ता-700001

3. मैसर्स डी० रंगस्वामी एंड कम्पनी, चार्टर्ड लेखाकार

1/142, माउंट रोड,
मद्रास-6000014. मैसर्स केंसी० खन्ना एंड कम्पनी, चार्टर्ड लेखाकार,
665 गोविन्द मेन्शन, कनट सर्कम,
नई दिल्ली ।5. मैसर्स बेद एंड कम्पनी, चार्टर्ड लेखाकार, अजंता बिल्डिंग,
जी०टी० रोड,
गाजियाबाद—(उत्तर प्रदेश)6. मैसर्स दास गुप्त एंड कम्पनी, चार्टर्ड लेखाकार,
122-124, माडल बस्ती,
नई दिल्ली-110005

[का० 1(2)84-लेखा]

माधव वैद्य, अधर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 21st April, 1984

S.O. 1559.—In exercise of the powers conferred by Section 50 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby appoint the following firms of Chartered Accountants as Auditors of the Reserve Bank of India for the year 1983-84, namely :—

- M/s. Batliboi & Purohit, Chartered Accountants, National Insurance Building, 204, Dr. Dadabhai Naroji Road, Bombay-400001.
- M/s. Lovelock & Lewes, Chartered Accountants, No. 4, Lyons Range, Calcutta-700001.
- M/s. D. Rangaswamy & Co., Chartered Accountants, 1/142, Mount Road, Madras-600001.
- M/s. K. C. Khanna & Co., Chartered Accountants, 665, Gobind Mansion, Connaught Circus, New Delhi.
- M/s. Ved & Co., Chartered Accountants, Ajanta Building, G. T. Road, Ghaziabad (U.P.)
- M/s. Dass Gupta & Co., Chartered Accountants, 122-124, Model Basti, New Delhi-110005.

[No. 1(2)84[Accts.]

M. R. VAIDYA, Under Secy.

नयी दिल्ली, 26 अप्रैल, 1984

का०आ० 1560.—भारतीय स्टेट बैंक, (अनुप्रधी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) की धारा 2 की उपधारा (2क) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के कांड (गक) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र, घरबरगढ़ शाखा, भावनगर के प्रधान लिपिक श्री जे०पी० भट्ट को स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के कमंचारियों में से, जो कर्मकार हैं, 26 अप्रैल, 1984 से

25 अप्रैल, 1987 को समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, अधिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 31 मार्च, 1978 की अधिसूचना सं.एफ० 8/15/78-बी०ओ० 1(3) के अधीन नियुक्त श्री पौ०डी० त्रिवेदी के स्थीन पर स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के निदेशक बोर्ड में निदेशक नियुक्त करती है।

[सं. एफ० 15/6/81-आई०आ०र०]

New Delhi, the 26th April, 1984

S.O. 1560.—In pursuance of clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Central Government hereby appoints Shri J. P. Bhatt, Head Clerk, State Bank of Saurashtra, Darbagadh Branch, Bhavnagar as a director on the Board of the State Bank of Saurashtra from among the employees of the State Bank of Saurashtra who are workmen for a period of three years commencing on 26th April, 1984 and ending with 25th April, 1987 in the place of Shri P. D. Trivedi appointed under the Notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 8/15/78-B.O.I(3), dated 31st March, 1978.

[No. F. 15/6/81-IR]

का०आ० 1561 — भारतीय स्टेट बैंक (अनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) की धारा 26 को उपधारा (2क) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा स्टेट बैंक आफ त्रावणकोर, पुत्तेनचंत शाखा, त्रिवेद्रम, के प्रधान नियिक, श्री पाल काकेसरी को स्टेट बैंक आफ त्रावणकोर के कर्मचारियों में से, जो कर्मकार हैं, 26 अप्रैल, 1984 से प्रारम्भ होने वाली और 25 अप्रैल, 1987 को समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए स्टेट बैंक आफ त्रावणकोर के बोर्ड में निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एफ० 15/6/81-आई०आ०र०]

यशवंत राज, अवर सचिव

S.O. 1561.—In pursuance of clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Central Government hereby appoints Shri Paul Kakkessery, Head Clerk, State Bank of Travancore, Puthenchanthai Branch, Trivandrum as a director on the Board of the State Bank of Travancore from among the employees of the State Bank of Travancore who are workmen for a period of three years commencing on 26th April, 1984 and ending with 25th April, 1987.

[No. F. 15/6/81-IR]
YASHWANT RAJ, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1984

स्टाम्प

का०आ०—1562 भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड

(ब) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा मैं जीनिय टील पाइप्स एण्ड इंडस्ट्रीज लिंग, बम्बई को चार लाख, चालीस हजार, दो सौ, सतासी रुपये और पचास पसे मात्र के समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी की अनुमति देती है जो उक्त कम्पनी द्वारा पांच करोड़, सतासी लाख, चार हजार और आठ सौ रुपये के अंकित मूल्य के अनुपत्तियों के रूप में जारी किये जाने वाले बन्धपत्र पर स्टाम्प शुल्क के रूप में प्रभावी है।

[सं. 29/84-स्टाम्प फा०सं. 33/26/84 बिंक०]

भगवान दास, अवर सचिव

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 28th April, 1984

STAMPS

S.O. 1562.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. Zenith Steel Pipes and Industries Ltd., Bombay, to pay consolidated stamp duty of rupees four lakhs, forty thousand, two hundred eighty seven and paise fifty only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures of the face value of rupees five crores, eighty seven lakhs, four thousand and eight hundred only to be issued by the said company.

[No. 29/84-Stamp. F. No. 33/26/84-STB
BHAGWAN DAS, Under Secy.

भागिण्य भ्रातृलय

(मुक्त नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1984

का०आ० 1563.—सर्वश्री स्ट्रेसकीट प्रा० लि०, ई०४२३, इष्टस्टियल एस्टेट, चरण-2, ओडला, नई दिल्ली को 9,42,696/-रु० मूल्य का संस्करण सूची के अनुमार पूंजीगत माल के आयात के लिए एक आयात लाइसेंस सं. पी०/ए०/1439748/सी०/एक्स० एक्स०/72/एच०/70/एम० एल०२ विनांक 26-7-1979 प्राप्त किया गया था जो जारी होने की तिथि से 12 मास के लिए रहा था। अब पार्टी ने उपर्युक्त आयात लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन/मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति प्रदान करते के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि वोनों प्रतिया उनसे थो गई हैं। पार्टी ने एक आवश्यक गणधर्म वालिम किया है जिसके अनुमार उपर्युक्त आयात लाइसेंस किसी भी सीमा-शुल्क कायलिय के पास पंजीकृत नहीं था और उसका विकल्प भी उत्तराधि नहीं किया गया था और अब लाइसेंस के मद्दे 9,42,696/-रु० की धनरक्षण हो रही है। गणधर्म वोलाया पद में यह भी आमिल किया गया है कि यह आयात लाइसेंस की उक्त सीमा-शुल्क प्रयोजन/मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति बाब में मिल गई या पाई गई तो उसे जारी करने वाले प्राधिकारी को लौटा देंगे। मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन/मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति बो गई है और निवेदा देना हूँ कि अवेदक को आयात लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन/मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति जारी की जाए। साइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन/मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति एतद धारा रही की जाती है।

[मिसिल सं भाग 1/5/74-75/एम०एल०एस०]

एन० एस० कृष्णमूर्ति, उप-मुख्य नियंत्रक,

आयात एवं निर्यात

कृत मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE
(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)
New Delhi, the 27th April, 1982

S.O. 1563.—M/s. Stresscrete Pvt. Ltd., E-42/3, Industrial Estate, Phase-II, Okhla, New Delhi were granted an import licence No. P/A/1439748/C/XX/72/H/70/ML. II dated 26-7-1979 for import of Capital Goods as per list attached valued at Rs. 9,42,696 with a validity of 12 months from the date of issue. Now the party have applied for grant of a Duplicate Customs Purpose/Exchange Control Copy of the aforesaid import licence on the ground that both the copies have been lost by them. The party have furnished necessary affidavit according to which the aforesaid import licence was not registered with any Customs House and was not utilised at all and the balance against the licence is Rs. 9,42,696. It has also been incorporated in the affidavit/declaration that if the said Customs Purpose/Exchange Control Copy of the import licence is traced or found later on, it will be returned to the issuing authority. I am satisfied that the original Customs Purpose/Exchange Control Copy of the import licence has been lost and direct that a Duplicate Customs Purpose/Exchange Control Copy of the import licence should be issued to the applicant. The original Customs Purpose/Exchange Control Copy of the licence is hereby cancelled.

[F. No. Pt. 12/5/74-75/MLS/305]

N. S. KRISHNAMURTHY, Dy. Chief Controller,
for Chief Controller

आवेदन

मई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1984

का० आ० 1564.—सर्वेशी महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड (ऑटोमोटिव इंडिया), अकर्ली रोड, कान्डिवली (पूर्वी) बम्बई-400101 को 1982-83 की अवधि के दौरान संलग्न सूची के अनुनाम पूर्जीगत माल के आयात के लिए मात्र 87,79,700/- रु. का आयात लाइसेंस सख्ता पी०/सी०/जी०/2085981/एम०/डब्ल्यू०/पी०/ 84/एच०/82/सी०/जी० 1 दिनांक 3-11-1982 प्रदान किया गया था।

2. कर्म ने अब उपर्युक्त आयात लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति बिना किसी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए और बिल्कुल भी उपयोग में लाए बिना ही खो गई है। कर्म सहमत है और अचन देती है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति के बाव में भिल जाने पर वह उसे इस कार्यालय के रिकार्ड के लिए बापस कर देगी।

3. अपने तरफ के समर्थन में कर्म ने 1983-84 की आयात नियरित कियाविधि पुस्तक के अध्याय 15 के पैरा 353 में मांगे गए के अनुसार एक शपथ पत्र बालिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस सख्ता पी०/सी०/जी०/2085981 दिनांक 3-11-1982 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और आवेदक को लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने का निर्देश देते हैं। लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति रह कर दी गई है।

4. आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[मि० सं० 816/82/7/सी०/जी० 1]

पांच बैक, ड्रप-मुख्य नियंत्रक

कृते मुख्य नियंत्रक,

New Delhi, the 21st April, 1984

ORDER

S.O. 1564.—M/s. Mahindra & Mahindra Limited, (Automotive Division), Agarli Road, Kandivli (E), Bombay-400101, were granted an Import Licence No P/CG/2085981/S/WP/

84/H/82/CG, I dated 3-11-1982 for Rs. 87,79,700 only for the import of Capital Goods as per list attached during the period 1982-83.

2. The firm have now requested for the issue of duplicate copy of Customs Purposes copy of the above Licence on the ground that the original Customs Purposes Copy has been lost without having been registered with any Customs Authority and utilised at all. The firm agrees and undertakes to return the original Customs Purposes Copy of the Licence if traced later, to this Office for record.

3. In support of their contention the firm have filed an affidavit as required in Para 353 of Chapter XV of Hand-Book of Import Export Procedures 1983-84. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes Copy of Import Licence No. P/CG/2085981 dated 3-11-1982 has been lost and directs that duplicate copy of Customs Purposes Copy of the Licence may be issued to the applicant. The original Customs Purposes Copy of Licence has been cancelled.

4. The duplicate copy of Customs Purposes Copy of the Import Licence is being issued separately.

[F. No. 816/82/7/CG. 1]

PAUL BECK, Dy. Chief Controller,
for Chief Controller

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात तथा नियरित का कार्यालय)

मद्रास, 26 मार्च, 1984

आवेदन संख्या 14/84

का० आ० 1565.—सर्वेशी जुबाई टार्निंग इंडस्ट्रीज, टामरी तुकिपेट, आम्बूर, एन० ए० डिस्ट्रीक्ट, को अप्रैल-मार्च 1983 अवधि के लिए रूपये 2,19,298/- तक कच्चा माल, संवरक और उत्तमता का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस सख्ता पी०/डी०/2227595/सी०/एम०/एक्स०/85/एम०/82/आटोमेटिक एक्जिस्टिंग दिनांक 6-12-82 जारी किया गया था। लाइसेंसधारी ने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इसलिए आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल में से रूपये 83,680/- तक उपयोग कर लेने के बाव वह खो दी गयी है।

अपने तरफ के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र बालिल किया है। अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की मूल प्रति खो दी गयी है और आवेदन देगा है कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय प्रति की अनुलिपि प्रति जारी किया जाय। लाइसेंस की मूल प्रति एक द्वारा रह किया जाता है।

मुद्रा विनिमय प्रति की अनुलिपि प्रति संख्या 2464833 दिनांक 12-3-84 अलग जारी किया जाता है।

[आईटी सी०/डी०/जी०/टी०/319/एम० 83/एम०-3]

सी० जी० फेरनार्डेज, उपमुख्य नियंत्रक,

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

Madras, the 26th March, 1984

ORDER No. 14/84

S.O. 1565.—M/s. Zubaida Training Industries, Tannery Thulipet, Ambur, N. A. District were granted licence No. P/D/2227595/C/XX/85/M/82 Automatic Existing dated 6-12-82 for Raw materials and components and consumables for a value of Rs. 2,19,298 for the period April 82-March 83. They have requested this office to issue a duplicate Exchange Control copy of above mentioned licence which has been lost after having utilised value of licence of Rs. 83,680.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original copy

of the licence (Exchange Control copy) has been lost and direct that a duplicate copy of the said licence (Exchange Control Copy) should be issued to them. The original copy of the licence is hereby cancelled.

A duplicate licence (Exchange Control Copy) No. 2464833 dt. 12-3-84 has been issued separately.

[ITC/DGTD/319/AM 83/AU I.]

C. G. FERNANDEZ, Dy. Chief Controller.

(संयुक्त युद्ध नियन्त्रक आयात-नियंत्रण का कार्यालय)

मद्रास, 9 मार्च, 1984

आदेश

विषय :—सर्वश्री आर्एकेड बर्ग एण्ड कम्पनी (ए) (पी) लिमिटेड, नम्बर 1, हॉटर्स रोड, चूलै, मद्रास-600112 को जारी किये गये लाइसेंस सम्बन्धी पी/एल/0357866 और 0357868 दिनांक 23-12-1982 वोनों की सोमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति तथा मुद्रा नियंत्रण विनियम प्रति की रद्दीकरण आदेश।

का० आ० 1566 -- सर्वश्री आर्एकेड बर्ग एण्ड कम्पनी (ए) (पी) लिमिटेड, नम्बर 1, हॉटर्स रोड, चूलै, मद्रास-600112 को, अप्रैल-पार्च 1983 आयात नीति के अंतर्गत रुपये 13413 और रुपये 36840 के बी आयात लाइसेंस क्रमांक संख्या पी०/एल/0357866/सी/एक्स पृक्स/85/एम/81/वी० 11.1 और पी०/एल/0357868/सी/एक्स पृक्स/85/एम/81/वी० 11.1 दिनांक 23-12-1982 जारी किये गये थे। लाइसेंसधारी ने उक्त वोनों लाइसेंस की दोनों प्रतियों की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इसलिए आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस किसी भी सोमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत करवाये जिन और बिल्कुल उपयोग में लाये जिन जो दी गयी हैं या अस्थानस्थ हो गयी हैं। उन्होंने यह भी घोषित किया है कि उक्त लाइसेंस की रद्दीकरण, बन्धक, हस्तानरण नहीं हुआ है और उन्हें अन्य कोई प्रयोजन के लिए उनके द्वारा या तो उनकी ओर से किसी भूम्य व्यक्ति के पास नहीं सौंप दिया गया है।

अपने तरफ के समर्थन में आवेदक ने योनित न्यायिक प्राधिकारी के सम्मुख विधिवत स्टाप कागज पर हस्ताक्षरित एक शब्द पत्र दाखिल किया है।

अप्रोहस्ताक्षरी इस बात से संकुष्ट है कि लाइसेंस संवया पी०/एल/0357866 तथा 0357868 दिनांक 23-12-1983 जो दी गयी है और आवेदन देता है कि उक्त वबने में आवेदक को अनुलिपि प्रति जारी किया जाय। रुपये 13413 तथा 36840 के उक्त लाइसेंस की सोमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति तथा मुद्रा विनियम की मूल प्रतियों एवं द्वारा रख किया गया समझा जाएगा।

[संध्या : केमिकल्स/22/लाइसेंस/जे एम 82/ए एम 83/एस पी एस वी०-2]
एस० नरसिंहन, उप युद्ध नियंत्रक,

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Madras, the 9th March, 1984

Sub : Order for cancellation of the Custom Purpose Copy and Exchange Control Copy of both licence Nos. P/L/0357866 and 0357868 dated 23-12-1982 issued in favour of M/s. Alfred Berg & Co., (I)P) Ltd., No. 1, Hunters Road, Choolai, Madras-600112.

S.O. 1566.—M/s. Alfred Berg & Co. (I)P) Ltd. No. 1, Hunters Road, Choolai, Madras-600112 were granted two import licence Nos : P/L/0357866/C/XX/85/M/81/B.11.1 and P/L/0357868/C/XX/85/M/81/B.11.1 dated 23-12-1982 for Rs. 13413 and for Rs. 36840 respectively as per April-March 1983 Licensing Policy. They have applied for issue of a duplicate copy for both the licences in duplicate on the ground that the original licences mentioned above have been lost/misplaced without having been registered with any Customs Authority and utilised at all. They have also declared that the said licences have not been cancelled, pledged, transferred or handed over by them or on their behalf to any other party for any purpose.

In support of their contention, the applicant has filed an affidavit on stamp paper duly signed before the appropriate judicial authority.

I am satisfied that the Import Licences No. P/L/0357866 and 0357868 dated 23-12-1982 have been lost and duplicate copy should be issued to the applicant in lieu thereof. The original and duplicate copy of Customs Purpose Copy and Exchange Control Copy of the said licences may be deemed to have been cancelled for the full unutilised value of Rs. 13413 and Rs. 36840.

[F. No. Chem/22/Lic/JM 82/AM 83/SPS2]
S. NARASIMHAN, Dy. Chief Controller

नई दिल्ली, 12 मई, 1984

का०आ० 1567—केंद्रीय सरकार, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963, (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेज़ रहित चावल की भूसी का नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1966 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तेज़ रहित चावल की भूसी का नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूत होंगे।

2. तेज़ रहित चावल की भूसी का नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1966 में नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“6 फ़ीस :—इन नियमों के अधीन—

(1) उस दशा में आठ रुपए प्रतिटन जब मैथाइल ओमाइड का धूमक के रूप में प्रयोग किया गया है।

(2) उस दशा में छः रुपए प्रतिटन जब एल्युमिनियम फ़ासस्फाइड का धूमक के रूप में प्रयोग किया गया है, और

(3) उस दशा में सात रुपए प्रतिटन जब मैथाइल ओमाइड/एथिलीन हिप्रोमाइड का सम्मिश्रण 3 : 1 के अनुपात के धूमक के रूप में प्रयोग किया गया है;

की दर से फ्रॉस धूमीकरण अभिकरण द्वारा धूमक
के लिए ली जाएगी ।”

[सं. 6(4)/83-ई आई एण्ड ईपी]

पाद टिप्पण : का०आ० 969 तारीख 25-3-1966
का०आ० 1934 तारीख 3-8-1974
का०आ० 157 तारीख 3-1-1976

New Delhi, the 12th May, 1984

S.O. 1567.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of De-oiled Rice Bran (Quality Control and Inspection) Rules, 1966, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of De-oiled Rice Bran (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of De-oiled Rice Bran (Quality Control and Inspection) Rules, 1966, for rule 6, the following shall be substituted, namely :—

“6. Fees.—A fee at the rate of,

- (i) rupees eight per tonne if Methyl Bromide is used as a fumigant.
- (ii) rupees six per tonne if Aluminium Phosphide is used as a fumigant, and
- (iii) rupees seven per tonne if Methyl Bromide|Ethylene Dibromide combination is used as fumigant in the ratio of 3:1.

shall be charged by the fumigation Agency for fumigation under these rules.”

[No. 6(4)/83-EI&EP]

Foot Note :

S.O. 969 dated 25-4-1966.
S.O. 1934 dated 3-8-1974.
S.O. 157 dated 3-1-1976.

एन्ड्रिप्पन

का०आ० 1568—भारत के राजपत्र, भाग—2 खंड—3,
उपखंड—(ii) तारीख 1 अक्टूबर, 1983 के 3770 और
3771 पृष्ठों पर प्रकाशित वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना
सं. का० आ० 3683 तारीख 1 अक्टूबर 1983 में

पृष्ठ 3771 पर-पैरा 2 की पंक्ति 3 में शब्द “वर्ग”
के स्थान पर “घन” पढ़े।

[सं. 6(4) 83-ई आई एण्ड ई पी]
सं. बी० कुरेकती, संयुक्त निदेशक,

पाद टिप्पणी : का०आ० 569 तारीख 25-3-1966

का०आ० 1934 तारीख 3-8-1974

का०आ० 157 तारीख 3-1-1976

CORRIGENDUM

S.O. 1568.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3683 dated 1st October, 1983 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1st October, 1983 at pages

3770 and 3771, at page 3771, in line 3 of paragraph 2 for ‘square’ read ‘cubic’.

[No. 6(4)/83-EI&EP]

C. B. KUKRETI, Jt. Director

Foot Note :

S.O. 969 dated 25-3-1966.

S.O. 1934 dated 3-8-1974.

S.O. 157 dated 3-1-1976.

नई दिल्ली 12 अप्रैल, 1984

का०आ० 1569.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ
के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के
नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में निम्नलिखित
कार्यालयों को जिसके कर्मचारी बृन्द ने हिन्दी का कार्यालयक
ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. नेशनल टेक्स्टाइल कारपोरेशन (दिल्ली पंजाब एवं
राजस्थान) लि० नई दिल्ली।
2. स्वदेशी काटन एण्ड फ्लोर मिल्स इंडॉर।
3. दी काटन कारपोरेशन आफ इंडिया लि०, बम्बई।
4. दी काटन कारपोरेशन आफ इंडिया लि० शाखा कार्यालय,
श्री गंगानगर।
5. दी काटन कारपोरेशन आफ इंडिया लि० शाखा कार्यालय,
सिरसा।
6. दी काटन कारपोरेशन आफ इंडिया लि० शाखा
कार्यालय, इंडॉर।
7. दी काटन कारपोरेशन आफ इंडिया लि०, शाखा कार्यालय,
नई दिल्ली।
8. अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, कालीन बुनाई फेन्ड,
इलाहाबाद।
9. परियोजना तथा उपस्कर निगम, नई दिल्ली।
10. नेशनल जूट मैन्यूफेक्चर्स कारपोरेशन लि०, कलकत्ता।
11. आर.वी० एच०एम०, कटिहार (बिहार)
12. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आपात-नियांत्र (केन्द्रीय लाइसेंसिं
घेस), नई दिल्ली।

[फा० सं. ई-11011/12/76-हिन्दी]

जोगिन्द्र सिंह, निवेशक

New Delhi, the 12th April, 1984

S.O. 1569.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the
Official Language (Use for Official Purposes of the Union)
Rule, 1976, the Central Government hereby notifies the following
offices, the staff where of have acquired the working
knowledge of Hindi :—

1. National Textile Corporation (Delhi, Punjab & Rajasthan) Ltd., New Delhi.
2. Swadeshi Cotton and Flour Mills, Indore.
3. The Cotton Corporation of India Ltd., Bombay.
4. The Cotton Corporation of India Ltd., Branch Office, Sri Ganga Nagar.
5. The Cotton Corporation of India Ltd., Sirsa.
6. The Cotton Corporation of India Ltd., Branch Office, Indore.
7. The Cotton Corporation of India Ltd., Branch Office, New Delhi.
8. All India Handicrafts Board, Carpet Weaving Cen-
tre, Allahabad.

9. The Project & Equipment Corporation, New Delhi.
10. National Jute Manufactures Corporation Ltd., Calcutta.
11. R.B.H.M. Katihar (Bihar).
12. Office of the Joint Controller of Imports & Exports (C.L.A.), New Delhi

[F. No. E-11011/12/76-Hindi]

JOGINDER SINGH, Director

(मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रण का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली 27 अप्रैल 1984

कांग्रेस 1570.—सर्वेश्वरी इंटरनेशनल डाटा मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली को स्वतंत्र विदेशी मुद्रा के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमेरिका से कम्प्यूटर सिस्टम के आयात के लिए 36,84,300/-रु. (सात छह लाख चौरासी हजार तीन सौ रुपए) का एक आयात लाइसेंस संख्या पी/सी/जी/2086872/सी/एक्स एक्स/86एच/82/सी०जी०३ दिनांक 4-3-1983 प्रदान किया गया था। फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अस्थानस्थ हो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रति प्रथम यूनिट बम्बई कस्टम्स के पास पंजीकृत थी और आंशिक रूप से उपयोग में लाई गयी थी। अब अनुलिपि सीमा शुल्क प्रति शेष 24,93,104 रुपए के लिए चाहिए।

2. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक बम्बई के सम्मुख विधिवत् शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं. पी०/सी० जी०/2086872 दिनांक 4-3-83 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति फर्म से अस्थानस्थ हो गई है यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के उपर्युक्त ९ (सी सी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए लाइसेंस की उक्त मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वयाग्र रद्द की जाती है।

3. उपर्युक्त लाइसेंस की एक अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[मिसिल सं. सी०जी० 3/1850/82/6]

एम०एल० भार्गव, उप-मुख्य नियंत्रक

कृते मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 27th April, 1984.

S.O. 1570.—M/s. International Data Management Private Limited, New Delhi were granted an import licence No. P[CG]2086872[C]XX[86]H-82-CG, III dated 4-3-1983 for Rs. 36,84,300/- (Rupees Thirty six lakhs eighty four thousand and three hundred only) for the import of Computer System from USA under free foreign exchange. The firm has applied for issue of duplicate copy of the customs purposes

copy of the above mentioned licence on the ground that the original customs purposes copy of the licence has been misplaced. It has further been stated that the customs copy of the licence was registered with Air Unit, Bombay customs and partly utilized. The duplicate customs copy now required is to cover the balance of Rs. 24,93,104.

2. In support of their contention, the licensee has filed an Affidavit on a stamped paper duly sworn in before a Notary Public, Bombay. I am accordingly satisfied that the original customs purposes copy of the licence No. P[CG]2086872 dated 4-3-83 has been misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9 (CC) of the import (control) order 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original customs purposes copy of the licence is hereby cancelled.

3. A duplicate customs purposes copy of the said licence is being issued separately.

[F. No. CG. III/1850/82/6]

M. L. BHARGAVA, Dy. Chief Controller,
For Chief Controller of Imports & Exports.

मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रण का कार्यालय

मौलाना आजाद रोड उद्योग भवन नई दिल्ली

आदेश

नई दिल्ली 27 अप्रैल, 1984

कांग्रेस 1571.—सर्वेश्वरी दि मेशना मिल्स कं. नि० नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता को 1000 बी० एच पी० के एक नं० एम के एल डीजल इंजन 428 आर पी० एल 6 सिलेंडर्स टर्बोचार्जेड टाइप 6एन बी०ई० 48ए०२ के आयात के लिए केवल 5,45,000 रु० का एक आयात लाइसेंस सं० पी०/सी० जी०/2086992/टी०ई० आर 87 एच/82/सी० जी० 1 दिनांक 5-5-83 प्रदान किया गया था।

2. अब फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराएं बिना और बिल्कुल भी उपयोग में लाए बिना ही खो गई है। फर्म इस बात से सहमत है और बचन देती है कि यदि लाइसेंस की यदि मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति वाद में मिल गई तो इस कार्यालय की रिकाई के लिए लौटा दी जाएगी।

3. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने 1983-84 की आयात-नियंत्रण क्रियाविधि हैंडबुक के अध्याय 15 की कंडिका 33 में यथा अपेक्षित एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है और बचन देता है कि आयात लाइसेंस सं. पी०/सी० जी०/2086992 दिनांक 5-5-1983 की मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता है कि आवेदक को लाइसेंस की मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए। लाइसेंस की मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द कर दी गई है।

4. आधात लाइसेंस की मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति अलग मे जारी की जा रही है।

[मिसिल मं० 1983/82/5/34/सी०जी०-१]

भवदीय

पाल बेक, उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 27th April, 1984

S.O. 1571.—M/s. The Megna Mills Co. Ltd., 3, Netaji Subhash Road, Calcutta were granted an Import Licence No. P|CG|2086992|T|ER|87|H-82-CG. I dated 5-5-83 for Rs. 5,45,000/- only for the import of One No. SKL Diesel Engine of 1000 BHP, 428 RPM, 6 Cylinders, Turbocharged Type, 6 HVD 48A-2.

2. The firm have now requested for the issue of duplicate copy of Exchange Control copy of the above Licence on the ground that the original Exchange Control Copy has been lost without having been registered with any Customs Authority and utilised at all. The firm agrees and undertakes to return the original Exchange Control Copy of the licence if traced later, to this Office for record.

3. In support of their contention the firm have filed an affidavit as required in Para 353 of Chapter XV of Hand-Book of Import Export Procedures 1983-84. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Copy of Import Licence No. P|CG|2086992 dated 5-5-83 has been lost and directs that duplicate copy of Exchange Control Copy of the Licence may be issued to the applicant. The original Exchange Control Copy of Licence has been cancelled.

4. The duplicate copy of Exchange Control Copy of the Import Licence is being issued separately.

[F. No. 1934/82/5/23|CG. I]

Yours' Faithfully,
PAUL BECK, Dy. Chief Controller of
Imports & Exports
of Imports & Exports.

नई दिल्ली, 12 मई, 1984

का० आ० 1572.—केन्द्रीय सरकार नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 वा 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए जीरे का नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1979 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अध्यात् :—

1. संकिळित नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जीरे का नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1984 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को भवूत होंगे।
2. जीरे का नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1979 में,—
- (क) नियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अध्यात् :—

“3. निरीक्षण का आधार :—जीरे का निरीक्षण यह देखने की दृष्टि से किया जाएगा कि भारत सरकार के बावजूद, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय द्वारा बनाए गए और का० आ० 1402 के रूप में भारत के राजपत्र, भाग 2 खण्ड 3, उपकाण्ड (ii) वारीख 25 अनुसार, 1969 के पृष्ठ 4625 से 4628 पर प्रकाशित जीरे श्रेणीकरण और विहृत नियम, 1969 की अनुसूची II और अनुसूची III में विहृत विविदेशों के जो इन नियमों के उपावधि में उपलब्धि हैं और जिन्हे समय-समय पर संशोधित किया गया है, अनुल्प है।”

(ल) उक्त नियमों के नियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अध्यात् :—

“अधीन :—(1) यदि कोई प्राविकृत पैकर परेण्य का श्रेणीकरण या नियम 4 के उपनियम (8) या उपनियम (5) के अधीन प्रमाणपत्र जारी करने से निरीक्षण व्यविधिकारी के इकार करने से व्यक्ति है तो, वह दस दिन के भीतर निरीक्षण व्यविधिकारी से मामले को कृषि विषयन सलाहकार को निर्दिष्ट करने के लिए लिपित अनुरोध करेगा, जो विशद पर इस संबंध में व्यविधिवित प्रक्रिया के अनुसार उसे सलाह देने के लिए एक सलाहकार पैकर का गठन करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन गठित सलाहकार पैकर पैकर में कम से कम सीन और व्यविधिक से व्यविधिक सात व्यक्ति होंगे। परन्तु उक्त सलाहकार पैकर में कुल सदस्यता के कम से कम दो विहृत सदस्य गैर सलाहकारी होंगे।

(3) उपनियम (1) के अधीन किसी अनुरोध की मुनावई के लिए गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) सलाहकार पैकर—किसी अनुरोध को उसके प्राप्त होने के पश्चात दिन के भीतर निपटा देगा।”

उपावधि

जीरा (सावृत) का क्वालिटी का श्रेणी व्यविधान और परिभाषा

श्रेणी व्यविधान	विवेय लक्षण	साधारण लक्षण
भार के अनुसार	भार के अनुसार	भार के अनुसार
बाह्य पदार्थ	बाह्य बीज	जीरा बाह्य पदार्थ
प्रधिकरण %	प्रधिकरण %	प्रधिकरण %

1. जीरा विषेष 1.5 0.5 1.0 1.5 1.5 (क) जीरा क्षूमिनम साइमीनम एवं पौधे के सूखे फल होंगे।

1	2	3	4	5	6	7
2. जीरा उत्तम	2.5	1.0	3.0	2.5	3.0	(अ) वे विशिष्ट ग्राहक रेंग, स्वाद के और मसाले सामान्य गुणवत्ता वाले होंगे।
3. जीरा माफ	3.5	1.5	3.5	3.5	4.0	(ग) वे 10 प्रतिशत से अधिक ग्राहता द्वारा उचित रूप से मुख्य हुए होंगे।
4. जीरा सामान्य	5.0	—	5.0	5.0	5.0	
5. अविनियित श्रेणी		केना और नियंतकर्ता के बोच करार के अनुसार				(घ) वे दृश्यमान फॉर्म या फीट बाधा और फॉर्म गंध से मुक्त होंगे। किसी शानिकारक बाह्य पदार्थ से भी मुक्त होंगे।

टिप्पण : "धार्य पदार्थ" में कचरा, धूल, पत्थर के टुकड़े, हड्डियां, तिनके या छंठल या कोई अस्य गंदगी सम्मिलित है।

"प्रथम जीज" में जीरे के बीज से भिन्न जीज सम्मिलित हैं।

"विहृत और रंगहीन जीज" वे जीज हैं जो ग्रेंडर से विहृत और रंगहीन हैं। विहृत और रंगहीनता क्वालिटी का तात्पर्य इस से प्रभावित करती है।

"धूणप्रस्त जीज" वे जीज हैं जो धून या अन्य कीट द्वारा छेद किए हुए या खाए हुए हैं।

"मुख्याए हुए और अपरिक्व जीज" वे जीज हैं जो समुचित रूप से विकसित नहीं हुए हैं।

"अविनियित श्रेणी" के ग्रन्थीन जीरे का नियंत विवेशी क्रेता द्वारा फर्म के विवेश के प्रस्तुत किए जाने के अधीन होगा जो जीरे की अपेक्षित क्वालिटी और मात्रा उपर्युक्त करेगा प्रोत्त जीरे की कीमत के मंदाय की भी गारंटी देगा।

उपार्थ

जीरा (चूर्णकृत) की क्वालिटी का श्रेणी अधिकारी और परिभाषा

श्रेणी अधिकारी	क्वालिटी की परिभाषा	साधारण लक्षण
भार के अनुसार	भार के अनुसार	भार के अनुसार
ग्राहता अधिकतम	कुल राष्ट्र अधिकतम	ग्राम प्रधानमन्त्री
प्रतिशत	ग्राधिकतम	राष्ट्र अधिकतम
	प्रतिशत	प्रतिशत
मात्रक	12.0	9.5
साधारण	12.0	8.0
		1.5 जीरा (चूर्णकृत) वह सामग्री होगी जो सूखे साथूत और को पीसकर प्राप्त हो। यह अधिक्षिण फॉर्म विकास की द्वारा या फॉर्मेवार गंध से मुक्त होगा।

[सं ०६ (२२)/७४-६० ग्राह० ए४८६० पी०]

सी० वी० कुकरेली, रायुक्त निवेशक

shall be carried out with a view to seeing that the same conforms to the specifications prescribed in Schedule II and Schedule III of the Cumin Seeds Grading and Marking Rules, 1969, made by the Central Government in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Co-operation and published in the Gazette of India, Part-II, Section-3 Sub-section (ii), as S.O. No. 4302, dated the 25th October, 1969 at pages 4625 to 4629 as set out in the Annexure to these rules and amended from time to time."

(b) for rule 8 of the said rules the following shall be substituted namely:—

"Appeal.—(1) If any authorised packer is aggrieved by the refusal of the inspecting officer to grade a consignment or to issue a certificate under sub-rule (5) or sub-rule (8) or rule 4, he may, within ten days, request the Inspecting Officer, in writing to

पाद टिप्पण का० ग्रा० 2719 तारीख 11-8-1979

New Delhi, the 12th May, 1984

S.O. 1572.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government makes the following rules to amend the Export of Cumin Seeds (Quality Control and Inspection) Rules, 1979, namely:—

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Export of Cumin Seeds (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Cumin Seeds (Quality Control and Inspection) Rules, 1979,

(a) for rule 3, the following shall be substituted, namely:

"3. Basis of inspection:—Inspection of Cumin Seeds 107GI/84-3

refer the matter to the Agricultural Marketing Adviser, who shall constitute an Advisory Panel to advise him on the dispute in accordance with the procedure laid down in this regard.

(2) The Advisory Panel constituted under sub-rule (1) shall consist of not less than three, but not more than seven members.

Provided that at least two-thirds of the total membership of the said Advisory Panel shall consist of non-officials.

- (3) The quorum for hearing any request under sub-rule (1) shall be three members.
- (4) The Advisory Panel shall dispose of a request within fifteen days of its receipt."

ANNEXURE
Grade designation and definition of quality of cumin seeds (unpowdered)

Grade Designation	Special Characteristics					General Characteristics
	Extra-neous matter % by wt.	Other Seeds % by wt. max.	Jeeralu content % by wt. max.	Damaged dis-coloured seeds % by wt. max.	Shrivel-ed and immature seeds % by wt. max.	
1. Cumin Special	1.5	0.5	1.0	1.5	1.5	(a) Cumin seeds shall be dried fruits of the plant Cumin cuminum L.
2. Cumin Good	2.5	1.0	3.0	2.5	3.0	
3. Cumin Fair	3.5	1.5	3.5	3.5	4.0	(b) They shall have the characteristic shape, colour, taste and aroma normal to the species.
4. Cumin Average	5.0	—	5.0	5.0	5.0	
5. Non-specified Grade	As agreed between buyer and exporter.					(c) They shall be reasonably dry with moisture not exceeding 10%.
						(d) They shall be free from visible mould or insect infestation and musty odour. They shall also be free from any harmful foreign matter.

NOTE : "Extraneous matter" includes dirt, dust, stone pieces, stalks, stem or straw or any other impurity.

"Other Seeds" include seeds other than that of Cumin.

"Damaged and Discoloured Seeds" are those seeds that are internally damaged and discoloured, the damage and discolouration materially affecting the quality.

"Weevilled Seeds" are those seeds that are partially or wholly bored or eaten by weevil or other insects.

"Shrivelled and Immature Seeds" are those seeds that are not properly developed.

Export of Cumin seeds under non-specified grade shall be subject to the production of a firm order from a foreign buyer which shall indicate the quality and the quantity required, of the cumin seeds and shall also guarantee the payment of the Price of Cumin Seeds.

ANNEXURE

Grade Designation and definition of quality of cumin seeds (Powdered)

Grade Designation	Definition of quality			General Characteristics
	Special Characteristics			
	Moisture % by wt. max.	Total ash % by wt. max.	Acid insoluble ash % by wt. max.	
Standard	12.0	8.0	1.5	Cumin Seeds (powdered) shall be the material obtained by grinding dried cumin seeds, whole. It shall be free from admixture, mould growth, insect infestation or musty odour.
General	12.0	9.5	1.5	

Foot Note :

S.O. 2719

Date : 11-8-1979.

[F. No. 6(22)/74-EI&EP]
C.B. KUKREJI, Jt. Director

प्रिवेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1984

का०आ० 1573.—राजनयिक एवं कोंसलों अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 को धारा 2 के खंड (क) के अनुपालन में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा, मैदान स्थित भारत का प्रधान कोंसलावास में सहायक थ्रो डो०को० शर्मा को तत्काल से कोंसलों एंजेट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

[सं० टी० 4330/4/83]

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 23rd April, 1984

S.O. 1573.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorise Shri D. K. Sharma, Assistant in the Consulate General of India, Medan to perform the duties of Consulate Agent with immediate effect.

[No. T. 4330/4/83]

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1984

का०आ० 1574.—राजनयिक एवं कोंसलों अधिकारों (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 को धारा 2 के खंड (क) के अनुपालन में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा वैक्वार स्थित भारत का प्रधान कोंसलावास में सहायक थ्रो जे० एन० पुरी को दिनांक 7-4-1984 से कोंसलों एंजेट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

[सं० टी० 4330/2/84]

बी०आ० घुलानी, उप सचिव

New Delhi, the 26th April, 1984

S.O. 1574.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorise Shri J. N. Puri, Assistant in Consulate General of India, Vancouver to perform the duties of Consulate Agent with effect from 7-4-84.

[No. T. 4330/2/84]

B. R. GHULIANI, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1984

का०आ० 1575.—स्वल्पित (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 43 के उपनियम (9) के साथ पठित चलनिव अधिनियम 1952 (1952 का 37) की धारा 5-घ की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय संचार एवं द्वारा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में अधिकारी श्री के०आ० वेंकटरामन को फिल्म प्रमाणन अधीन अधिकरण के सचिव के पद पर नियुक्त करते हैं।

[फॉ०सं० 815/1/84-एफ(सी०)]

आर०आ० जोशी उप सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
New Delhi, the 24th April, 1984

S.O. 1575.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 5-D of the Cinematograph Act 1952 (37 of 1952) read with sub-rule (9) of rule 43 of the Cinematograph Certification) Rules 1983, the Central Government hereby appoints Shri K. S. Venkataraman, Under Secretary in the Ministry of Information and Broadcasting, as Secretary to the Film Certification Appellate Tribunal.

[File No. 815/1/84-F(C)]

R. D. JOSHI, Dy. Secy.

कर्ज मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1984

का० आ० 1576.—यह भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यही संस्करण अनुसूची में निविष्ट किया गया है और पेट्रोलियम और ग्यास विभाग (भूमि में अपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है गुजरात राज्य में उक्त विनियिष्ट भूमि में व्यवस्था स्थल सं० सोमाभ्यु-57 से डल्लू० डल्लू० टी० पी० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि के अपयोग के अधिकार अर्जित किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आपयोग ने अपयुक्त नियम के खण्ड-7 के उपधारा (1) की धारा (i) में विनियिष्ट कार्य दिनांक 14-11-83 समाप्त कर दिया है।

यह भारत पेट्रोलियम विभाग (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सभी प्राकृतिक और एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

सोमाभ्यु-57 से डल्लू० डल्लू० टी० पी० तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम शब्द	का० आ० सं०	भारत के राजपत्र में की तिथि प्रकाशन की तिथि
कर्ज मंत्रालय पुस्तकालय (पेट्रोलियम विभाग)	4378	3-12-83 14-11-83

[सं० O-12016/92/83 प्र०४०]

MINISTRY OF ENERGY
(Department of Petroleum)

New Delhi, the 18th April, 1984

S. O. 1576.—WHEREAS by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended hereto for the transport of petroleum from d.s. Sob-57 to W.W.T.P. in Gujarat State,

AND WHEREAS the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 14-11-83

NOW THEREFORE under 4 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE
TERMINATION OF PIPE LINE FROM D.S. SOB-57
to WWTP

Name of Village Ministr/	S.O. No.	Date of publi- cation in the Gazette of India	Date of termination of opera- tion
Ministry 56 Energy, Dept. of Petrol- eum Punasan	4378	3-12-83	14-11-83

[No. O-12016/92/83-PROD]

का० आ० 1577.—यतः भारत सरकार की प्रधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न प्रनुसूची में निविट किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम 1962 के खण्ड 6 के अपेक्षण (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य में उक्त विनिविट भूमि में अधिन स्थल सं० एस० ई० बाई० से सोभासन जी० जी० एस० कम सी० टी० एफ० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि में उपयोग के अधिकार भर्जित किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड-7 के उप-खण्ड (1) की धारा (i) में विनिविट कार्य दिनांक 8-9-83 से समाप्त कर दिया है।

यतः भव पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम 4 के अन्तर्गत सक्षम प्राविकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि प्रधिसूचित करते हैं।

प्रनुसूची

एस० ई० बाई० से सोभासन जी० जी० एस० कम सी० टी० एफ० तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

मंदालय का नाम गांव	का० आ०	भारत के कार्य समाप्ति सं०	राजपत्र में की तिथि प्रकाशन की तिथि
अर्जि मंदालय हेबुवा (पेट्रोलियम विभाग)	4446	10-12-83	8-9-83

[सं०-12016/89/83-प्र०]

S. O. 1577—WHEREAS by the notification of Government of India as shown in the schedule appended here to and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. SEY to SOBHASAN GGH Cum-CTF in Gujarat State,

AND WHEREAS the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 6.9.83.

NOW THEREFORE under Rule 4 of the Petroleum Pipe Lines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE
TERMINATION OF PIPELINE FROM D S SEY to Sobhasan GGS Cum-CTF

Name of Ministry	Village	S O N	Date of publica- tion in the Gazette of Ind'	Date of termina- tion of opera- tion of Ind'
Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum	Hebuva	4446	10-12-83	6-9-83

[No. 12016/89/83/PROD]

नई दिल्ली, 31 अप्रैल, 1984

का० आ० 1578.—यतः भारत सरकार की प्रधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न प्रनुसूची में निविट किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के अपेक्षण (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य में उक्त विनिविट भूमि में अधिन स्थल सं० एस० ई० बाई० से सोभासन जी० जी० एस० कम सी० टी० एफ० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि में उपयोग के अधिकार भर्जित किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड-7 के उप-खण्ड (1) की धारा (i) में विनिविट कार्य दिनांक 28-5-83 से समाप्त कर दिया है।

यतः भव पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सभास प्राविकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि प्रधिसूचित करते हैं।

प्रनुसूची

एस० एस० बी० आ० से अधिन स्थल सी० टी० एफ० से होकर एस० एस० बी० एम०, एस० एन० बी० के तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

मंदालय का नाम गांव	का० आ०	भारत के कार्य समाप्ति सं०	राजपत्र में की तिथि प्रकाशन की तिथि
अर्जि मंदालय कसलपुरा (पेट्रोलियम विभाग)	4514	17-12-83	28-5-83

[सं० 12016/89/83-प्र०]

New Delhi, the 21st April, 1984

S.O. 1578.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. SNBO to South Santhal CTF Via SNBM-SNBK in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 28-5-83.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of Pipeline from D.S. S. N. BO. to South Santhal CTF Via SNBM-SNBK.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum	KasalPura	4514	17-12-83	28-5-83

[No. O-12016/88/83-PROD]

का० आ० 1579.—यतः भारत सरकार की प्रधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न भन्तुसूची में निर्दिष्ट किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है गुजरात राज्य में उक्त विनियिष्ट भूमि में व्यवन स्थल सं० एस० एन० बी० ओ० से साउथ संथाल सी० टी० एफ० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि में उपयोग के प्रधिकार अर्जित किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने अपशुल्क नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में विनियिष्ट कार्य दिनांक 28-5-83 से समाप्त कर दिया है।

यतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) नियम 1963 के नियम 4 के अन्तर्गत संलग्न प्राविकारी एवं द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि प्रधिसूचित करते हैं।

भन्तुसूची

एस० एन० बी० ओ० से साउथ संथाल सी० टी० एफ० तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम गांव	का० आ०	भारत के कार्य समाप्ति सं०	राजपत्र में की तिथि प्रकाशन की तिथि
मंत्रालय का नाम गांव	का० आ० 4513.	भारत के कार्य समाप्ति सं० 17-12-83	राजपत्र में की तिथि प्रकाशन की तिथि 28-5-83

[सं० O-12016/93/83-प्रोड]

S.O. 1579.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended hereto for the transport of petroleum from d.s. S.N.B.O. to South Santhal CTF in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 28-5-83.

Now therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE
Termination of Pipeline from D.S. S.N.B.O. to South Santhal CTF

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Ministry of Energy, Santhal		4513	17-12-83	23-5-83

[No. O 412016/93/83-PROD]

का० आ० 1580.—यतः भारत सरकार की प्रधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न भन्तुसूची में निर्दिष्ट किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है गुजरात राज्य में उक्त विनियिष्ट भूमि में व्यवन स्थल सं० एस० एन० बी० ओ० से साउथ संथाल सी० टी० एफ० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि में उपयोग के प्रधिकार अर्जित किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने अपशुल्क नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (I) में विनियिष्ट कार्य दिनांक 25-12-83 से समाप्त कर दिया है।

यतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन), नियम 1963 के नियम 4 के अन्तर्गत संलग्न प्राविकारी एवं द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि प्रधिसूचित करते हैं।

भन्तुसूची

एन० के० ई० ए० से एन० के० 32 तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम गांव	का० आ०	भारत के कार्य समाप्ति सं०	राजपत्र में की तिथि प्रकाशन की तिथि
ऊर्जा मंत्रालय संथाल (पेट्रोलियम विभाग)	आलासन (पेट्रोलियम विभाग)	3927	15-10-83 25-12-83

[सं० O-12016/86/83-प्रोड]

S.O. 1580—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. S.N.B.O. to M.K.-32 in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 25-12-83.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963 the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of Pipeline from D.S. N.K.E.A. to N.K.-32

Name of Village Ministry	S.O. No.	Date of Publi- cation in the Gazette of India	Date of termination of operation
Energy, Chalasan Dept. of Petroleum	3927	15-1-10-83	25-12-83

[No. 12016/86/83-PROD]

का० आ० 1581.—यतः भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जीता कि यहाँ स्थान अनुसूची में निर्दिष्ट किया गया है श्रीर पेट्रोलियम और खनित पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपाखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य में उक्त निर्दिष्ट भूमि में अधन स्थल सं० एस० ६० वाई० से सोलासन जी० जी० एस० कम सी० टी० एफ० लक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि में उपयोग के अधिकार प्रदित किया गए हैं।

तेस एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड-7 के उपाखण्ड (1) की धारा (i) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 6-9-83 से समाप्त कर दिया है।

यथा श्रीर पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एतद्वारा उक्त नियम को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

एस० ई० थाई० से सोलासन जी० जी० एस० कम सी० टी० एफ० तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

संकालय का नाम गोव	का० आ०	भारत के संकालय का नाम गोव	कार्य समाप्ति
सं०	राजपत्र में की तिथि	प्रकाशन की तिथि	
कर्ज मंत्रालय पुनासन (पेट्रोलियम विभाग)	4443	10-1-2-83	6-9-83

[सं०-12016/90/83-प्रोड]

S.O. 1581.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from D.S. SEY to SOB. GHS Cum CTF in Gujarat, State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 6-9-83.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Commission Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of Pipeline From D.S. SEY to SOB GHS Cum CTF

Name of Village Ministry	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Ministry of Energy, Dept. of Petroleum Punasan	4443	10-12-83	6-9-83

[No. 12016/90/83-PROD]

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर 1984

का० आ० 1582.—यतः केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में आपर बेड और एनोड ब्रेड विभाग के लिए/पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पार्सिलाईन तेल संचया प्राप्तिक गैस आयोग द्वारा विभाई जानी आहिए।

मीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसो लाइसेंसों को विभाग के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

यतः श्रीर पेट्रोलियम और खनिज पार्सिलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवल सक्षमों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का प्रपता आवश्यक एतद्वारा घोषित किया है।

वर्षते कि उक्त भूमि में हितवड़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पार्सिल लाइन विभाग के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेस तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देवभाग प्रभाग, मकरसुरा रोड, बडोदरा-9 की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विभिन्नतः यह भी करने करता कि क्या वह यह वाहता है कि उक्ती सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायों की मार्फत।

अनुसूची

आपर बेड और एनोड ब्रेड विभाग के लिए।

राज्यः— गुजरात जिला:— प्रह्लादपुर तालुकः— वस्तोई

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एक्टारै	सेमीयर
गामडी	394	0	01
	317	0	07

[सं०-12016/8/84-प्रोड]

New elhi, the 18th April, 1984

S.O. 1582.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum for Wire bed to Anode bed in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962,

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Right of User for Wire bed & Anode bed.

State : Gujarat

District : Ahmedabad Taluka : Dascort

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Gamadi	394	0	01	60
	317	0	07	76

[No. O-12016/8/84-Prod]

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1984

का० आ० 1583.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बायरस्टेड और एनोड बैंड के लिए पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विभाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि लाईनों को विभाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और अनिंय पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त भवित्वों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आण्य एतद्वारा घोषित किया है।

बताते कि उक्त भूमि में हितवहन कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन विभाने के लिए आक्षेप सामन प्राप्तिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, नियन्त्रित और देखभाल प्रभाग मकारुरा रोड, बडोदरा-९ को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी का मार्केट।

अनुसूची

वायर बैंड और एनोड बैंड विभाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला-सूरत तालुका-बोयर्टी

गांव	ठालक नं०	हेक्टर	ए आर	सेन्टी-एर
बोयर्टी	275/1	0	06	65
	274	0	02	84

[सं० श्री-12016/15/84-प्र०इ]

New Delhi, the 21st April, 1984

S.O. 1583.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum for wire bed and anode bed in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

For Wire Bed and Anode Bed

State : Gujarat

District : Surat

Taluka : Choriyasi

Village	Block No.	Hect-arc	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Variav	275/1	0	06	65
	274	0	02	84

[No. O-12016/15/84-Prod.]

का० आ० 1584.—यतः पेट्रोलियम और अनिंय पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अश्रीत भारत सरकार के कर्ता संतानपद पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 735 नामी २२-२-८४ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संतान अनुसूची ने विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप लाईन का विभाने के लिए अर्जित करने का अपना आवश्यक घोषित कर दिया था।

और यतः गक्षम प्रभिन्नरी ने उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) के अश्रीत सरकार को दियाई दे रही है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विभार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संतान अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पालनालाई विभाने के प्रयोगत के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाना है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संतान अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पालनालाई विभाने के प्रयोगत के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जिदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विनिर्दिष्ट होने के बजाय तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से सुकृत रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख का निहित होगा।

अनुसूची

हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाद्यां लाइन बिछाने के लिए

राज्य—गुजरात जिला—गुरत तालुका—चोयसि

गाँव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टर	आर	सेटीयर
1	2	3	4	5
इच्छापुर	554/1	0	39	50
	554/2	0	21	30
	535	0	02	54
	555/1	0	30	00
	555/2	0	22	20
	532	0	00	95
	565	0	26	00
	566	0	07	80
	530/4	0	00	06
	530/3	0	14	96
	576	0	08	90
	575	0	08	65
	574	0	00	90
	581/1	0	15	50
	580	0	22	80
	583/2	0	27	70
	501	0	40	90
	500/1	0	13	00
	282	0	31	70
	283	0	05	50
	284	0	27	90
	298	0	03	04
	299	0	00	56
	297	0	16	20
	300/1	0	03	04
	300/3	0	09	70
	271/4	0	07	50
	270/3	0	27	38
	270/4	0	11	00
	271/5	0	46	35
	959	0	02	24

[सं. O-12016/2/84 नोट]

S.O. 735 dated 22-2-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira-Bareilly to Jagdishpur

State : Gujarat District : Surat Taluka : Choryasi

Village	Survey No.	Hect-	Are	Centi-
		are		
1	2	3	4	5
Ichhapur	554/1	0	39	50
	554/2	0	21	30
	535	0	02	54
	555/1	0	30	00
	555/2	0	22	20
	532	0	00	95
	565	0	26	00
	566	0	07	80
	530/4	0	00	06
	530/3	0	14	96
	576	0	08	90
	575	0	08	65
	574	0	00	90
	581/1	0	15	50
	580	0	22	80
	583/2	0	27	70
	501	0	40	90
	500/1	0	13	00

1	2	9	4	5
282	0	31	70	
283	0	05	50	
284	0	27	90	
298	0	03	04	
299	0	00	56	
297	0	16	20	
300/1	0	03	04	
300/3	0	09	70	
271/4	0	07	50	
270/3	0	27	38	
270/4	0	11	00	
271/5	0	46	35	
959	0	02	24	

[No. O-12015/2/84-Prod.]

का. आ. 1585—यह: पेट्रोलियम और बनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मन्त्रपालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का आ० में 277 तारीख 9-1-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिलासे के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह: सक्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को ग्रिपोर्ट दे दी है;

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियोग किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूली में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिलासे के प्रयोगन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है;

और आगे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विनिर्दिष्ट होने के बजाय ऐसे प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से बुरा रूप में धोयणा के प्रकाशन की इस तारीख को निर्दिष्ट होगा।

अनुमूली

राज्य—गुजरात	जिला—मेहसाना	तालुका—कलोल	
गांव	मर्मे न०	हेक्टर	बार मेन्टीयर
कलोल	869	0 04	05
	793/1	0 04	50
	792	0 04	95
	789/P	0 09	65

[सं० O-12016/151/83-गोड]

S.O. 1585.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 277 dated 9-1-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. K-230 to GGS VIII

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Survey No	Hect-are	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Kalol	869	0	04	05
	793/1	0	04	50
	792	0	04	95
	789/P	0	09	65

[No. O-12016/151/83-Prod.]

का० आ० 1586—यह : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बायर डैड और ट्रैनीग डैड बिलासे के लिए पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से बुरा रूप में धोयणा के प्रकाशन की इस तारीख को निर्दिष्ट होगा।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईसों को बिलासे के प्रयोगन के लिए एवं विविध अनुमूली में विनियत भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और बनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

ए. केन्द्रीय सरकार ने उगमें उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का अपना आमंत्रण प्राप्ति किया है।

बताते कि उक्त भूमि में हिन्दुद्वारा कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पार्श्व लाइन बिलाने के लिए अपेक्षित सक्षम प्राप्तिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देवभाल प्रभाग मकारुग रोड, वडोदरा-१ को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और गोपा अपेक्षित करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्ट तः महं भी कथन करेगा कि क्या वह यह बाहुदारी है कि उमकी मुनवाई अप्रिक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी के भारकत।

अनुसूची

वायर ब्रेड और गेनोड ब्रेड बिलाने के लिए

राज्य—गुजरात जिला—अहमदाबाद तालुका दम शोड

गांव	सर्वे नं०	हैक्टेरर ए आर ई सेटीयर	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
बारेजा	2113	0 01 80					
	2111	0 04 88					

[सं० O-12016/7/84-प्रोड]

S.O. 1586.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum for wire bed and anode bed in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Right of User for Wire bed and Anode bed

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Dascroi

Village	Survey No.	Hectare Acre	Centi-are	
1	2	3	4	5
Bareja	2113	0 01	80	
	2111	0 04	88	

No. O-12016/7/84-Prod.]

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1984

का० आ० 1587.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के लाइन 2 की धारा (क) के अनुसरण में और आत और इधन मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना एम० ओ० सं० 1896 तिथि 29 जून, 1965 का और आगे संशोधन करने हुए और हम मंत्रालय की अधिसूचना एस० ओ० सं० 906 तिथि 10 मार्च, 1967 का प्रतिस्थापन करने हुए, केन्द्रीय सरकार एकदमारा नीचे दी गयी अनुसूची के कालम-1 में उल्लिखित प्राप्तिकारी की उक्त अधिनियम के अधीन उस अनुसूची के 3 कालम की तदनुकूली प्रविष्टि में उल्लिखित राष्ट्र की सीमा के भीतर सक्षम प्राप्तिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राप्तिकृत करती है।

अनुसूची

प्राप्तिकारी	पता	अधिकार क्षेत्र
1. उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त आयुक्त कमारी असम मंडल, जोरहाट	जोरहाट	जिला—जोरहाट
2. उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त, शिवसागर शिवसागर	जिला—शिवसागर	जिला—शिवसागर

[सं०-12017/2/83- प्रोड]
पी० के० राजगोपालन, ईस्क अधिकारी

New Delhi, 25th April, 1984

S.O. 1587.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of Petroleum Pipe Line (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) and in further modification notification of the Government of India, in the Ministry of Mine and Fuel S.O. No. 1896, dated 29th June, 1965, and in supersession of the notification of this Ministry S.O. No. 906 dated the 10th March, 1967, the Central Govt. hereby authorise the authority mentioned in the column 1 of the schedule below to perform the function of the competent Authority under the said Act, within the limits of the State mentioned in the corresponding entry in column 3 of the said Schedule

SCHEDULE

Authority	Address	Territorial Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
1 Deputy Commissioner, Add. Deputy Commissioner, Commissioner of Upper Assam Division, Jorhat.	Jorhat Jorhat Dist. Assam	Jorhat District
2 Deputy Commissioner, Addl. Deputy Commissioner, Sibsagar.	Sibsagar Sibsagar District, Assam	Sibsagar District

[No. O-12017/2/83-Prod.]

P.K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1984

का०आ० 1588,—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राप्ति-
कृत अधिकारियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40)
की द्वारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे की सारणी
के स्तरम् (1) में उल्लिखित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित
अधिकारियों के समनुच्छ अधिकारी हैं, उक्त प्रयोगों के लिए संघर्ष अधिकारी
नियुक्त करती है जो ऐसे अधिकारियों के अनियन्त्रित, जिन्हें केन्द्रीय
सरकार द्वारा भारत के राजपत्र सारीख 31 दिसम्बर, 1983 के राजपत्र
में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की आधिकारिक
सं० 4016, नारीख 30 नवम्बर, 1983 द्वारा उम्म स्तर में नियुक्त
किया गया था, उक्त सारणी के स्तरम् (2) में की तस्थानी प्रतिविधियों
में विनियोग सरकारी स्थानों के प्रबंगों की बाबत अपनी अपनी अधिकारिताओं
की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके
अधीन सम्भव अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उन
पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों के प्रबंग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
1	2
1. (क) महाप्रबंधक, ईस्टर्न कोल-फील्ड्स लिमिटेड, संकटोरिया, जिला बर्द्दवान, (पश्चिमी बंगाल)।	कोयला क्षेत्र और जिला बर्द्दवान कोलफील्ड्स लिमिटेड, संकटोरिया, जिला बर्द्दवान, (पश्चिमी बंगाल)।
(ख) क्षेत्र प्रबंधक (प्रबालन) ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, संकटोरिया, जिला बर्द्दवान, (पश्चिमी बंगाल)।	कोयला क्षेत्र और जिला बर्द्दवान, पश्चिमी बंगाल में स्थित ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सालन-पुर क्षेत्र के भागरूप सभी अन्य स्थान।

1	2
2(क) अधिकारी, ईस्टर्न कोलफील्ड्स, कोयला क्षेत्र और जिला बर्द्दवान, पश्चिमी बंगाल में स्थित ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सालन-पुर क्षेत्र के भागरूप सभी अन्य स्थान।	कोयला क्षेत्र और जिला बर्द्दवान, पश्चिमी बंगाल में स्थित ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, संकटोरिया, जिला बर्द्दवान, (पश्चिमी बंगाल)।
(ख) अधीकारी (खनन) ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, संकटोरिया, जिला बर्द्दवान, (पश्चिमी बंगाल)।	(ग) उप मुख्य खनन हंजीनियर, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, संकटोरिया जिला बर्द्दवान (पश्चिमी बंगाल)।
3 संपर्या और सम्पर्क अधिकारी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, संकटोरिया जिला बर्द्दवान, (पश्चिमी बंगाल)।	कोयला क्षेत्र और जिला बर्द्दवान, पश्चिमी बंगाल में स्थित ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के राजमहल क्षेत्र, कृपमरा क्षेत्र, निरस शेत्र और एस० पी० खानों के भागरूप सभी अन्य स्थान।

[सं० 29/1/83-सं० एल०]
समय सिंह, अवर सचिव।

(Department of Coal)

New Delhi, the 7th March, 1984

S.O. 1588 :—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (i) of the Table below, being officers equivalent to the rank of gazetted officers of Government, to be estate officers for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act, within the limits of their respective jurisdiction in respect of the categories of public premises specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table—in addition to the officers appointed as such by the Central Government in the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal vide S.O. 4016 dated the 30th November, 1977, published in the Gazette of India dated the 31st December, 1977.

TABLE

Designation of officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
1. (a) General Manager, Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, District Burdwan, (West Bengal).	Coalfield area and all other premises forming part of Nirsha Area of the Eastern Coalfields Limited in the District of Burdwan West Bengal.
(b) Area Manager (operation), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria,	Coalfield area and all other premises forming part of Nirsha

(1)	(2)
District Burdwan, (West Bengal).	Area of the Eastern Coalfields Limited in the District of Burd- wan, West Bengal.
2. (a) Agent, Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, District Burdwan, (West Bengal). (b) Superintendent (Mining), Eastern Coalfields, Limited, Sanctoria District, Burdwan (West Bengal). (c) Deputy Chief Mining Engineer, Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, District Burdwan, (West Bengal).	Coalfield area and all other premises forming part of Salanpur Area of the Eastern Coalfields Limited in the District Burdwan West Bengal.
3. Estate-cum-Liaison Officer, Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, District Burdwan, (West Bengal).	Coalfield area and all other premises forming parts of Rajmahal Area, Kapasara Area, Nirsha Area and S.P. Mines of the Eastern Coalfields Limited in the District Burdwan West Bengal.

[No. 29/1/83-CL]
SAMAY SINGH, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1984

का०आ० 1589.—केन्द्रीय सरकार गोदी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5क की उपधारा (3) और (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोर्चिन पत्तन न्यास के अध्यक्ष श्री डॉ बाबू पाल को श्री टी०एन० जयचन्द्रन के स्थान पर (जिनका स्थानान्तरण हो गया है) कोर्चिन डाक लेबर बोर्ड का अध्यक्ष नामिस करती है और इस कार्ये के लिए भारत सरकार में नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० का०आ० 2343 द्विनांक 24 जून 1982 में (भारत के राजपत्र के भाग-II खण्ड-3 उपखण्ड (ii) द्विनांक 3 जुलाई 1982 के पृष्ठ 2514 पर प्रकाशित) निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात्:—

उष्टु अधिसूचना के पैराग्राफ 2 में शब्दों और अक्षरों “श्री टी०एन० जयचन्द्रन” के स्थान पर “श्री डॉ बाबू पाल” शब्द और अक्षर रखे जायेंगे।

[फाइल सं० एसडॉएस/6/82-वू०एस०(एल)]
वी० शक्तरसिंह, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 24th April, 1984

S.O. 1589.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) and (4) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), the Central Government hereby nominates Shri D. Babu Paul, Chairman Cochin Port Trust as Chairman of the Cochin Dock Labour Board Vice Shri T. N. Jayachandran (who has been transferred) and for that purpose amends the notification of the Government of India the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2343 dated the 24th June, 1982 (published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 3rd July, 1982 at page 2514) as follows, namely:—

In the said Notification, in paragraph 2, for the words and letters “Shri T. N. Jayachandran” the words and letters “Shri D. Babu Paul” shall be substituted.

[F. No. LDX/6/82-US(L)]

V. SANKARALINGAM, Dy. Secy.

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1984

का० आ० 1590.— निष्कान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस अधिसूचना द्वारा पुनर्वास विभाग में सहायक बन्दीवस्तु आयुक्त श्री बी० बी० अग्रवाल को उक्त अधिनियम के अधीन अवास उसके द्वारा अधिरक्षकों को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली के लिए अधिरक्षक निष्कान्त सम्पत्ति नियुक्त करती है।

[संलग्न 1(6)/वि०से०/84-एस०एस०II]

रतन लाल, अवास सचिव

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 17th April, 1984.

S.O. 1590.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), Central Government hereby appoints Shri B. B. Aggarwal, Assistant Settlement Commissioner in the Department of Rehabilitation as the Custodian of Evacuee Property for the Union Territory of Delhi for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act.

[No. 1 (6)/Spl. Cell/84/SS. II]
(RATTAN LAL, Under Secy.)

लाल और नागरिक पर्वत संशोधन
 (नागरिक पूर्ति विभाग)
 भारतीय मानक संस्था
 नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1984

का० आ० १५०१—ममय ममय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुद्रा) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (I) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि 87 लाइसेंस जिनके विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं दिसम्बर, 1980 में स्वीकृत किये गये हैं और लाइसेंसधारियों को मानक मुद्रा लगाने का अधिकार किया गया है:

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या (सी.एम/एल-)	वैधता की अवधि		लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और नस्तम्बन्धी पदनाम
		से	तक		
1	2	3	4	5	6
1.	सी.एम/एल-9210 1980-12-04	80-12-16	81-12-15	भारत आयरन वर्क्सें, पुना—बमलोर रोड, बेलगाम-590002 (कर्नाटक)	गहरे कुओं के लिए हाथ के पम्प- IS: 9301-1979
2.	सी.एम/एल-9211 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	एगियन आयरन कल्पनी 54, जवाहर कोआर्पेटिंग इंस्ट्रियल ईस्टेट, कर्मधे, पनवेल, जि० कालाबा (कार्यालय: 386/88, फाठ बाजार बम्बई-400009	ट्रांसफार्मरों और स्विचिंगरों के लिए नया विजली रोधन तेज़— IS: 335-1972
3.	सी.एम/एल-9212 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	ट्रांसमिनियन बायर्स एंड एस्सेसरीज, सी-107-108 द्वितीय चरण इंडिस्ट्रियल इस्टेट, यादवगढ़ि, मैसूर-570002	एलुमिनियम के लड्डार चालक और जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक— IS: 398(भाग 1 और 2)-1976
4.	सी.एम/एल-9313 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	दि० इंडिस्ट्रियल इलेक्ट्रोडोमेंट्स एंड गेजिंग लिमिटेड, 148-ए, तालकटोरा रोड, लव्हनऊ (उ० प्र०)	मामान्य प्रैट्रिवेशन प्रकार के सरचना इस्पात की धातु आर्क बेल्डिंग के लिए आवृत इलेक्ट्रोड कोड: ई 206411 (भाग 1) ई 206 (भाग 2) साईज़: 6.3 मिमी तक— IS: 814 (भाग 1 और 2)-1974
5.	सी.एम/एल-9214 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	इलेक्ट्रो हीट, वी-115, हिन्दू सीराप्पू इंडिस्ट्रियल इस्टेट अंधेरी कुला रोड, बम्बई-400059	अध्रक रोशित तापन ग्लोबेंट, 230 बोर्ल्ड, 600 बाट रेटिंग— IS: 6446-1972
6.	सी.एम/एल-9215 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	महा गुजरात स्टील रोलिंग मिल्स, बरल्लभनगर, ऊधव रोड, क्षेत्र-382410 जिला अहमदाबाद	सरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226-1975
7.	सी.एम/एल-9216 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	"	सरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS: 1977-1975
8.	सी.एम/एल-9217 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	मैसूर बाबर एंड मेटल इंडस्ट्रीज, नवां भील, दुमकुर रोड, बगलौर-560057	180 तापाक वाले वार्डिंग में प्रयुक्त तांबे के इनेमलकूल गोल तार— IS: 4800(भाग १)-1971
9.	सी.एम/एल-9218 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	मीलार्थी स्टील रोरोलिंग मिल्स, मासवां भील, नन्नेरेखदाटा रोड, आराकेरे ग्राम, बगलौर 560029	सरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS: 1977-1975
10.	सी.एम/एल-9219 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	श्याम स्टील रोलिंग मिल्स (प्रा०) लि०, 5 से, प्रथम फेज, पीनिया इंडिस्ट्रियल एरिया, दुमकुर रोड, बगलौर-650058 (कार्यालय: 20, शास्त्रपा लेन, प्रथम तल, बंगलौर-560002 (कर्नाटक)	कर्नाटक प्रबलन के लिए ऊर्ध्वी बर्न उच्च मामर्च वाली इस्पात की बिक्रत सत्रिया— साईज़: 6 मिमी से 36 मिमी (एन) आया— IS: 1786-1979

1	2	3	4	5	6
11.	सीएम/एल-9220 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	चामूडी स्टील री रोलिंग मिल्स, सातवा भील, हौसुर रोड, बंगलौर-560068	कफीट प्रबलन के लिए ठंडी बनी उच्च सामर्थ्य वाली इस्पात की विकृत सरिया- IS:1786-1979
12.	सीएम/एल 9221 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	विजय टेंक्स एंड वैसल्स प्रा० लि०, इंडियन अ.प्ल कार्पोरेशन लि० के निकट, हूलिया, पोद्धनश.ला, मैदिनीपुर लि० (प० बगाल) (कार्यालय: 14, चांवनी चौक स्ट्रीट, कलकत्ता-700072 (प० बं०)	जामर के बृग, दाहरी "बी"- IS:3575-1977
13.	सीएम/एल-9222 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	एक्स सर्जिकल एंड फ्रैंसिस, सर्जिकल बिल्डर्स, तीर्थीर महावीर मार्ग, रेलवे रोड, मेरठ-250002	हृषकरण पर अनी सूती अवशोषक जाली IS:758-1975
14.	सीएम/एल-9223 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	वेरियम केमिकल्स लि०, रामबरम्-507118, जि० खस्माम (आ० प्र०)	अवधेपित वेरियम फॉर्मेन्ट, तकनीकी- IS:3205-1985
15.	सीएम/एल-9224 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	कली इलेक्ट्रो टेक्निक्स, 42/6 ए, मद्रास रोड, मेलाकावेरी, कुम्भकोनम 612002 (त० ना०)	सधित तली वाले जाना पकाने के स्टेनलेस इस्पात के तांबा विशुल निकृत घर्तन- IS: 4536 (भाग 1)- 1968
16.	सीएम/एल-9225 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	सुवारमणी निटिंग्स, कंगायम रोड, तिल्पुर-638604(त०ना०)	मादा बुनी सूती बनियान : दाईपि : आरएन और अ.एन.एस.स.ई.जि : 75 से 90 सेमी ना.प : 24- IS:4964 (भाग 2)- -1975
17.	सीएम/एल-9226 1980-12-11	80-01-01	81-12-31	ए.एड्वांस ग्र० फैक्टरी, 16/88, सदर भट्टी, आगरा-282003(उ०प्र०)	जनिकों के लिए चमड़े के सुरक्षा बूट और जूते तथा भारी धातु उद्योगों के कामगारों के लिए चमड़े के सुरक्ष बूट और जूते— IS:1980 (भाग 1 और 2)-1978
18.	सीएम/एल-9227 1980-12-11	80-12-16	81-12-15	वेक्टेश्वर स्टील्स (प्रा०) लि० 63 नज़फगढ़ रोड, नर्सी विल्ली	कफीट प्रबलन के लिए ठंडी बनी विकृत सरिया- IS:1786-1979
19.	सीएम/एल-9228 1980-12-11	81-01-01	81-12-31	राजपाल निटिंग्स, 81(1), लक्ष्मीनगर मेन रोड, तिल्पुर 638607 (त०ना०)	साथा बुनी सूती बनियाने दाईपि : आरएन और आरएन एस साईज़ : 75 से 90 सेमी ना.प : 26 और 24- IS : 4964 (भाग 2)-1975
20.	सीएम/एल-9229 1980-12-12	81-01-01	81-12-31	मजरंगबली इंजीनियरिंग क० लि०, 109, गिरीश घोष रोड बैलूर, हावड़ा (प०बं०)	कफीट प्रबलन के लिए ठंडी बनी उच्च सामर्थ्य वाली इस्पात की विकृत सरिया- IS: 1786-1979
21.	सीएम/एल 9230 1980-12-12	81-01-01	81-12-31	हिन्द बायर इंडस्ट्रीज लि०, एकफोर्ड रोड, सुकेवार, 24 परगना (प०बं०) (कार्यालय: 225 डी, आचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता-700020)	केबिलों को कवचित करने के लिए मूल इस्पात के तार- IS:3975-1979
22.	सीएम/एल-9231 1980-12-12	81-01-01	81-12-31	गोवावरी ट्रेडिंग कार्पोरेशन, नर्सिंहगढ़ रोड, अम्बाला शहर-134007	संकास के लिए खुलासा लोहे की 12, 5 लीटर अम्बाली वाली, ऊंचाई पर लगते वाली फलशे टंकियां— IS:774-1971

1	2	3	4	5	6
23. सीएम / एन-9232 1980-12-13	80-12-16	81-12-15	प्रनाम स्टील रोलिंग मिल्स 21/3, मधुग रोड, बलभगड़ (हनियाणा)	कार्बन और कार्बन मैग्नीज रहित बर्नेन स्टील ग्रेड : 11 सी 10 एम 25 वितरण की शर्त : केवल बी टाईप बार IS: 44311978	
24. सीएम / एन-9233 1980-12-12	81-01-01	81-12-31	वायरबे इंडिया, एफ-141/142, मेरस्य इंडस्ट्रियल एरिया, वेसुला अनवर 301030 (राजस्थान)	एलुमिनियम के लड़दार चालक और एलुमिनियम के अस्तीकृत इस्पात प्रबलित चालक— IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976 संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS: 226- 1975	
25. सीएम / एन-9234 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	ईस्टनैं स्टील एंड अलायज कॉ, इलिंगोव (डॉ.) वाया-बोगईयाथ, जिल.० ग्वालपाड़ा (आसाम) (कार्यालय : १००एन० बी० रोड, चाँदमारी गुवाहाटी, आसाम-781003	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS: 1977-1975	
26. सीएम / एन-9235 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS: 1977-1975	
27. सीएम / एन-9236 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	अशोक स्टील इंडस्ट्रीज, 13/1, बेलूर रोड, लिलुआ, हावड़ा	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS: 1977-1975	
28. सीएम / एन-9237 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	जय आयरल एंड स्टील कॉ., जयनगर ग्राम देवडा थानोड़, जिं. राजनंदगांव, (कार्यालय रंगटा निवास, जी० ई० रोड, गंजपुरा दुर्ग (म० प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : 226- 1975	
29. सीएम / एन-9238 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS 1977-1975	
30. सीएम/एल-9239 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	गुना बेकलाइट फैक्ट्री, 220, गनी बांधगार- नाथ, रोडिन निमेसा के निकट, सज्जी मंडी, दिल्ली-110007	घोलू नवा ऐसे ही अन्य कारों के लिए स्विच, 15 एम, 250 वो— IS: 3854—1966	
31. सीएम/एन-9240 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	पैगान एन्टरप्राइज (इंडिया), ए-७१, इंड- ट्रिप्ल पारिया, जी टी करनाल रोड, दिल्ली-110033	1100 बोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए पीवीसी रोधित एलुमिनियम चालकों वाले खोलदार और खोलरहित केबिल (कम तापमान और बहिरंग उपयोग में आने वाले केबिलों को छोड़कर) — IS: 694—1977	
32. सीएम/एल- 9241 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	"	1100 बोल्टता तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए पीवीसी रोधित (भारी काम) बिजली के केबिल (कम तापमान में और बहिरंग उपयोग में आने वाले केबिलों को छोड़ कर) — IS: 1554—(भाग 1) — 1976	
33. सीएम/एन-9242 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	सेम्टल इंसेक्टिसाइड्स एंड फटिलाइजर्स, 110, इंडियन इस्टेट, इन्वोर-452003	मिशाइल पैराथियोन धूलन पाउडर— IS: 8960—1978	
34. सीएम/एन-9343 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	बी०डी० खेतान एंड कॉमैनागड़, डा० रायपुर, जिं. 24 परगता (पं० बं०) (कार्यालय : 23-०, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001)	आमेशोएट पायसनीय सान्द्र— IS: 3903—1975	
35. सीएम/एन-9244 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	बी०डी० खेतान एंड कॉ, मैनागड़, डा० रायपुर, जिला 24 परगता (पं० बं०) (कार्यालय : 23 प०, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001)	फेनीट्राथियान पायसनीय सान्द्र— IS: 5281—1979	

1	2	3	4	5	6
36.	सीएम/एल-9245 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	गुरका उथोग, २०/५४, सील साम, कलकत्ता- 700 015 (प० बं०)	बेलहरों के लिए चमड़े के घस्ताने, टाप्प १, रिटेन स्पिलट चमड़े से बने— IS : 2573—1975
37.	सीएम/एल-9346 1980-12-18	80-12-16	81-12-15	एमें सर्जिकल एंड ट्रेसिंग, सर्लिकल बिल्डिंग, तीर्थकर महाशीर मार्ग, नेवे रोड, बेरठ-२५० ००२	हथकरमे पर बना सूती पैटियों का रंगार कपड़ा— IS : 863—1969
38.	सीएम/एल-9247 1980-12-38	81-01-01	81-12-31	मार्गार्जुन एंड स्टील कारपोरेशन, के सी बर्म (ड०) ताटेपस्थी जिला गन्दूर. (आ० प्र०) (कार्यालय : २७-१-१३५, एल० रोड) विजरवाड़ा—५२० ००४)	वीएचसी (एचसीएच) ब्रूनन पाउर— IS : ५६१—१९७८
39.	सीएम/एल-9248 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	सिन्धेटिक मोल्डसं लि०, १६ नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-७०० ००१	३२, मिसी व्यास से ११० मिमी तक व्यास के ०.६ एमीए दबाव रेडिंग बने उच्च घनत्व पॉलीएथिनीन पाउप— IS : ४९८४—१९७८
40.	सीएम/एल-9249 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	केशन इंडस्ट्रीज, माकूम जैक्षन, माकूम	चाय की पेटियों के लिए प्लाईव्हिट के तड़े— IS : १० (भाग III)—१९७४
41.	सीएम/एल-9250 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	राजयोग इस्पात मिल्स, २४ जग्मऊ, कानपुर, (कार्यालय : ५८/५, बीड़ने रोड, कानपुर-२०८ ००१)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : २२६—१९७५
42.	सीएम/एल-9251 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	श्री लक्ष्मण रोलिंग मिल्स, ३५०, ईरिसिंगंज, कानपुर	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : २२६—१९२५
43.	सीएम/एल-9252 1980-12-24	81-01-01	81-12-31		संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS : १९७७—१९७५
44.	सीएम/एल-9253 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	कृष्णा पेस्ट म एंड केमिकल्स क०, भूली रोड, बीमीपुर, धनबाद (बिहार)	इनमें कृतिम धातु अन्तर्लेपन और फिलिंग रंग वर्ग सं १, (केवल सफेद रंग) — IS : २९३२—१९७४
45.	सीएम/एल-9254 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	श्री महाशीर ट्रेडिंग कारपोरेशन, १२३/३३४ फजलगंज, फैक्ट्री एरिया, कानपुर	संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : २२६—१९७५
46.	सीएम/एल-9255 1980-12-24	81-01-01	81-12-31		संरचना इस्पात (साधारण) स्किम — IS : १९७७—१९७५
47.	सीएम/एल-9256 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	बी साउथ इंडिया स्टील एंड स्टार्क इंडस्ट्रीज, ११०/१ ए, नदा मंगलम मेन रोड, नेवीमेट०, प०वा० नं० २०७, सोमेश-६३६ ००२	संरचना इस्पात (मानिक स्किम) — IS : २२६—१९७५
48.	सीएम/एल-9257 1980-12-24	81-01-16	82-01-15	अपेक्ष मिनरल्स एंड केमिकल्स, खाड़ीशाव, डा० बोडेनी-३९१ १३५ जि० पंचमहल (गुजरात)	मानाधियान पायसनीय सामूह— IS : २५६७—१९७८
49.	सीएम/एल-9258 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	न्यूकेम प्लास्टिक्स लि०, ५४, ईडिस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद-१२१ ००१ (श्रीरामा)	यूरिया-फार्मालिडीहाइड को छालने का सामान— IS : ३३८९—१९५६
50.	सीएम/एल-9259 1980-12-24	81-01-16	82-01-15	तिष्पुर टेक्सटाइल्स प्रा० लि०, कोयम्बत्तूर शावा०, २६२, अविनाशी रोड, पीलामेडू, कोयम्बत्तूर-६४१ ००४ (त० ना०)	होजरी कार्ड के लिए धूमर सूती धागा, ४० एम, कम्बड— IS : ८३४—१९७५
51.	सीएम/एल-9260 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	सेल्वाराज मिल्स (प्रा०) लि०, ओडुरमलानायम, आंदीपुरुषर. (ड०) कोयम्बत्तूर-६४१ ०१६ (त० ना०)	होजरी कार्ड के लिए धूमर के सूती धागे ४० एम कम्बड— IS : ८३४—१९७५

1	2	3	4	5	6
52. सीएम/एल-9261 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	नेशनल एंग्रो कैमिकल्स, सी-2 इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-800 013 (बिहार)	पालकृत धूलन पाउडर— IS : 1308—1974	
53. सीएम/एल-9262 1980-12-29	81-01-01	81-12-31	मेटल ट्रूयूब्स प्रा० लि०, जी०टी० रोड, पानीपत-132 103 (हरियाणा)	संरचना कार्यों के लिए इस्पात की नलिया सादा और काली ईमार इम्प्ल्यू वर्ग: "हल्की" येड: वाई एस टॉ 210 साइज: 50 मिमी एन थी तक— IS : 1161—1978	
54. सीएम/एल-9263 1980-12-29	81-01-01	81-12-31	बतरा प्रसोसिएट्स प्रा० लि०, 14/1 मील, मथुरा रोड, फरीदाबाद-121 003 (हरियाणा) (कार्यालय: ए-38, नई विल्सी साउथ एक्सटेंशन भाग II, नई दिल्ली- 110 049.	5 सीटर से प्रधिक पार्टी की समाई बाये नवनिर्मित एल पी जी सिलिंडरों के लिए बाल्ब— IS : 8737 (भाग 2)—1978	
55. सीएम/एल-9264 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	स्टेंडर्ड केबिल्स प्रा० लि०, चांदापुर (झा०) अनेकल (तालुक) बंगलोर-562 145	110 बोल्ट तग की कार्यकारी बोल्टता के लिए तांबे और एल्युमिनियम के भालकों धाते पीढ़ीती रोधित (मारी काम के) बिजली के केबिल— IS : 1554 (भाग 1)—1978	
56. सीएम/एल-9265 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	हृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज लि०, प्लाट नं. सी-39 ए, एम आई थी सी इंडस्ट्रियल एरिया, थानो-बेलापुर रोड से आगे, झा० तुम्हे, जि० थापी, (कार्यालय: वासवानी मेंशन, 320 वीनवां वाचा रोड, बम्बई-400 020)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्वेलन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट— IS : 2830—1975	
57. सीएम/एल-9266 1980-12-29	81-01-16	82-01-15		संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में री-रोलिंग के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट— IS : 2831—1975	
58. सीएम/एल-9267* 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	एफसेल इंडस्ट्रीज लि०, अम्बोली हिल्स, जीरा वेसाई रोड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-400 058	कार्बन-पारदीय मुख्क बीज ट्रैसिंग फासूलेशनों को पुनः पैक करने सम्बन्धी— IS : 3284—1965	
59. सीएम/एल-9268 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	“	स्थिरीकृत मेथोडसी इथायल मर्फरी ब्लोशाइड साम्राज्य से बने फासूलेशनों को पुनः पैक करना— IS : 2558—1963	
60. सीएम/एल-9269 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	नल्दन बन मैथ्यू० एंड ट्रेडर्स प्रा० लि०, जे०बी० मंदाराम एंड कॉ० का भवन, झा० रेजिञ्चन, वालियर (म० प्र०)	निम्नांकित किस्मों के बिल्कुल: नमकीन, रायल, कीम और जे०बी० लूकूज— IS : 1011—1963	
61. सीएम/एल-9270 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	भारत जूट मिल्स लि०, वासनगढ, हावड़ा-711 105	झी० डब्ल्यू० आटे की बोरियां— IS : 3966—1967	
62. सीएम/एल-9271 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	ए० कॉ० दे एंड कम्पनी, पी-33, बनारस रोड, हावड़ा-711 105	लैडिंग बाल्ब (प्रत्यक्षी नल), टाइप ए— IS : 5290—1977	
63. सीएम/एल-9272 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	पोलीकास्ट स्क्रिप पाइप, चंडी मन्दिर, जि० अम्बाला (हरियाणा)	भार सी सी पाइप, वर्ग: एन पी 2, साइज: 450 मिमी तक— IS : 458—1971	

1	2	3	4	5	6
64. सीएम/एल-9283 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	स्टील कारपोरेशन आफ वंजावा, इंडियल एरिया, कपुरमला (पंजाब)	संरचना इस्पात (शामक किस्म) — IS : 226- 1975	
65. सीएम/एल-9274 1980-12-31	81-01-16	82-01-15		संरचना इस्पात (साधारण किस्म) — IS : 1977-1975	
66. सीएम/एल-9275 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	जै. के. परमीटर इंडस्ट्रीज, 39, इंडियल इस्टेट, जम्मू आबादी (जम्मू-काश्मीर) (कार्यालय : 191 नेहरू मार्किट जम्मू ताहो)	ठोस तली बाले मुख एवं गुदा पैटर्न जबर मारी— IS : 3055 (भाग 1) — 1977	
67. सीएम/एल-9276 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	बैरको वैलिंग एंड इनेप्रिकल्स प्रा. लि., जी. टी. रोड, बाईपास— (इंडियल इस्टेट के निकट), जालघर सिटी-1144004	एकम धापरेटर प्रकार के आर्क बैलिंग ट्रांसफार्मर— IS : 1851-1975	
68. सीएम/एल-9277 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	अगोक फूड्स, 2-3-745/2, इंडियल एरिया, अन्वरपेट, दैवरामाद-500013	आइस-कीम शंकु, साथे में डेस-फौफे— IS : 7187-1974	
69. सीएम/एल-9278 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	नागर्जुन एंग्रे एंड स्टील कारपो., के. ० सी. ० बर्तन (दा०), तापेलली, जिला-नंदूर (आ०प्र०) (कार्यालय : 27-1-135, एलर रोड, विजयवाडा-520004	शीबीटी जल परिक्षेपणीय पाउडर मार्ग— IS : 585-1975	
70. सीएम/एल-9279 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	मरारे प्लास्टिक्स, 3, इंजीनियर कंपनीजस, रायबरेली (उ०प्र०)	एमबी ९०°, टी ९०°, साकिट और कंप, माइक्रो ९० मिमी तक— IS : 7834 (भाग 3, 4, 6, 8) — 1975	
71. सीएम/एल-9289 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	मर्दे इंसिटिउशन्स एंड फॉटोलाइजर्स, १ ए/२, इंडियल इस्टेट, अम्बानी, भग्राम 600098	कार्बरिल जल परिक्षेपणीय पाउडरमाइक्रो प्रेष— स्ट्रे—IS : 7121 1973	
72. सीएम/एल-9281 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	सोन्दर राजा मिल्स लि., सोन्दरराजा फिल्स रोड, दिल्ली-624006 (त०मा०)	हीजरी कार्डिट के लिए बूसर सूती धारे, कम्बड : 40 एस-IS : 834-1975	
73. सीएम/एल-9282 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	हरिधारा एंग्रे कैटिल फौड प्लांट, जीर (हरिधारा)	पान्थों के लिए मिश्रित आहार, टाइप २— IS : 2052-1970	
74. सीएम/एल-9283 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	गुप्ता बेस्टलाइट फैक्टरी, २२०, तली बांशोत्तराम, सम्मी मंडी, दिल्ली-110007	नोवक प्रकार के एसी सेवाती पंछे, ५५० मिमी एक फैजी, भेणी ई रोबर बाले—IS : 2312- 1967	
75. सीएम/एल-9284 1980-12-31	81-01-16	82-01-16	श्री विजय इंडस्ट्रीज, १७९, इंडियल एरिया, ए, लुधियाना-141003 (पंजाब)	मोटर गाड़ियों के निर्भरत के लिए पत्ती कमानियो— IS : 135-1975	
76. सीएम/एल-9285 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	पेट्रोलियम प्राइवेट ट्रस्ट मैन्युफैक्चरिंग सोसाइटी, विटलवाडी इंडियल इस्टेट, २०/२० ए, विटलवाडी, भावनगर-364001 (गुजरात) (कार्यालय : अम्बाचौक, पो० बा० न० ९०, भावनगर-364001 (गुजरात))	विस्कोटक सामग्री एवं आतिशावाजी उच्चोग के लिए पैराफिन मोम, बेवल सब्जत प्रेष—IS : 7401-1974	
77. सीएम/एल-9286 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	बंगलौर पेट्रिट्स इल्स लि., १६०० फै० गी० दुमकुर रोड, बंगलौर-562139 (कार्यालय : ३३, सैके रोड, बौद्धा बंगलौर-560052)	स्नोरपायरिफॉस पायसनीय सांब्र—IS : 8944- 1978	

1	2	3	4	5	6
78. सीएम/एल-9287 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	दी उडीसा एंप्रो इंडस्ट्रीज कारपोरो लिं, फैटल एंड पॉल्टी, फैटल प्रोसेसिंग यूनिट, सलमीनगर, भुवनेश्वर-751006 जिला—पुरी (उडीसा) (कार्यालय : किला मैदान, कटक-753001 (उडीसा))		मुर्गीशिला, लैंड्रेज-1374-1968
79. सीएम/एल-9288 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	दी नेशनल टाइल बनस्ट इंडस्ट्रीज, 14-ए नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110015		लामान्ध कार्यों के लिए अस्तवर्ती फिलिंग के लिए भारतीय मात्रक रंग का सैंयार मिश्रित रोगम IS : 3537-1966
80. सीएम/एल-9289 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	रीबल कूट प्रोडक्ट्स, नं. 18-2-45, चन्द्रायरपूरा, हैदराबाद-500018 (आ० प्र०)		केवल ग्लूकोज किल्प के बिस्कुट--IS : 1011- 1968
81. सीएम/एल-9290 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	नागार्जुन एंप्रो इंड स्टोल कारपोरेशन, कें. सी० लक्ष्मी (आ०) ताडेपल्ली, जिंगूदूर (आ० प्र०)		मलाबिल्यॉन धूलन पाउडर--IS : 2508-1973
82. सीएम/एल-9291 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	इंटरनेशनल प्रेक्षिक्षण इंडस्ट्रीज, सी०, इंडस्ट्रीयल हस्टेट, प्रोविन्स-516360 (आ० प्र०)		पटसन के परतवार बोरे--IS : 7406-1974
83. सीएम/एल-9292 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	हाईटेस्ट स्टीलस्ट्रिंग प्रा० लिं, आई०डी००० फेज 1, पाटनडोळ-20 मेडक (जिला) (आ० प्र०) (कार्यालय : 102, कलामेश्वन, सरोजिनी वेदो रोड, सिक्किम-500003)		कमानियों के लिए ठड़ी बेलिन इस्पात की कत्तियां प्रेष : 5, 6 और 7—IS : 2507-1975
84. सीएम/एल-9293 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	रंगाविलास जिलिंग, स्पिनिंग एंड बीविंग मिल्स, पीलुमेट, कोयम्बत्तूर-641004		होजरी काउंट के लिए धूसर सूती धाने कम्पनी : 40 एम—IS : 834-1975
85. सीएम/एल-9294 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	केरल इलेक्ट्रिक्स एंड अस्याईड इंजीनियारिंग कं० लिं, ड० ममोला, कोचिन-682305		उच्च कटन अमता बालि कारपोरेशन के प्लूज जोड़ : बाबी साइज रेटिंग एकएनटी 1 से 200 ए एफएनआई 200 से 315 ए- IS : 2208-1962
86. सीएम/एल-9295 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	विनील आयल कारपोरेशन, ताल्डांगा, जी० टी० रोड, ड० चिरकुडा, जि० घनदाब (चिहार)		एकमल तेल, केवल हूल्का और भयम प्रेष— IS : 1623-1971
87. सीएम/एल-9296 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	एटिंग कैमिकल्स प्रा० लिं, प्लाट नं० 56, बोम्बागो सांद्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, हाँगुर रोड, अनेकल तालुक, बंगलोर-562107		कस्तूरी अम्बर—IS : 3131-1965

[सं. सी एम डी /13:11]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Dept. of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 18th April, 1984

S.O. 1591. In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that eightyseven licences, particulars of which are given in the following schedule, have been granted during the month of December 1980 authorizing the licensees to use the Standard Marks:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licences and the Relevant IS : Designation
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-9210 1980-12-04	80-12-16	81-12-15	Bharath Iron Works, Poona-Bangalore Road, Belgaum-590002 (Karnataka)	Deep well hand pumps— IS : 9301-1979
2.	CM/L-9211 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	Asian Oil Company, 54, Jawahar Co-operative Industrial Estate, Kamothe, Panvel, Distt. Kolaba, (Office : 386/88 Katha Bazar, Bombay-400009).	New insulating oil for transfromers and switchgears— IS : 335-1972
3.	CM/L-9212 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	Transmission Wires & Accessories, Co 107-108 Hind Stage Industrial Estate, Yadavgiri, Mysore-570002.	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (Part I & II)-1976
4.	CM/L-9213 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	The Industrial Electrodes & Gauges Ltd., 148-A, Talkatora Road, Lucknow (U.P.)	Covered electrodes for metal arch welding of structural steel normal penetration type Code : E 206411 (Part-I) E 206 (Part-II) Size : upto 6.3 mm— IS : 814 (Part I&II)-1974
5.	CM/L-9214 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	Electro Heat, B-115, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri-Kurla Road, Bombay-400059.	Mica insulated heating element 230 V, 600 W rating— IS : 6446-1972
6.	CM/L-9215 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	Maha Gujarat Setel Rolling Mills, Vallabhaganagar, Odhav Road, Odhav-382410 Distt. Ahmedabad.	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975
7.	CM/L-9216 1980-12-09	80-12-16	81-12-15	—do—	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975
8.	CM/L-9217 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Mysore Wire & Metal Industries, 9th Mile Tumkur Road, Bangalore-560057.	Enamelled round copper winding wires with temperature index 180— IS : 4800 (Part IX) —1971
9.	CM/L-9218 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Meenakshi Steel Re-rolling Mills, 7th Mile, Nannerghatta Road, Arakere Village, Bangalore-560029.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975
10.	CM/L-9219 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Shyam Steel Rolling Mills (P) Ltd. 5C, First Phase, Peenya Industrial Area, Tumkur Road, Bangalore-560058. [Office : 20 Shanthappa Lane, I Floor, Bangalore-560002 (Karnataka)]	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement Size : 6 mm to 36 mm (N) dia— IS : 1786-1979
11.	CM/L-9220 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Chamundi Steel Re-rolling Mills, 7th Mile Hosur Road, Bangalore-560068.	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1979
12.	CM/L-9221 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Vijay Tanks & Vessels Pvt. Ltd., Adjacent to Indian Oil Corporation Ltd., Haldia Refinery Mednapore Distt. (W.B.) [Office : 14, Chandni Chowk Street, Calcutta-700072(W.B.)	Bitumen drums to Type 'B'— IS : 3575-1977
13.	CM/L-9222 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Acme Surgical & Dressings, Surgical Buildings, Tirthankar Mahavir Marg, Railway Road, Meerut-250002.	Handloom cotton, gauze, absorbant— IS : 758-1975
14.	CM/L-9223 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Barium Chemicals Ltd., Ramavaram-507118 Disst. Kammam (A.P.)	Preceipitated barium carbonate, technical— IS : 3205-1965
15.	CM/L-9224 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Kali Electro-Technics, 42/6A Madras Road, Melakaveri, Kumbakonam-612002 (Tamil Nadu)	Composite bottom stainless steel cooking utensils, copper electrodeposited— IS : 4536 (Part I)-1968.
16.	CM/L-9225 1980-12-10	80-12-16	81-12-15	Sudarmani Knittings, Kangayam Road, Tirupur-638604 (T.N.)	Plain Knitted cotton vests, Type : RN & RNS Size : 75 to 90 Cm Gauge : 24 — IS : 4964 (Part II)-1975
17.	CM/L-9226 1980-12-11	80-10-01	81-12-31	New Advance Shoe Factory, 16/98 Sadar Bhatti, Agra-282003(U.P.)	Leather safety boots and shoes for miners and leather safety boots and shoes for heavy metal industries— IS : 1989 (Part I & II)-1978
18.	CM/L-9227 1980-12-11	80-12-16	81-12-15	Venkateswara Steels(P) Ltd., 63, Najafgarh Road, New Delhi.	Cold worked deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1979

1	2	3	4	5	6
19. CM/L-9228 1980-12-11	80-01-01	81-12-31	Rajpal Knittings, 81(1), Lakshminagar Main Road, Tirupur-638607(T.N.)	Plain knitted cotton vests: Type : RN & RNS Size : 75 to 90 cm Guage : 26 & 24 IS : 4964 (Part II)-1975	
20. CM/L-9229 1980-12-12	81-01-01	81-12-31	Bajrangbali Engg. Co. Ltd., 109, Girish Ghosh Road, Belur, Howrah (W.B.)	Cold worked-steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1979	
21. CM/L-9230 1980-12-12	81-01-01	81-12-31	Hind Wire Inds. Ltd., Ekeford Road, Sukchar, 24 Parganas (W.B.) (Offi : 225-D, Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta-700020)	Mild steel wires for armouring cables— IS : 3975-1979	
22. CM/L-9231 1980-12-12	81-01-01	81-12-31	Godawari Trading Corp., Narsingarh Road, Ambala City-134007	Cast iron flushing cisterns for water closets, 12.5 litres capacity, high level— IS : 774-1971	
23. CM/L-9232 1980-12-12	80-12-16	81-12-15	Partap Steel Rolling Mills (P) Ltd., 21/3, Mathura Road, Ballabgarh (Haryana)	Carbon and carbon manganese free cutting steels Grade : 11C 10S 25 Condition of delivery: Type B Bars only— IS : 4431-1978	
24. CM/L-9233 1980-12-12	81-01-01	81-12-31	Wireway India, F-141/142, Metysa Indl. Area, Desula-Alwar-301030 (Rajasthan)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced— IS : 398 (Part I&II)-1976	
25. CM/L-9234 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	Eastern Steel & Alloys Co., Dhaligaon P.O. Via Bongaigaon, Distt. Goalpara Assam (Off : G.N.B. Road, Chandmari, Gauhati, Assam-781003)	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975	
26. CM/L-9235 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975	
27. CM/L-9236 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	Ashoka Steel Industries, 13/1 Belur Road Liloah, Howrah	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975	
28. CM/L-9237 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	Jay Iron & Steel Co., Jaynagar Village Devada, Thanod, Distt. Rajnandgaon (Off : Rungta Nivas, G.E. Road, Ganjpara, Durg (M.P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975	
29. CM/L-9238 1980-12-15	81-01-01	81-12-31	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975	
30. CM/L-9239 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	Gupta Bakelite Factory, 220, Gali Basheer Nath, Near Robin Cinema Sabzimandi, Delhi-110001	Switches for domestic and similar purposes 15 Amp; 250V— IS : 3854-1966	
31. CM/L-9240 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	Paragon Enterprises (India), A-71, Industrial Area, G.T. Karnal Road, Delhi-110033	PVC insulated sheathed and unsheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 volts (excluding cables for outdoor use and low temperature conditions)— IS : 694-1977	
32. CM/L-9241 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	-do-	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 V, excluding cables for outdoor use and low temperature conditions— IS : 1534 (Part I)-1976	
33. CM/L-9242 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	Central Insecticides & Fertilizers, 110, Industrial Estate, Indore-452003	Methyl parathion dusting powders— IS : 8960-1978	
34. CM/L-9243 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	B.D. Khaitan & Co., Mainagarh, P.O. Raipur, Distt. 24 Parganas (W.B.) (Off : 23-A, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001)	Dimethoate EC— IS : 3903-1975	
35. CM/L-9244 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	-do-	Fenitrothion EC— IS : 5281-1979	
36. CM/L-9245 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	Suraksha Udyog, 20/54 Seal Lane, Calcutta-700015 (W.B.)	Leather gauntlets for welders type I made from retan split leather— IS : 2573-1975	
37. CM/L-9246 1980-12-18	80-12-16	81-12-15	Acme Surgical & Dressings, Surgical Buildings, Tirthankar Mahavir Marg, Railway Road, Meerut-250002	Handloom cotton bandage cloth, bleached— IS : 863-1969	

1	2	3	4	5	6
38.	CM/L-9247 1980-12-18	81-01-01	81-12-31	Nagarjuna Agro & Steel Corpn., K.C. Works (P.O.) Tadepalli, Distt, Guntur (Andhra Pradesh) (Off: 27-1-135, Eluru Road, Vijayawada-520004)	BHC (HCH) DP- IS : 561-1978
39.	CM/L-9248 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	Synthetic Moulders Ltd., 16, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001	High density polyethylene pipes, 0.6MPA pressure rating from 32mm dia to 110 mm dia- IS : 4984-1978
40.	CM/L-9249 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	Keshan Industries, Makum Junction, Makum	Plywood tea-chest battens— IS : 10 (Part III)-1974
41.	CM/L-9250 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	Rajyog Ispat Mills, 24, Jajmau, Kanpur (Off: 58/5, Birhne Road, Kanpur-208001)	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975
42.	CM/L-9251 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	Shri Lakshman Rolling Mills, 359, Harris Ganj Kanpur	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975
43.	CM/L-9252 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975
44.	CM/L-9253 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	Krishna Paints & Chemicals Co., Bhuli Road, Wesseypur, Dhanbad (Bihar)	Enamel, synthetic, exterior, undercoating and finishing colour category No. 1(White shade only)— IS : 2932-1974
45.	CM/L-9254 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	Shri Mahavir Trading Corp., 123/388, Fazalganj, Factory Area, Kanpur	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975
46.	CM/L-9255 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977-1975
47.	CM/L-9256 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	The South India Steel & Starch Industries 110/IA, Nattamangalam Main Road, Nethimedu, P.B. No. 207, Salem-636002	Structural steel (standard quality)— IS : 226-1975
48.	CM/L-9257 1980-12-24	81-01-16	82-01-15	Apex Minerals & Chemicals, Khandiyav, Post Bodeli-391135 Distt. Panchmahals (Gujarat)	IS : 2567-1978
49.	CM/L-9258 1980-12-24	81-01-01	81-12-31	Nuchem Plastics Ltd., 54, Industrial Area, Faridabad-121001 (Haryana)	Urea-formaldehyde moulding materials— IS : 3389-1956
50.	CM/L-9259 1980-12-24	81-01-16	82-01-15	Tirupur Textiles Pvt. Ltd., Coimbatore Branch, 262 Avanashi Road, Peelamedu, Coimbatore-641004 (T.N.)	Cotton yarn, grey, for hosiery Count: 40s combed— IS : 834-1975
51.	CM/L-9260 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	Selvaraja Mills (P) Ltd., Odderpalayam, Ondipputhur Post, Coimbatore-641016 (T.N.)	Cotton yarn, grey for hosiery Count: 40s combed— IS : 834-1975
52.	CM/L-9261 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	National Agro Chemicals C-2 Industrial Area Patra-800013 (Bihar).	Aldrin DP— IS : 1308—1974
53.	CM/L-9262 1980-12-29	81-01-01	81-12-31	Metal Tubes Pvt. Ltd. G.T. Road, Pari- pat-132103(Haryana).	Steel tubes for structural purposes plain ends black ERW Class : 'Light' Grade : Yst 210 Sizes : Upto and including 50 mm NB— IS : 1161—1979
54.	CM/L-9263 1980-12-29	81-01-01	81-12-31	Batra Associates Pvt. Ltd. 14/1 Mile Mathura Road, Faridabad-121003 (Haryana) (Off: A-38 NDSE Part II New Delhi-110049)	Valve for newly manufactured LPG cylinders of more than 5 litres water Capacity— IS : 8737 (Part II)—1978.
55.	CM/L-9264 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	Standard Cables Pvt Ltd., Chandapur P.O. Anekal Taluk, Bangalore-562145	PVC insulated (heavy duty) electric cable with copper and aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 V— IS : 1554 (Part-I) —1976
56.	CM/L-9265 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	Krishna Steel Inds. Ltd., Plot No. C-39A, MIDC Indl. Area, Off Thane-Balapur Road, P.O. Tubbhe, Distt. Thane (Offi : Vaswani Masnion, 120, Dinshaw Vachha Road, Bombay-400020).	Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS : 2830—1975
57.	CM/L-9266 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	-do-	Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 2831—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
58. CM/L-9267 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	Excel Industries Ltd., Amboli Hills, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.	Repacking of organo mercurial dry seed dressing formulation— IS : 3284—1965	
59. CM/L-9268 1980-12-29	81-01-16	82-01-15	-do-	Repacking of formulation based on stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates— IS : 2358—1963	
60. CM/L 9269 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Nandanven Mfrs & Traders Pvt Ltd, Premises of J.B. Mangharam & Co., P.O. Residency, Gwalior (M P)	Biscuits of the following varieties : salts royal cream & J.B. glucose— IS : 1011—1968	
61. CM/L 9270 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Bharat Jute Mills Ltd., Dassnagar, Howrah-711105	DW Flour bags— IS : 3966—1967	
62. CM/L 9271 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	A.K. Dey & Company, P-33, Benaras Road, Howrah-711105.	Landing valve internal (hydrant) Type IS: 5290—1977.	
63. CM/L 9272 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Polycast Spun Pipes, Chandimandir, Distt. Ambala (Haryana)	RCC pipes class NP2 sizes upto and including 45 mm— IS: 458—1971	
64. CM/L 9273 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Steel Corpn. of Punjab, Industrial Area, Kapurthala (Punjab).	Structural steel (Standard quality)— IS : 226—1975.	
65. CM/L 9274 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	-do-	Structural Steel [Ordinary quality)— IS : 1977—1975	
66. CM/L 9275 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	J.K. Thermometer Inds., 39, Industrial Estate, Jammu Cantt (J & K) Off : 19-A, Nehru Market, (Jammu Tawi).	Clinical thermometers solid stem type oral & rectal pattern— IS : 3055 (Part I)—1977	
67. CM/L 9276 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Berco Welding & Electricals (P) Ltd., T. Road, Bye-Pass (Near Indl. Estate), Jullundur City-144004.	Single operator type arc welding transformers— IS : 1851—1975.	
68. CM/L 9277 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Ashok Foods, 2-3-745/2, Industrial Area, Amberpet, Hyderabad-500013	Ice Cream cones, moulded unsweetened— IS : 7187—1974.	
69. CM/L 9278 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Nagarjuna Agro Steel Corpn., K.C. Works P.O. Tadepalli, Distt. Guntur (A P) Off : 27-1-135 Eluru Road, Vizawada-520004)	DDT WDPC— IS : 565—1975	
70. CM/L 9279 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Sarare Plastics, 3, Engineers complex, Rae Bareli (U.P.)	Elbows 90°, Tee 90°, sockets and cap sizes upto and including 90 mm— IS : 7834 (Part III, IV, VI, VII)—1975	
71. CM/L 9280 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Southern Insecticides & Fertilizers, 1A/2, Industrial Estate, Ambattur, Madras-600098	Carbaryl WDPC Grade : Ground spray . IS : 721 —1973	
72. CM/L 9281 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Soundraraja Mills Ltd, Soundraraja mills Road, Dindigul-624006 (T.N.)	Cotton yarn, grey for hosiery Count : 40 s combed — IS : 834—1975	
73. CM/L 9282 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Haryana Agro Cattle Feed Plant, Jind (Haryana)	Compounded feeds for cattle Type-II— IS : 2052—1979	
74. CM/L 9283 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Gupta Bakelite Factory, 220, Gali Gasheeshar Nath Sabzi Mandi, Delhi-110007	Propeller Type AC ventilating fans 450mm, single phase with class E, insulation— IS : 2312—1967	
75. CM/L 9284 1980-12-31	81,01-16	82-01-15	Shri Vijay Industries, 179 Industrial Area 'A' Ludhiana-141003 (Punjab)	Leaf springs for automobile suspension— IS : 1135—1975	
76. CM/L 9285 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Petroleum Products Mfg Society, Vithalwadi Industrial Estate, 20/20A, Vithalwadi, Bhavnagar-364001 (Gujarat) (Off : Amba Chok, P.O. Box No. 90, Bhavnagar-364001 (Gujarat))	Paraffin wax for explosive and pyrotechnic industry hard grade only— IS : 7401—1974	
77. CM/L 9286 1980-12-31	81-01-16	82-01-15	Bangalore Pesticides Ltd, 16th Km, Tumkur Road, Bangalore-562139. (Office : 33 Sankey Road Cross, Bangalore-560052)	Chlorpyrifos EC— IS : 8944—1978	

[No. C M D /13 : 11]

का० आ० 1592 .—भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि भीषे वी गई अनुसूची के स्तम्भ 2 और 3 में वी गई विभिन्न बस्तुओं संबंधी मूहर लगाने की फीस स्तम्भ 4, 5 और 6 में उल्लेख के अनुसार पुनरायित को गई मूहर लगाने की पुनरीयित फीस की दर 1982-10-01 से लाग होगी :

क्रम संख्या	भारतीय मानक की संख्या	इकाई	मुद्रा लगाने की वर		भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपक्रम (ii) का संदर्भ			
			प्रति इकाई	इकाईयों के लिए	अधिकारित एसओ संख्या	आंशिक संशोधित एसओ की संख्या	जारी होने की तारीख	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	मुद्राणु रासायनिक IS : 933-1976 एक अग्नि शब्दक अग्नि शामक फेनवाले		0.50 0.25	पहली 10000 शेष के लिए	2032 1963-07-29		—	1963-08-10
2.	मुद्राणु रासायनिक IS : 934-1976 अग्नि शामक सोडा अम्ल वाले	"	0.50 0.25	पहली 10000 शेष के लिए	"	"	"	"

1	2	3	4	5	6	7	8	9
3.	सुवाहा रासायनिक अग्नि शामक जल वाले (गैस वाले)	IS : 940-1976	एक घण्टा शामक	0.50 0.25	पहली 10000 शेष के लिए	1057 1978-03-28	—	1978-04-15
4.	सुवाहा रासायनिक अग्नि शामक, सूखे पाउडर वाले	IS : 2171-1976	“	0.50 0.25	पहली 10000 शेष के लिए	2012 1978-06-23	—	1978-07-08
5.	सुवाहा रासायनिक अग्नि शामक, कार्बन डायऑक्साइड वाले	IS : 2878-1976	“	0.50 0.25	पहली 10000 शेष के लिए	— 3593 1978-11-27	1978-12-16	
6.	भाग बुझाने के लिए IS : 4308-1967 एक किंवद्ध सूखे पाउडर			0.50	सभी	पुराना मुहर लगाने की दर ₹ 0.025 सभी		
7.	भाग बुझाने के अग्नि-शामक में प्रयुक्त गैस कार्बूस	IS : 4947-1977	एक कार्बूस	0.50	सभी	1060 1978-03-28	—	1978-04-15
8.	सुवाहा भाग बुझाने के लिए रीफिल 1977	IS : 5490 (भाग-1) एक रिफिल के अग्नि शामक के	“	0.50	सभी	3973 1979-11-20	—	1979-12-08
9.	सुवाहा अग्नि शामक के लिए फाम टाइप 2) 1977 रीफिल	IS : 5490 (भाग 2) 1977	“	0.05	सभी	“	—	“

[सं. सी एन शी/13 : 10]

S.O. 1592.—The Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees, pertaining to various products referred to in Column 2 and 3 of the following Schedule have been revised as mentioned in Column 4, 5 and 6 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from 1982-01-10 :

SCHEDULE

Sl. No.	Product	IS : No.	Unit	Marking Fee Rate		Reference to Govt. of India Gazette Notification Part-II, Section-3, Sub-Section (ii)		
				Per unit	For unit	Superseded S.O.No.	Partially Modified S.O.No.	Date of Issue
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Portable chemical fire extinguisher, foam type	IS : 933—1976	One Extinguisher	.50 0.25	First 10000 Remaining	2032 1963-07-29	—	1963-08-10
2.	Portable chemical fire extinguisher, soda acid type.	IS : 934—1976	-do-	0.50 0.25	First 10000 Remaining	-do-	—	-do-
3.	Portable chemical fire extinguisher, water type (gas pressure)	IS : 940—1976	-do-	0.50 0.25	First 10000 Remaining	1057 1978-03-28	—	1978-04-15
4.	Portable chemical fire extinguisher, dry powder type.	IS : 2171—1976	-do-	0.50 0.25	First 10000 Remaining	2012 1978-06-23	—	1978-07-08
5.	Portable chemical fire extinguisher, carbondioxide type.	IS : 2878—1976	-do-	0.50 0.25	First 10000 Remaining	— 3593 1978-11-27	1978-12-16	
6.	Dry powder for fire fighting	IS : 4308—1967	One kg.	0.05	All	Old Marking Fee Rate ₹. 0.025 All		
7.	Gas cartridge for use in fire extinguisher.	IS : 4947—1977	One cartridge	0.50	All	1060 1978-03-28	—	1978-04-15

1	2	3	4	5	6	7	8	9
8.	Portable fire extinguisher, refills for soda acid type.	IS : 549 (Pt.I) 1977	One Refill	0.05	All	3973 1979-11-20	—	1979-12-08
9.	Portable fire extinguisher, refills for foam type.	IS : 5490 (Pt.II) 1977	-do-	0.05	All	-do-	—	-do-

[No. CMD/13 : 10]

का० आ० 1593.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम और विनियम 1955 के नियम 3 के उपनियम (2), और विनियम 3 के उपनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अविस्तृत किया जाता है कि तीव्र अग्नसूखी में जिन मानकों के अंतरे दिए गए हैं, वे विस्तार 1980 से निर्धारित किए गए हैं:

प्रनुसूची

क्रम निर्धारित भारतीय मानकों की पद संख्या और शीर्षक संख्या	नई भारतीय मानक द्वारा दिए गए भारतीय मानकों की पद संख्या और शीर्षक	मन्त्र विवरण	
1	2	3	4

- IS : 140-1980 बाहरी सतह पर प्रयुक्त पेट्रोल प्रतिरोधी और वायु शुष्कन तैयार मिश्रित रोगत की विधिष्ट (पहला पुनरीक्षण)
- IS : 662-1980 निर्जल ग्रमोनिया की विधिष्ट (पहला पुनरीक्षण)
- IS : 1144-1980 कमीज के सूती कोशिकीय कपड़े की विधिष्ट (द्वितीय पुनरीक्षण)
- IS : 1448 (भाग 56)-1980 पेट्रोलियम और इसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियाँ भाग 56 लसीलापन सूक्षकांक गणना द्वारा (द्वितीय पुनरीक्षण)
- IS : 1885 (भाग 53)-1980 विषुव सकनीकी ग्रन्ड-वर्ती भाग 53 अध्रक
- IS : 2102 (भाग 1)-1980 मापों और आकार व अवस्थान में सामान्य छूटें (भाग 1) रेखीय और कोणीय मापों की सामान्य छूटें (दूसरा पुनरीक्षण)
- IS : 2720 (भाग 3 छंड 1)—1980 मूदा परीक्षण पद्धतियाँ भाग 3 आपेक्षित अनेक जात करना छंड 1 सूक्षकांक मूदा (पहला पुनरीक्षण)
- IS : 2720 (भाग 7)—1980 मूदा परीक्षण भाग 7 हूल्की कुटाई से जलांशः शुष्क घनत्व संबंध जान करना (दूसरा पुनरीक्षण)
- IS : 2720 (भाग 30)—1980 मूदा परीक्षण पद्धतियाँ भाग 30 प्रयोगशाला वेन शीयर परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)
- IS : 2826-1980 सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों के लिए तौबा व ताम्बा मिश्रधातु के छंड व सरिया के माप (दूसरा पुनरीक्षण)
- IS : 2892-1980 कुवालियों और गैलियों के लकड़ी के हृत्थों की विधिष्ट (पहला पुनरीक्षण)

1	2	3	4
12. IS : 2989-1980 खराद चकों की चाबियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2989-1965 खराद चकों की विशिष्टि	—	—
13. IS : 3123-1980 हाइड्रोक्सी-मिक्रोनेलैन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3123-1965 हाइड्रोक्सी मिक्रोनेलैन की विशिष्टि	—	—
14. IS : 3188-1980 विशुत रोधक माला इकाइयों के लक्षण IS : 3188-1965 डिस्क विशुत रोधक के माप (पहला पुनरीक्षण)	—	—	—
15. IS : 3504-1980 धाइमल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3504-1965 धाइमल की विशिष्टि	—	—
16. IS : 3624-1979 दाब और निर्वातमापियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3624-1966 बूरदा नली दाब और निर्वातमापियों की विशिष्टि	1980-11-30 को स्थापित	—
17. IS : 3703-1980 अम्बकीय कण दोष संमूचत की रीति-संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3703-1966 अम्बकीय कण दोष संमूचत को रीति संहिता	—	—
18. IS : 3741-1980 घ्रवसादन अलिकाइओं की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3741-1966 घ्रवसादन नलिकाइओं की विशिष्टि	—	—
19. IS : 3742-1980 स्थिर कोशिका गणनी के लिए तनूकरण पिपेटों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3742-1966 स्थिर कोशिका गणनी के लिए तनूकरण पिपेटों की विशिष्टि	—	—
20. IS : 3925-1980 यूजिनाल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3925-1966 यूजिनाल की विशिष्टि	—	—
21. *IS : 4964-1980 सादी बुनी सूती बनियानों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	(1) IS : 4964 (भाग 1)---1975 सादी बुनी सूती बनियानों की विशिष्टि भाग 1 वस्त्र (पहला पुनरीक्षण), और (2) IS : 4964 (भाग 2)---1975 सादे बुनी सूती बनियानों की विशिष्टि भाग 2 बनियानें (पहला पुनरीक्षण)	1980-10-31 को स्थापित *आईएसआई प्रमाणन मुद्रा योजना के उद्देश्यों के लिए	—
22. IS : 5162-1980 छान की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5162-1969 छान की विशिष्टि	—	—
23. IS : 5388-1980 सादा और चूहीदार प्लग गेजों के घटकोणी हृत्यों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5388-1969 सादा और चूहीदार प्लग गेजों के हृत्यों की विशिष्टि	—	—
24. IS : 5502-1980 सपाट पहिये बाले डीजल रोड रोलर की सामान्य अवैकाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5502-1962 सपाट पहिये बाले डीजल रोड रोलर की विशिष्टि	—	—
25. IS : 5614-1980 तम्बाकू के बीज के सेल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5614-1970 तम्बाकू के बीज के सेल की विशिष्टि	—	—
26. IS : 5701 (भाग 2)---1979 प्रयोगशाला जीवों के प्रजनन, देखभाल, प्रबन्ध और प्रायासन की मार्दिता : भाग 2 प्रयोगशाला अवलोकन (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5701 (भाग 2)---1970 प्रयोगशाला जीवों के प्रजनन, देखभाल, प्रबन्ध और प्रायासन की संक्षिप्ति : भाग 2 प्रयोगशाला अवलोकन	—	—
27. IS : 6244-1980 सादे प्लग माजकों के मापन छारों की विशिष्टि — “गो” और “नो गो” अंग साइज रेंज 40 से 120 मिमी	IS : 6244-1971 सादे प्लग माजकों के मापन छारों की विशिष्टि — “गो” अंग साइज रेंज 30 से 110 मिमी	—	—
28. IS : 7204 (भाग 2)---1980 स्थिरीकृत विजली प्रदाय, दिष्टशारा आउटपुट की विशिष्टि भाग 2 रेटिंग कार्यकारिरप्ति	—	—	—
29. IS : 7204 (भाग 4)---1980 स्थिरीकृत विजली प्रदाय ३०० सी० आउटपुट की विशिष्टि भाग 4 रेटिंगों आवृत्ति व्याप्तिकरण के अलावा अन्य परीक्षण	—	—	—
30. IS : 8591-1980 कॉकम वसा की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 8591-1977 कॉकम वसा की विशिष्टि	—	—
31. IS : 8872 (भाग 2 खंड 3)---1979 परिवर्ती प्रतिरोधियों की विशिष्टि भाग 2 सामान्य कार्य खंड 3 टाइप की प्रारंभी अमी	—	—	—
32. IS : 8879-1980 धूप फैट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 8879-1978 धूप फैट की विशिष्टि	—	—

1	2	3	4
33.	IS : 9047 (भाग 2)—1980 शिरोपरि रज्जुपथ व केवल पथ के लिए आंकड़ा पत्र : भाग 2 आंकड़े यात्रियों के भूमि आदि परिवहन के लिए एरियल तंत्र के आंकड़े हच्छुक खरीदार द्वारा विए जाएंगे	—	—
34.	IS : 9047 (भाग 6)—1980 शिरोपरि रज्जुपथ व केवल पथ के लिए आंकड़ा पत्र भाग 6 यात्रियों उत्पादों के परिवहन सम्बन्धी आंकड़े ऐरियल तंत्र के हच्छुक खरीदार द्वारा दिये जाएंगे	—	—
35.	IS : 9256 (भाग 3)—1979 स्थायी धारकीय पोलिए-स्टर फिल्म परावैद्युत संधारियों की विशिष्टि भाग 3 दाइप एक सी पी एम 2	—	—
36.	IS : 9398—1979 तकनीकी सिलिकॉन ड्रेनाक्सोराइड की विशिष्टि	—	—
37.	IS : 9415—1980 धूतर्योग्यन विभजन परीक्षण द्वारा धीजार इस्पातों की फठोरीयता और कणसाइज शात करने की पद्धति	—	—
38.	IS : 9419—1980 पुणर लेज की विशिष्टि	—	—
39.	IS : 9446—1980 पाइप लाइनों और माप यत्नण मारेखों के प्राप्ति विहृन	—	—
40.	*IS : 9469—1980 सार्व धूते सूती वस्त्र की विशिष्टि	—	1980-09-30 को स्थापित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन मुहर योजना के उद्देश्यों के लिए IS : 9469—1980 1 मई 1981 से नागू होगा।
41.	IS : 9482—1980 एकल पार्केंड पी एल सी टर्मिनलों के निवेश निर्गम सम्बन्धी लाक्षणिक मान	—	—
42.	IS : 9492—1980 समाकल परिपथ विवृत दृश्यों से भार एक सूक्ष्म तरंग भरण की मापन पद्धतियां	—	—
43.	IS : 9495—1980 ब्रेजल मिथ्र धातुओं का ब्रेजमीयता परीक्षण	—	—
44.	IS : 8508—1980 सूती और संग्रिष्ट बल उत्थोग के बहिरायियों के उपचार एवं निष्पादन की मार्गदर्शिका	—	—
45.	IS : 9532—1980 चक्का और शोखाइ की विशिष्टि	—	—
46.	IS : 9534—1980 सीधे सम्मुख प्रक्षेपण के लिए 8 मिमी दाइप एस चलनिक्ष फिल्म प्रेसोपी के इस्तेमाल की विशिष्टि	—	—
47.	IS : 9537 (भाग 1)—1980 विवृत संस्थापनायों की मालियों की विशिष्टि भाग 1 सामाध्य भ्रष्टाचार	—	—
48.	IS : 9546—1980 धारायनिक रूप्ते में दैलेखोज शात करने की पद्धति	—	—
49.	IS : 9551 (भाग 3)—1979 उच्च तदूपता वाले श्वय उपस्कर व तंत्रों की विशिष्टि भाग 3 लाउडस्पीकर	—	—
50.	IS : 9557—1980 अदाव टाइप के ब्रियियों वाले लैम्पों की विशिष्टि	—	—
51.	IS : 9563—1980 कार्बन मोनोक्साइड छम्नक, स्वतः निकासी की विशिष्टि	—	—
52.	IS : 9570—1980 ग्राहिकतम प्रायोगिक मन्तराल और अनुत्तम प्रज्वलन धाराभों के अनुसार वायु के साथ अलान-शील गैसों ग्रथवा वाष्पकणों का वर्गीकरण	—	—
53.	IS : 9568 (भाग 1)—1980 धात्विक काई, क्लारिंग की विशिष्टि भाग 21 पारिभायिकी	—	—

1	2	3	4
54. IS : 9575—1980	और नियंत्रित सिलिंडर (चर्ची) टाइप पॉवर लॉन मोवर की विशिष्टि	—	—
55. IS : 9576—1980	इमारती लकड़ी की ग्राहा विराफ़ि की मार्ग दर्शिका	—	—
56. IS : 9579—1980	धनमिलों के लिए सम्मरक का आकड़ा पक्ष	—	—
57. IS : 9580—1980	धनमिलों के लिए खरीदार का आकड़ा पक्ष	—	—
58. IS : 9589—1980	रेल संकेत व्यवस्था के लिए बिजली के लैम्पों की विशिष्टि	—	—
59. IS : 9591—1980	नम्यकारियों के नमूने लेने और परीक्षण की पद्धतियाँ	—	—
60. IS : 9593 (भाग 1)—1980	प्लैस्टिक पर्फिल्म परा-वैद्युत परिवर्ती समस्तरण धारिक ग्रेड 2 की विशिष्टि भाग 1 परीक्षण और सामान्य भवेताएँ	—	—
61. IS : 9603—1980	बस्तरि प्रक्रमण सम्बन्धी शब्दावली	—	—
62. IS : 9604—1980	टंगस्टेन के भ्रक्ति गैस (टिग) बेल्डम उपस्कर की विशिष्टि	—	—
63. IS : 9605—1980	आहार ग्रेड ऐमिलेस, ऐस्प्रिजिलम ग्रॉर्जी की विशिष्टि	—	—
64. IS : 9611—1980	बूलनशील स्वच्छ करने तेल की विशिष्टि	—	—
65. IS : 9625—1980	आस्थों के उपमार्ग और निकास संयोजनों का स्थापन	—	—
66. IS : 9626—1980	कैलिपरों का स्ट्रोवीजो नमूने की विशिष्टि	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियों विक्री के लिए भा. मा. संस्था, मानक भवन, ९ बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली ११०००२ में तथा यद्यमवाहाव, बंगलोर अम्बाई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना तथा विवेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालयों में उपलब्ध हैं।

[सं. सी. ए. डी. १३ : २]
८० एस. चीमा, प्रपर महानिदेशक

S.O. 1593.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on December 1980 :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any.
1	2	3	4
1. IS : 140—1980	Specification for ready mixed paint, exterior petrol resisting air drying (first revision)	(i) IS : 140—1950 Specification for ready mixed paint, brushing, petrol resisting, air-drying for exterior painting of containers, colour as required. (ii) IS : 141—1950 Specification for ready mixed paint, spraying, petrol resisting air-drying, for exterior painting of containers, colour as required.	—
2. IS : 662—1980	Specification for anhydrous ammonia (first revision)	IS : 662—1955 Specification for anhydrous ammonia.	—
3. IS : 1144—1980	Specification for cotton cellular Shirting (second revision).	IS : 1144—1973 Specification for cotton cellular shirting (first revision)	—
4. IS : 14480 (P : 56)—1980	(Methods of test for petroleum and its products (P : 56) viscosity index by calculation (second revision)	IS : 1448 (P : 56)—1973 Methods of test for petroleum and its products : P : 56 viscosity index by calculation (first revision).	—

1	2	3	4
5. IS : 1885 (Part LIII)—1980 Electrotechnical vocabulary Part LIII Mica.	IS : 1174—1957 Definitions of mica terms.	—	—
6. IS : 2102 (Part I)—1980 General tolerances for dimensions and form and position Part I General tolerances for linear and angular dimensions (second revision).	I : 2102—1969 Allowable deviations for dimensions without specified tolerances (first revision).	—	—
7. IS : 2720 (Part III/Sec. I)—1980 Methods of test for soils Part III Determination of specific gravity Section 1 Fine grained soils (first revision).	IS : 2720 (Part III)—1964 Methods of test for soils : Part III Determination of specific gravity.	—	—
8. IS : 2720 (Part VII)—1980 Methods of test for soils Part VII Determination of water content-dry density relation using light compaction (second revision).	IS : 2720 (Part VII)—1974 Methods of test for soils : Part VII Determination of water content : dry density relation using light compaction (first revision).	—	—
9. IS : 2720 (Part XXX)—1980 Methods of test for soils Part XXX Laboratory vane shear test (first revision).	IS : 2720 (Part XXX)—1968 Methods of test for soils : Part XXX Laboratory vane shear test.	—	—
10. IS : 2826—1980 Dimensions for copper and copper alloy rod and bar for general engineering purposes (second revision).	IS : 2826—1974 Dimensions for wrought copper and copper alloy rods and bars for general engineering purposes (first revision).	—	—
11. IS : 2892—1980 Specification for wooden handles for picks and beaters (first revision).	IS : 2892—1964 Specification for wooden handles for picks and beaters.	—	—
12. IS : 2989—1980 Specification for keys for lathe chucks (first revision).	IS : 2989—1965 Specification for lathe chucks.	—	—
13. IS : 3123—1980 Specification for hydroxycitronellal (first revision).	IS : 3123—1965 Specification for hydroxycitronellal.	—	—
14. IS : 3188—1980 Characteristics of string insulator units (first revision).	IS : 3188—1965 Dimensions for disc insulators.	—	—
15. IS : 3504—1980 Specification for thymol (first revision).	IS : 3504—1965 Specification for thymol.	—	—
16. IS : 3624—1979 Specification for pressure and vacuum gauges (first revision).	IS : 3624—1966 Specification for bourdon tube pressure and vacuum gauges.	Established on 1930-11-30	—
17. IS : 3703—1980 Code of practice for magnetic particle flaw detection (first revision).	IS : 3703—1966 Code of practice for magnetic particle flaw detection.	—	—
18. IS : 3741—1980 Specification for sedimentation tubes (first revision).	IS : 3741—1966 Specification for tubes, sedimentation.	—	—
19. IS : 3742—1980 Specification for pipettes, dilution for haemocytometers (first revision).	IS : 3742—1966 Specification for pipettes, dilution for haemocytometers.	—	—
20. IS : 3925—1980 Specification for eugenol (first revision).	IS : 3925—1966 Specification for eugenol.	—	—
21. *IS : 4964—1980 Specification for plain-knitted cotton vests (second revision).	(i) IS : 4964 (Part I)—1975 Specification for plain knitted cotton vests : Part I Fabric (first revision) and (ii) IS : 4964 (Part II)—1975 Specification for plain knitted cotton vests : Part II Vests (first revision).	Established on 1980-10-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS 4964—1980 shall come into force with effect from 1981-05-01	—
22. I : 5162—1980 Specification for CHHANA (first revision).	IS : 5162—1959 Specification for CHHANA	—	—
23. IS : 5388—1980 Specification for hexagon handles for plug gauges, plain and threaded (first revision).	IS : 5388—1969 Specification for handles for plug gauges, plain and threaded.	—	—
24. IS : 5502—1980 General requirements for smooth wheeled diesel road roller (first revision).	IS : 5502—1969 Specification for smooth-wheeled diesel road roller.	—	—
25. IS : 5614—1980 Specification for tobaccoseed oil (first revision).	IS : 5614—1970 Specification for tobaccoseed oil.	—	—
26. IS : 5701 (Part II)—1979 code for Breeding, care, management and housing of laboratory animals Part II Laboratory rabbits (first revision).	IS : 5701 (Part II)—1970 Code for breeding, care, management and housing of laboratory animals: Part II Laboratory rabbits.	—	—
27. IS : 6244—1980 Specification for gauging members for plain plug gauges GO and NO GO members (size range above 40 to 120 mm) (first revision).	IS : 6244—1971 Specification for gauging members for plain plug gauges "GO" member (size range 30 to 100 mm)	—	—

1	2	3	4
28.	IS : 7204 (Part II)—1980 Specification for stabilized power supplies, DC output Part II rating and performance.	—	—
29.	IS : 7204 (Part IV)—1980 Specification for stabilized power supplies, DC output Part IV Tests other than radio-frequency interference.	—	—
30.	IS : 8591—1980 Specification for KOKUM fat (first revision).	IS: 8591—1977 Specification for KOKUM fat	—
31.	IS : 8872 (Part II/Sec 3)—1979 Specification for variable resistors Part II General purpose Section Type VRG3C	—	—
32.	IS : 8879—1980 Specification for DHUPA fat (first revision).	IS : 8879 —1978 Specification for DHUPA fat	—
33.	IS : 9047 (Part II)—1980 Data sheet for aerial ropeways and cableways Part II Data to be supplied by intending purchaser for aerial system for transportation of passengers, surface.	—	—
34.	IS : 9047 (Part VI)—1980 Data sheet for aerial ropeways and cableways Part VI Data to be supplied by intending purchaser for aerial system for transportation of forestry product .	—	—
35.	IS : 9256 (Part III)—1979 Specification for fixed metallized polyester film dielectric capacitor Part III Type FCPM 2	—	—
36.	IS : 9398—1979 Specification for Silicon tetrachloride, technical.	—	—
37.	IS : 9415—1980 Method for determination of hardenability and grain size of tool steel by penetration fracture test.	—	—
38.	IS : 9419—1980 Specification for pusher legs.	—	—
39.	IS : 9446—1980 Graphical symbols for pipeline and instrumentation diagrams.	—	—
40.	*IS : 9469 --1980 Specification for plain-knitted cotton fabric.	Established on 1980-09-30 *For purposes of ISI Certification Mark Scheme; IS : 9469—1980 shall come into force with effect from 1981-05-01.	
41.	IS : 9482—1980 Characteristic value of inputs and outputs of single sideband PLC terminals.	—	—
42.	IS : 9492—1980 Methods of measurement of RF/Microwave leakage from Integral circuit electron tubes.	—	—
43.	IS : 9495—1980 Test for brazeability of brazing alloys.	—	—
44.	IS : 8508 - 1980 Guide for treatment and disposal of effluents of cotton and synthetic textile industry.	—	—
45.	IS : 9532—1980 Specification for CHAKKA and SHRIKHAND	—	—
46.	IS : 9534—1980 Specification for projector usage of 8 mm Type S motion-picture film for direct front projection.	—	—
47.	IS : 9537 (Part I)— 1980 Specification for conduits for electrical installations Part I General requirements.	—	—
48.	IS : 9546—1980 Method for determination of cellulose in chemical cotton.	—	—

1	2	3	4
49.	IS : 9551 (Part III)—1979 Specification for high-fidelity audio equipment and systems Part III loudspeakers.	—	—
50.	IS : 9557—1980 Specification for wick lamps, non-pressure type.	—	—
51.	IS : 9563—1980 Specification for carbon monoxide filter self-rescuers.	—	—
52.	IS : 9570—1980 Classification for flammable gases or vapours with air according to their maximum experimental gaps and minimum igniting currents.	—	—
53.	IS : 9568 (Part I)—1980 Specification for metallic card clothing Part I Terminology	—	—
54.	IS : 9575—1980 Specification for power lawn mower, pedestrian controlled cylinder (reel) type.	—	—
55.	IS : 9576—1980 Guide for mill sawing of timber.	—	—
56.	IS : 9579—1980 Supplier's data sheet for hammer mills.	—	—
57.	IS : 9580—1980 Purchaser's data sheet for hammer mills.	—	—
58.	IS : 9589—1980 Specification for electric lamps for railway signalling.	—	—
59.	IS : 9591—1980 Methods for sampling and tests for plasticizers.	—	—
60.	IS : 9593 (Part I)—1980 Specification for plastic film dielectric variable tuning capacitors grade 2 Part I Tests and general requirements.	—	—
61.	IS : 9603—1980 Glossary of terms pertaining to textile processing.	—	—
62.	IS : 9604—1980 Specification for tungsten-inert gas (tig) welding equipment.	—	—
63.	IS : 9605—1980 Specification for amylase aspergillus oryzae, food grade.	—	—
64.	IS : 9611—1980 Specification for cutting oil, soluble, clear.	—	—
65.	IS : 9625—1980 Locations of bypass and drain connections for valves.	—	—
66.	IS : 9626—1980 Specification for calipers, Castrovico's pattern	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]
A.S. CHEEMA,
Addl. Director General.

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1984

वाले खाद्यान्नों के क्रय-भण्डारकरण, संचलन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जोकि खाद्य नियम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य नियम के कृत्य हैं।

और यह खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाधिक निदेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपार्थणित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय

क्रा०आ० 1594:— अतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाधिक निदेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने

सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्वर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने धारणा अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी गई है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है :—

क्रम अधिकारी/ संघ्या कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन पद	भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरण की तारीख
1. श्री एन०एन० भसीन सुपूत्र श्री जान चन्द्र भसीन	कनिष्ठ लिपिक	वरिष्ठ लिपिक	1-1-83

[सं० 52/9/79-एफ०सी०-३]
एस०क० स्वामी, अवर सचिव

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 23rd April, 1984

S.O. 1594:—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the procurement Directorates and the Pay and Accounts Offices of the Department of Food which under section 13 of the Food Corporation act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And Whereas The following officers and employees serving in the Department of Food, the regional Directorates of Food the procurement Directorates and the Pay and Accounts Office of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the provision to sub-section (I) of Section 12A of the said Act.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporation Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following employee to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against him.

Sr. No.	Name of the Officer/ employee.	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt, at the time of transfer.	Date of transfer to FCI.
1.	Shri N.N. Bhasin, S/o Shri Gian Chand Bhasin.	Jr. Clerk	Sr. Clerk	1-1-83.

[No. 52/9/79-FC-III]
S.K. SWAMI, Under Secy.

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

New Delhi, the 25th April, 1984

S.O. 1595.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Baroda, Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th April, 1984.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA : PRESIDING OFFICER :
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL :

NEW DELHI
ID. No. 16/84

In the matter of dispute between

Om Parkash
Through Secretary, Bank of Baroda
Employees Union.

Versus

Bank of Baroda, through Regional Manager,
Delhi City Region, Bank of Baroda Building,
Parliament Street, New Delhi.

APPEARANCES :

Shri K. L. Sethi—for the management.
Shri R. L. Virmani—for the workman

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, vide Order No. L-12012/234/83-D. II(A) dated 16th February, 1984 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Bank of Baroda, Regional Office, Delhi City Region is not considering Shri Om Prakash, ex-peon alongwith candidates sponsored by Employment Exchange for filling up regular vacancies of Peon, is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?”

2. The parties representatives appeared today. It was intimated by Mr. R. L. Virmani that Om Parkash had already been appointed regularly as Peon and, therefore the dispute does not survive for adjudication and accordingly no dispute award is made.

Further ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to Central Govt. for necessary action at their end.

April 9, 1984.

O. P. SINGLA, Presiding Officer.

[No. L-12012/234/83-D.II(A)]

S.O. 1596.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank, Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th April, 1984.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA : PRESIDING OFFICER :
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL :

NEW DELHI

I.D. No. 78/83

In the matter of dispute between :

Ballo,
C/o Allahabad Bank Employees Union,
710, Ballimaran,
Chandni Chowk,
Delhi-110006.

Versus

The Management of Allahabad Bank,
through The Regional Manager,
Allahabad Bank,
17, Parliament Street,
New Delhi-110001.

APPEARANCES :

Shri S. C. Sharma—for the Management.

Shri Anil Sharma—for the workman.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, vide order No. L-12012(159)/82-D.II(A) dated 20-1-1983 referred the following dispute to this tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Allahabad Bank in relation to their Sadar Bazar Branch, Delhi under control of Regional Manager, New Delhi in not allowing Shri Ballo, Part-time permanent Sweeper to resume duty with effect from 4-4-80 and terminating his services is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?”

2. The matter has been voluntarily settled between the management of Allahabad Bank and the Allahabad Bank Employees Union and the management agreed to allow Ballo to resume duties with the conditions that he would be paid 50 per cent of the total emoluments payable to him from 4-4-80 till the date Shri Ballo resumes duty and under this settlement Ballo has already joined duties on 28-3-84.

3. Under the circumstances, the dispute does not survive for adjudication and in accordance with the parties request a No dispute award is made.

Further ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer.

April 11, 1984.

[No. L-12012/159/82-D.II(A)]

S.O. 1597.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India, Agra and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th April, 1984.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER :

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL :

NEW DELHI

I. D. No. 211/83

In the matter of dispute between :

G. N. Parasher

Versus

State Bank of India (U.P.),

APPEARANCES :

Shri V. K. Gupta—for the workman.

Shri G. C. Jain—for the management.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, vide Order No. L-12012/209/82-D.II(A) dated 28th June, 1983 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of State Bank of India in relation to its Sadabad Branch under Region III, Agra in keeping Shri G. N. Parasher, Cashier as temporary and not absorbing him in the Bank’s services is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?”

2. Today the workman’s representative Sh. V. K. Gupta informed that the Union of workmen of State Bank of India Staff Association, Agra was not interested in pursuing this dispute and requested that no dispute award may be made.

3. In view of the fact that the prosecution of the claim made in reference has been given up by the Union of the workman concerned and it is not an individual dispute U/s. 2A of I.D. Act, 1947, there is no necessity for further proceedings the case and adjudication of the reference made a No dispute award is made.

Further ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

April 9, 1984.

O. P. SINGLA, Presiding Officer.

[No. L-12012/209/82-D.II(A)]

S.O. 1598.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India, Chandigarh and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th April 1984.

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL,

CHANDIGARH

Case No I.D. 124/80 (N. DELHI), 9/83 CHD.

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Chandigarh

AND

Their workman : Subhash Chander Gupta.

APPEARANCES:

For the Employers—Shri V. K. Gupta.

For the Workman—Shri J. G. Verma.

State Bank of India

STATE—Punjab

AWARD

Dated the 10th of April, 1984

The Central Govt. Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10 (1) (d) of the

Industrial Disputes Act, 1947, hereinafter referred to as the Act, per their Order No. L-12012/133/78-D.II (A) dated the 14th of November, 1980 read with S.O. No. S. 11025(2)/83 dated the 8th June, 1983 referred the following Industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank of India (Region II), Chandigarh in terminating the services of Shri Subhash Chander Gupta, Ex. Clerk-cum-Cashier at Ajnala Branch of the Bank, on 31-8-1974, is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. To trace a short history of the matter, the petitioner workman was appointed as a temporary clerk-cum-Cashier at Ajnala Branch of the Resdt. Bank w.e.f. 16-4-1973 and he worked there upto 31-8-1974 when his services were terminated. It was complained that the termination was void ab-initio since the workman was neither given any notice nor any pay in lieu thereof. Similarly it was also stated to be bad due to non-payment of the usual retrenchment compensation. Therefore, for the obvious reasons, the petitioner resisted his disengagement and that gave rise to an industrial dispute which defined settlement despite an earnest intervention of the ALC (C) during the Conciliation proceedings.

3. However during the meanwhile the parties entered into an agreement resulting in the petitioner's recall to the Bank service w.e.f. 20-11-1979 on his giving up his claim for the back-wages. The petitioner averred that since the termination was void ab-initio, therefore, any settlement or agreement to the prejudice of his back wages was also bad in the eye of law, and as such, he deserved an appropriate mandate from the Tribunal to the Bank Management for the recovery of the same alongwith upto date interest.

4. Resisting his claim, the Management admitted the factum of petitioner's employment w.e.f. 16-4-1973 and termination on 1-9-1974 as well as re-employment by way of recall w.e.f. 20-11-1979, it was further disclosed that the petitioner-workman had since been absorbed in the permanent cadre w.e.f. 24-9-1980. But on the crucial point of back-wages, they pleaded that there was a valid and legal agreement between the parties by virtue of which he was recalled to service in consideration of his voluntary withdrawal of the claim though, even otherwise also, under the terms of Agreement dated 22-8-1979 between the Bank and the All India State Bank of India Staff Federation (Majority Union) he could not press such claim for the period prior to 16-1-1976. In the same sequence he was alleged to be guilty of suppressing some material information from the Tribunal in the sense that during the entire intervening period from April 1976 he was gainfully employed in the Treasury Office, Amritsar.

5. During the course of hearing before my Ld. Predecessor on 13-3-1981 the Workman's representative made a statement conceding "inter alia" that he had since been permanently absorbed in the Bank services and to that extent there was no dispute between the parties. It may also be worthwhile to record here that in the claim statement itself factum of recall and re-employment w.e.f. 20-11-1979 was admitted by the petitioner. The bone of contention, thus boiled down to the following issue framed by my Ld. Predecessor:

"To what further relief is the Workman entitled after reinstatement?"

6. In support of his claim the Workman tendered his own Affidavit whereas the management examined the then Branch-Manager Sh. R. P. Sharma, M.W.1 alongwith a few documents of the admitted nature.

7. On a careful scrutiny of the entire material on records and hearing the parties I am not inclined to sustain the petitioner's case for any further relief because for the reasons better known to him, after filing his Affidavit he almost receded into back ground and opted against offering himself for the acid test of cross-examination to vouchsafe for the correctness of the averments and disclosures made therein. On the other hand the testimony of the Management's witness R.R. Sharma finds a reflection of credibility in the letters Exh. M.2 dated 29-10-1979 and M.3, dated 5-11-1979 that there was an informal, but valid, agreement between the

parties that the petitioner would give up his claim for the back-wages whereas they would provide him with fresh employment on qualifying the Entrance tests and the medical examination. To be precise, the Management made a concrete and legal offer vide their letter Exh. M.2 dated 29-10-1979 and the petitioner grabbed the opportunity without any precondition per his letter Exh. M.3. As a matter of fact the offer itself was made by the Bank in pursuance to their revised policy to re-employ the members of such temporary staff who had been disengaged after putting in more than 270 days of service, and that was how that the petitioner had initiated the dialogue for their indulgence per his letter Exh. M.4 dated 24-10-1978.

8. Since authenticity of none of the above said letters was questioned before me, therefore, I can not resist the inference of a valid and binding agreement between the parties. On behalf of the Workman it was submitted that any settlement arrived at between the parties, without involving the Conciliation machinery envisaged by the Act, has to be executed by them in the manner prescribed under the Rules and a copy thereof has also to be sent to an Officer authorised in this behalf by the Appropriate Govt. otherwise it would have no existence in the eye of Law. In the same sequence he was at pains to impress upon me that since the Workman had already put in more than one year's continuous service within purview of Section 25-B by the time of his termination on 1-9-1974 therefore, he was entitled for the usual retrenchment Compensation and benefits by virtue of Section 25-F (a) and (b) which were denied to him, thus the retrenchment, being void ad-initio, could not be a subject-matter of agreement to curtail the back wages, in view of the overriding nature of Section 25-J.

9. Inspite of seeming attraction the submission failed to carry conviction with me, moreover any attempt to attract the provisions of Section 25-J on an agreement of the instant nature is misconceived because its scope is limited in nullifying the Standing orders and such other Statutory Rules which could have an adverse effect on the retrenchment benefits to be given to a Workman under chapter V-A of the Industrial Disputes Act whereas in our case the proposition is very simple as to whether in a sort of suspended animation when the validity of one's termination is in dispute, can a workman enter into an understanding with the Management to forgo his back wages in consideration of a fresh employment.

10. In the totality of the circumstances, I am of the considered opinion, that the proposition deserves to be answered in the affirmative because after all such understandings and agreements are valid both in extent and operation, more so when there is a lawful consideration with a definite tendency to curtail the scope of litigation and usher in Industrial peace without going into the cumbersome process of legal technicalities. Similarly I do not feel that the lack of formal registration of the agreement or its intimation to the Conciliation authorities etc. should have any material bearing particularly when it was not only implemented by the parties in letter and spirit but was further improved upon for the benefit of the Workman in the form of his permanent absorption on the regular cadre strength of the Bank from the temporary hands.

11. It is besides the point that the Management's allegation that the petitioner-Workman was gainfully employed in the Treasury Office Amritsar from April 1976 upto the date of reinstatement was not rebutted. Their Branch-Manager Sh. R.R. Sharma categorically averred this fact in para No. 3 of his Affidavit and no suggestion to the contrary was given to him despite his availability in the Witness box for cross-examination. On the other hand the petitioner/Workman shied away from the witness box for some inexplicable reasons as mentioned hereinbefore.

12. Thus to sum up my aforesaid discussion on the limited available data and the points raised before me, I return my Award against the Workman with the rider that his re-employment and permanent absorption in the Regular Cadre of the Resdt. Bank during the intervening period shall remain undisturbed.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer.
Chandigarh.
10-4-84

S.O. 1599.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of Bikaner and Jaipur, Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th April, 1984.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
NEW DELHI

I. D. No. 88/80

In the matter of dispute between :

S. N. Gupta

Versus

State Bank of Bikaner and Jaipur (Jaipur).

APPEARANCES :

Shri G. K. Sharma—for the workman.

Shri Suraj Narain—for the State Bank of Bikaner and Jaipur.

AWARD

The Central Government Ministry of Labour, vide Order No. L-12012/50/80-D.II(A) dated 16th August, 1980 made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur in dismissing Shri S. N. Gupta, Head Cashier, Pipalda Branch in District Kota with effect from 6th July, 1979 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. Mr. S. N. Gupta joined the State Bank of Bikaner and Jaipur as Cashier-cum-Godown Keeper on 25-8-61 and was promoted as Head Cashier w.e.f. 25-3-70. His services were terminated by letter No. RM/2/8/2 dated 27-6-1976 on the ground of having committed misconduct. The charges against him were as under :—

"(i) You demanded and accepted various amounts as bribe from the persons as mentioned below for getting the loans sanctioned in their favour :—

	Rs.
1. Shri Asraf Ali	50.00
2. Shri Dhanna Lal	50.00
3. Shri Mithu Lal	50.00
4. Shri Raghu Nath	100.00
5. Shri Lahan Lal	350.00
6. Shri Bapu Lal	300.00
7. Shri Ram Singh	350.00
8. Shri Kanhi Ram	350.00
9. Shri Mangu	375.00

(ii) You demanded and accepted Rs. 20 as bribe from Shrimati Phuli Bai, Sweeperess, Sunel Branch for releasing the payment of her Bonus amount of Rs. 80 in the month of May, 1973.

(iii) You demanded and accepted bribe of Rs. 500 (Rs. 50 per month w.e.f. August 1972 to May 1973) from Shri Nemi Chand for arranging him an appointment of a temporary peon in the Sunel Branch on 5th August 1972 ;

(iv) You had raised a loan of Rs. 1000 in the name of one Shri Pannalal by getting the same guaranteed by your brother Shri Jagdish Chandra."

3. The departmental enquiry was conducted by S. R. Jain, Officer in the Head Office. His appeal against the orders of his removal from his service was rejected by the Appellate Authority.

4. Workman's case is that the Enquiry Officer did not deal with him fairly and was biased and did not give him fair opportunity in the enquiry. Even his jurisdiction was challenged. His case is that none of the charges against him is established, and that he should be allowed reinstatement in service with full back wages and continuity of service.

5. The management of State Bank of Bikaner and Jaipur have contested this case. The dismissal, after holding the domestic enquiry against him on the charges of misconduct is said to be valid and proper and he is said to have been given full opportunity of being heard in the departmental enquiry. The charges proved against him were said to merit dismissal and no other penalty.

6. The matter in issue in the term of reference has been heard, and I have heard the representatives of the parties at great length. The English Translation of the evidence led in the case before the Enquiry Officer has been filed.

7. Nine persons have been mentioned in the charge sheet as persons from whom bribes were demanded and accepted, but Shri Suraj Narain for the Management of the Bank confined the management's case as proved only in respect of Asaf Ali, Dhanna Lal, Mithu Lal and Mangu.

8. In the case of Mithu, he had resiled from the statement made by him before the C.B.I. Official, and there was only his application to the bank on record. The enquiry officer did not allow the C.B.I. Official, who recorded the statement, to be cross-examined by the workman in the enquiry. Accordingly it appears that the workman has been prejudiced in respect of the charge against him, because he was not allowed to cross-examine the person who recorded the statement of Mithu as a police officer, which statement is relied upon by the enquiry officer. The charge of demand and acceptance of bribe from Mithu is, for that reason, held not proved.

9. Asraf Ali admitted his statement made before the C.B.I. Inspector on 1-7-75 to be correct. In the statement he had stated that he was doing the work of cycle repairs in Sunel Town and applied for a loan of Rs. 500 under DIRA Scheme for purchase of Cycle parts on 10-12-72 and that the application was then prepared by the Head Cashier Shri S. N. Gupta but the loan was not granted to him because he had mentioned his annual income as Rs. 2000 in the loan application and the bank loan could be granted only to those whose annual income was upto Rs. 1200.

10. Mr. Asraf Ali further stated that he contacted Mr. S. N. Gupta, Head Cashier, after rejection of his application and was told that he will have to pay 10 per cent to Shri S. N. Gupta and then he could get loan. He paid Rs. 50 to Mr. Gupta at his residence and at the asking of Mr. Gupta he made another application on 29-1-73 for DIRA Loan and mentioned his annual income as Rs. 1100 and the loan was granted and he repaid it in monthly instalment of Rs. 50.

11. In cross-examination Mr. Gupta asked him only a few questions. He stated that Nathu Lal Lohar, in whose presence he made the payment, refused to give statement to the CBI Inspector. He stated that the loan application was prepared by Mr. Gupta and that, generally, he came every month to the bank for repayment of loan and that he did not thumb-mark but signed the proposal. To the question about dates and times when he came to Mr. Gupta's house Asraf Ali stated that it does not make sense to him and when Mr. Gupta asked him why he did not complain to the Manager Sahib at the next time when he came to the bank after taking loan. Mr. Asraf Ali replied that the question had not come before him.

12. In his written submission, Mr. Gupta contended that he was not connected with the loan of Asraf Ali and that Mr. Kochawa, Branch Manager had stated that the proposal was sent after verification done by him, and was not recommended by Mr. Gupta. His further contention is

that Nathu Lal Lohar had not been produced and he had refused to give statement to the C.B.I. Inspector to corroborate Asraf Ali's statement. Asraf Ali had evaded in giving replies to question indicating that he had no knowledge of the statement recorded by the CBI Inspector and that the charges by Asraf Ali were false and fabricated.

13. The Ld. Advocate for Shri S. N. Gupta has indicated that it will be wholly unsafe to rely on the uncorroborated statement of Asraf Ali, when the best witness allegedly present at the time of giving bribe, namely Nathu Lal, had not come forward to depose against the workman, and the statement of Asraf Ali and his complaint were made years latter.

14. The situation has to be comprehended clearly to appreciate the truth or falsehood of the statement of Asraf Ali. Ordinarily people avoid making complaints or becoming witnesses in court or proceedings in corruption charges and if Nathu Lal Lohar refused to appear as a witness either before the CBI or before the Enquiry Officer, the act of Nathu Lal Lohar is not unfamiliar or incredible. It does not detract from the correctness of the statement of Mr. Asraf Ali.

15. The real matter of importance is that the loan application of Asraf Ali had earlier been rejected on account of his mentioning his annual income as Rs. 2000 and he had sought assistance of Shri S. N. Gupta to get loan under DIRA even after rejection of his first application where he mentioned his income as Rs. 2000. In second application where he mentioned Rs. 1100 as annual income he would not get a loan, if S. N. Gupta would disclose that in an earlier application he had mentioned his annual income as Rs. 2000 and S. N. Gupta got Rs. 50 for suppressing the information to the bank Manager of the earlier application of Asraf Ali and thereby made for verification of Asraf Ali's income by the Manager R. N. Kochawa. The fact of statement of annual income as Rs. 2000 was known to S. N. Gupta and he not only kept back that information from the branch Manager he suggested Mr. Asraf Ali to write his annual income in the assessment application as Rs. 1100 only.

16. This is the situation in which Asraf Ali paid Rs. 50 to S. N. Gupta and S. N. Gupta was able to get second application made by Asraf Ali to appropriate Rs 50 for himself by getting the loan to Asraf Ali on the basis of his annual income being only Rs. 1100 per annum and not Rs. 2000 p.m.

17. I am clearly of the opinion that Asraf Ali deposed the truth before the C.B.I. Inspector and before the Enquiry Officer and his testimony is in no way shaken by the cross-examination of S. N. Gupta, and that Asraf Ali could get the loan of Rs. 500 by the subsequent application only because of the contrivance suggested by S. N. Gupta of making subsequent application showing lower annual income to avail of loan under DIRA Scheme by Asraf Ali.

18. When Asraf Ali had obtained a benefit of the loan which he desperately wanted, there was no question of his making complaint to the Manager about his having been made to pay Rs. 50 as bribe to S. N. Gupta. It is only when the CBI Inspector investigated the matter that Asraf Ali in 1975 made the statement after he had repaid the loan and having nothing to fear or to loose, and S. N. Gupta was not there in the bank or at the place to harm him.

19. It is not possible to believe that Asraf Ali deposed falsely at the instance of anyone, and his cross-examination by S. N. Gupta does not shake his bona fides.

20. I am clearly of the opinion that Asraf Ali has given truthful statement to the CBI Inspector and truthful affirmed it before the Enquiry Officer, and his cross-examination does not shake him and that the circumstances mentioned by him clearly indicate that it was a case where he got loan on subsequent application by mentioning lower figure of his income as Rs. 1100 per month at the instance of S. N. Gupta, and Mr. Gupta was able to get Rs. 50 bribe from Asraf Ali by suggesting him the means by which he could get the loan under DIRA, and S. N. Gupta suppressed

the information of the first application of Asraf Ali made in November, 1972 from the Branch Manager and thereby allowed the second application to be verified by the Branch Manager Kochawa and the loan sanctioned by the Head Office. I have absolutely no doubt about the truthfulness of Asraf Ali and cannot entertain doubts raised by S. N. Gupta or his Ld. Advocate. I see no difficulty whatsoever in holding that Asraf Ali stated the truth and that his cross-examination is inconsequential, and that Nathu Lal Lohar kept away from the CBI Enquiry and the departmental enquiry only because Nathu Lal Lohar did not want to trouble himself with the matter and preferred silence. ~~Income~~ Asraf Ali was a liar, S.N. Gupta could have produced Nathu Lal Lohar in his defence, to give his to the statement of Asraf Ali that he paid Rs. 50 to S. N. Gupta at his residence in the presence of Nathu Lal. The charge against S. N. Gupta of accepting Rs. 50 as bribe from Asraf Ali is duly proved beyond any shadow of doubt. The order of the enquiry Officer not allowing cross-examination of the CBI Inspector regarding the statement of Asraf Ali is insignificant because Asraf Ali admitted the correctness of statement made by him before the C.B.I. Inspector, and nothing substantial turns on the refusal to allow cross-examination of the C.B.I. Inspector.

21. Dhanna Lal was examined by the C.B.I. Inspector on 1-7-75 and he gave a statement that he got a loan of Rs. 500 for making bricks and earthen pots and that he applied on 16-2-73 and that at the asking of S. N. Gupta when he was going to Hospital and passed the house of Mr. S. N. Gupta, he gave a bribe of Rs. 50 for the loan being sanctioned to him. He borrowed this amount from one Ram Gopal Ji S/o Jagan Nath and gave Rs. 50 to Mr. S. N. Gupta, Head Cashier, and he repaid to Ram Gopal, and bank loan was granted to him which he repaid in instalments. He stated that, when he paid Rs. 50 to S. N. Gupta, no one else was there.

22. Mr. Dhanna Lal affirmed the correctness of the statement, made by him to the C.B.I. Inspector, before the Enquiry Officer. He has been cross-examined by Mr. S. N. Gupta. Ram Gopal, who gave the loan to Dhanna Lal, has been also examined by the C.B.I. Inspector as also before the Enquiry Officer, and was cross-examined by S. N. GUPTA.

23. The arguments of the Ld. Advocate of S. N. Gupta is that the evidence of Dhanna Lal and Ram Gopal Ji is discrepant and unreliable. Dhanna Lal stated that he paid Rs. 50 back to Ram Gopal Ji, whereas Ram Gopal Ji stated that the repayment was by his not paying salary to Dhanna Lal's brother. There is said to be further discrepancy about his statement about going to Hospital and the non-compliance by Dhanna Lal for a long time was said to make his evidence suspect especially when the assertion of the workman was there that Dhanna Lal made his statement to the C.B.I. Inspector and accepted before the Enquiry Officer because of the influence of Man Singh, Agricultural Assistant, at whose instigation it was all done.

24. It is not possible to disbelieve Dhanna Lal and his evidence inspires suspect. Ram Gopal Ji admitted that he gave Rs. 50 to Dhanna Lal and Dhanna Lal says that he paid this money to S. N. Gupta as bribe. About the repayment, the discrepancy does not seem to be material, and the statement of Dhanna Lal can be wrong or incorrect, and the money may have been deducted in payment not made to his brother, but this is a small matter which does not affect the credibility of Dhanna Lal. There was no work for which Dhanna Lal borrowed money from Ram Gopal Ji, except that of making bribe payment to S. N. Gupta, as deposited to by Dhanna Lal.

25. Dhanna Lal is sincere when he immediately admitted that Man Singh, Agricultural Assistant asked him to make the statement, and it is possible that Man Singh asked him to depose what was the truth, because Dhanna Lal specifically stated that he paid the bribe, and that he went to the bank a number of times and that he had gone to the Manager also to find out whether the loan had been sanctioned or not, and that he went further to the bank whenever repayment had to be made.

26. I do not see about the instigation of Dhanna Lal by Man Singh Agricultural Assistant. Man Singh Agricultural

Assistant only invited Dhanna Lal to state what happened, and Dhanna Lal gave the statement to the C.B.I. Inspector thereafter. It is not possible to believe that Dhanna Lal made false allegations against S. N. Gupta, at the instance of Agricultural Assistant Man Singh.

27. The statement of Dhanna Lal appears to be truthful and Dhanna Lal does not seem to be an agent of Man Singh Agricultural Assistant manipulated by Man Singh to depose falsely against S. N. Gupta. He appears to be an ordinary potter and Agriculturist, who wanted money for making bricks and earthen pots, and got his application recorded by S. N. Gupta and paid Rs. 50 to Mr. Gupta, on his demand, to get the loan sanctioned.

28. Dhanna Lal's evidence does not appear to be that of a clear or motivated person, and there is no reason to discard his statement made before the CBI Inspector and accepted before the Enquiry Officer as correct. His cross-examination by S. N. Gupta does not shake him and it appears that full reliance can be placed upon it for holding that he paid Mr. Gupta Rs. 50 bribe for getting the loan of Rs. 500 from the bank on his application made in February, 73. The doubt about his credibility do not arise, and this straight forward villager can certainly be relied upon, as he stated the truth before the CBI and Enquiry Officers. As already observed, the non-cross-examining of the C.B.I. Inspector, who recorded the statement of Dhanna Lal and Ram Gopal Ji, is not significant, because the statements made before the CBI Inspector were affirmed before the Enquiry Officer.

29. It is not accepted that the CBI Inspector pressurised Dhanna Lal and Asraf Ali to depose before the Enquiry Officer because so many others did not depose as was stated in C.B.I. Statements, and resiled from those statements. Asraf Ali and Dhanna Lal and Ram Gopal Ji appear to have made voluntary statements before the CBI Inspector, and have affirmed them before the Enquiry Officer. The charges against S. N. Gupta of having taken Rs. 50 each from Asraf Ali, and Dhanna Lal are established, beyond any shadow of doubt.

30. The charge in respect of taking of bribe from Mangu must fail, on the short ground that the person through whom money said to have been paid by name Prabhu has not been examined either by the CBI or before the Enquiry Officer and the statement of Mangu cannot be relied upon, when the actual person through whom the bribe was paid, by name Prabhu, has not been examined.

31. Therefore, in respect of charge No. 1, on a review of the entire evidence, it is only in respect of Asraf Ali and Dhanna Lal that the charge are proved beyond doubt.

32. The charge regarding acceptance of bribe from Phuli Bai must be held to be not proved for the simple reason that Phuli Bai refused to own the statement said to have been recorded by the CBI Inspector, and the CBI Inspector who recorded her statement was not allowed to be cross-examined by the workman in the Enquiry Proceedings. As such, it would not be safe act on testimony which has not been fully tested by cross-examination.

33. The other two charges relating to acceptance of bribe from Nemi Chand and raising loan in fictitious name by accepting guarantee of his own brother, depend upon the testimony of Nemi Chand states that he was employed as temporary peon in the bank on 15-2-72 through the Good Officers of Mr. S. N. Gupta, who had studied with his father Babu Lal and that he was short of 40 days from 18 years on 5-8-72, when he joined service as temporary peon and his date of birth was 15-9-54 and no one could join service before the age of 18 years. It was for this reason that he had to pay Rs. 50 PM to Mr. Gupta from salary for August, 72 to May, 73 total Rs. 500. He complained about the deduction to the bank after he had talked over to Man Singh and Arjun Lal, Chowkidar.

34. In respect of the alleged fictitious loan in the name of Panna Chamar he has stated that the three slips dated 15-2-73 for Rs. 60, dated 20-2-73 for Rs. 20 and dated 26-2-73 for Rs. 445 were filled in by him and he signed as depositor on the slips, at the asking of S. N. Gupta and that it was S. N. Gupta who gave the money from his own pocket for these payments.

35. The difficulty is that Panna Lal Chamar has stated that he got the loan and signed himself, repaid it and has not accepted that the loan was fictitious or that it was taken by S. N. Gupta, CBI Inspector, who recorded the statement of Panna Lal Chamar, was not allowed to be cross-examined. The statement of Jagdish, recorded by CBI Inspector, is also disowned by Jagdish, and the CBI Inspector has not been allowed to be cross-examined in respect of that statement also. As such the charge relating to Panna must fail. That would affect the credibility of Nemi Chand on other charge and for that reason charges by Nemi Chand against S. N. Gupta must also not be accepted as a matter of caution and to give benefit of doubt to the person facing disciplinary enquiry.

36. I hold that the charges against the workman S. N. Gupta are clearly established only in respect of acceptance of bribe Rs. 50 each from Asraf Ali, and Dhanna Lal for getting them loans sanctioned from the bank of Bikaner and Jaipur. But the punishment of dismissal imposed on him is upheld, because the proving of these charges suffices for ordering his dismissal from service. It will be improper and unfair to the management of the Bank to allow S. N. Gupta to remain as their employee, when he is clearly proved guilty of suppressing material facts from the management in respect of Asraf Ali, and when he has taken money from the customers of the bank for allowing bank loans to them.

37. Under the circumstances, the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur in dismissing from service Mr. S. N. Gupta, after holding domestic enquiry on the charges levelled against him, has to be accepted as valid and justified and S. N. Gupta is not entitled to any relief.

38. It has been kept in view that the charges are of a quasi-criminal nature and require to be proved strictly, and that benefit of any doubt must go to the workman.

Further ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated : April 9, 1984.

O. P. SINGLA, Presiding Officer
[No. I-12012/50/80-D.II (A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

New Delhi, the 27th April, 1984

S.O. 1600.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Maharashtra, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th April, 1984.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW
DELHI

LD. No. 67/81.

In the matter of dispute between :

Shri Kishan Singh Sangola,
through Deputy General Secretary,
Union of the Maharashtra Bank Employees',
898, Nai Sarak, Chandni Chowk,
Delhi-110006.

Versus

Bank of Maharashtra c/o The Asstt.
General Manager, Northern Zone,
Hochest House, Asaf Ali Road,
New Delhi.

APPEARANCES :

Shri R. K. Kadamb—for the workman.

Sh. U. P. Amodekar—for the management.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-12012/162/80-D. II. A. dated 21st May, 1981 referred the following dispute to this tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Bank of Maharashtra in not promoting and posting Shri Kishan Singh Sangela, Peon, Zonal Office as Air Conditioning Plant Helper at their Branch Office, Connaught Place, New Delhi, is justified. If not, to what relief is the workman entitled ?".

2. The statement of claim was filed by the Union of Maharashtra Bank Employees' (Regd.) Delhi Unit. It was pleaded that the workman Kishan Singh Sangela joined the bank of Maharashtra, Karol Bagh Branch, New Delhi on 11-5-71 as a Peon. The post of Daftari was created in the Connaught Place Branch of the bank and Kishan Singh workman as a Senior person was transferred to Connaught Place Branch, New Delhi as Daftari. He was again transferred to Bank's Zonal Office, New Delhi.

3. The dispute in the present case relates to the post of Havaladar which fell vacant at Branch Connaught Place New Delhi February, 79 and to the post of Air Conditioning Plant Helper which also arose at Connaught Place Branch New Delhi on 10-5-79. The post of Havaladar carried more allowances than the post of Daftari and the post of Air Conditioning Plant Helper carried still greater allowances than that of Havaladar. The Management denied these posts to the workman and promoted Connaught Place Branch working officials on the basis of head office circular No. AXI/SI/SPL/108/78 dated 5th August, 1974 which provided that all allowance posts should be allotted as per branch seniority.

4. The Management's case is that the said circular is legal and proper and that paras 529 and 507(2) of Shastri Award have not been violated because para 529 applies to promotion as such and para 507(2) relates to retrenchment of employees where town seniority has been prescribed.

5. The workman's case is that town seniority must apply in the case of all allowance posts because para 507(2) of the Shastri Award prescribed that in deciding who is the junior most among the superfluous A and B class banks should take the town as Unit and that in the matter of other promotions the bank concerned accepted the town Division as a Unit and not the branch as a Unit. The workman claimed that he should be deemed to be promoted as Air Conditioning Plant Helper on the basis of his Seniority in the town w.e.f. 10-5-79, the date his junior Govind Singh Negi was appointed to that post and that he should be paid all the arrears of Air Conditioning Plant Helper with all other benefits, namely provident fund, bonus, D.A. etc. w.e.f. 10-5-79 onwards.

6. The matter referred to the Tribunal has been examined and the evidence of the parties have been recorded. The workman gave his own affidavit and the management filed the affidavit of Sh. K. U. Kulkarni, Manager, Connaught Place Branch, New Delhi. Written arguments have been filed on record and have been perused.

7. Mr. Kulkarni Manager in cross-examination accepted as under :—

"XXX Cross MW1-1).—Whenever there is a higher allowance post, senior person is offered the post and for that reason Shri Kishan was transferred to Asstt. Divisional Manager's Office from Connaught Place Branch as Daftary. Kishan Singh has not applied for transfer.

(2) Air Conditioning Plant Operator's is an allowance post. He gets higher allowance than that of Daftari or Havaladar.

(3) There is a circular dated 5-8-74 dealing with allocation of special allowance post on record has been followed.

(4) In the case of transfers, only Division wise seniority is considered and not branch seniority.

(5) In the case of Special Assistants, Division wise seniority is counted and not branch seniority."

8. It thus appears that the Management has been accepting Divisional or Town Seniority as a basis for promotion and higher allowance posts must be considered in the same category. There is definitely the requirement of the Shastri Award that in matter of retrenchment town Seniority should be by A and B class banks.

9. In the light of the foregoing circumstances the workmen's plea is correct and the circular of the Management referred to earlier dated 5th August, 1974 ordering branch seniority to operate in the matter of allowance posts is discriminatory and inoperative. The workman Kishan Singh Sangela was entitled to be appointed Air Conditioning Plant Helper in the Connaught Place Branch and is entitled to Air Conditioning Plant Helper's allowance w.e.f. 10-5-79 onwards. The action of the management of Bank of Maharashtra in not appointing Kishan Singh Sangela to the post of Air Conditioning Plant Helper w.e.f. 10-5-79 is clearly unjustified and improper and the workman is entitled to arrears for the period 10-5-79 onwards as well as to other benefits sought by him. The Management is directed to give him all benefits and arrears on the basis of his Air Conditioning Plant Helper w.e.f. 10-5-79.

10. The management is also directed to pay him an amount of Rs. 200 as costs of this reference. The award is made accordingly.

Further ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

April 12, 1984.

O. P. SINGLA, Presiding Officer

[No. L-12012/162/80-D. II(A)]

S.O. 1601.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Bombay in respect of a complaint under Section 33A of the said Act filed by the General Secretary, Punjab National Bank Workers' Organisation, Bombay against the management of Punjab National Bank, Bombay.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

PRESENT :

Dr. Justice R. D. Tulpule Esqr.
Presiding Officer

Complaint No. CGIT-4 of 1976

(Arising out of Reference No. CGIT-8 of 1975)

PARTIES :

K. M. Mehrotra

Complainant.

Punjab National Bank, Kalbadevi, Bombay,

V/s.

1. The Manager
Shri R. P. Aggarwal,
Punjab National Bank,
Kalbadevi, Bombay.

2. The Manager
Punjab National Bank, Bombay :

Opp. Party.

Complaint No. CGIT-16 of 1976

(Arising out of Reference No. CGIT-8 of 1975)

PARTIES :

K. N. Mehrotra,
General Secretary,
P.N.B. Workers Organisation,
9-B, Cawasji Patel Street,
R. No. 27, 1st Floor, Fort,
Bombay.

Complainant.

V/s.

1. The Manager, (Mr. R. P. Agarwal),
Punjab National Bank, Kalbadevi,
Bombay.
2. The Management of Punjab
National Bank, Regional Office, Express Towers Nariman
Point
Bombay-400021.
3. The Management of Punjab National,
Bank, Head Office, 5, Parliament,
Street, New Delhi-110001. : Opp. Party.

Complaint No. CGIT-17 of 1976

(Arising out of Reference No. CGIT-8 of 1975)

PARTIES :

K. M. Mehrotra,
General Secretary,
Punjab National Bank Workers,
Organisation, 9-B, Cawasji,
Patel Street, Fort, Bombay.

Complainant.

V/s.

Management of Punjab National,
Bank, Having its Regional,
Administrative office at,
Express Towers, Nariman Point,
Bombay-400021. : Opp. Party.

Complaint No. CGIT-1 of 1980

(Arising out of Reference No. CGIT-8 of 1975)

PARTIES :

K. N. Mehrotra,
General Secretary of Punjab,
National Bank Workers Organisation,
Bombay,
C/o. Punjab National Bank,
Ilaco House, Sir P. M. Road,
Fort, Bombay-1,

Complainant.

V/s.

Punjab National Bank,
Ilaco House, P. M. Road, Fort,
Bombay with its regional,
office at Express Tower,
Nariman Point, Bombay-21. : Opp. Party.

APPEARANCES :

For the Complainant—Mr. K. N. Mehrotra, General
Secretary (Complainant)

For the Opposite Party.—Mr. G. B. Singh, Manager
(Staff) Zonal Office, Bombay.

INDUSTRY :

Banking.

STATE :

Maharashtra.

Bombay, the 29th November, 1983

AWARD

There are complaints filed by the complainant, K.N. Mehrotra, under section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

2. The complainant and respondent are present. Their arguments are heard and they agreed that the Court may

support an amount of compensation to which the parties agree and will be paid. On consideration of all aspects of the matter and with a view to continue and further congenial atmosphere between the workman and the employer an amount of Rs. 750 as suggested in para 2 of the pursis shall be paid to the complainant.

3. The complainants are disposed of. Award accordingly

R. D. TULPULE, Presiding Officer.
[No L-12025/5/84-D-IV(A)]

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Complaint Nos. CGIT-4, 16 & 17 of 1976 & 1 of 1980
(Arising out of Reference No. CGIT-8 of 1975 & 25 of 1975)

PARTIES :

K.N. Mehrotra

V/s.

The Manager, Punjab National Bank, Bombay-400002.
... Opp. Party

The complainant and the opposite party agree to the following :—

- (1) The opposite party viz., Punjab National Bank, Bombay, agrees to transfer at the cost of the Bank Mr. K. N. Mehrotra as Accountant to either of its two Branch offices at Roorkee (Dist. Saharanpur), Uttar Pradesh. The orders will be passed within a period of one month from today.
- (2) The parties agree that the Court may suggest an amount of compensation claimed by the complainant to which compensation amount suggested by the Court the parties agree to accept and pay. For this purpose the Court may hear the parties.
- (3) The complaints may please be disposed of accordingly as stated.

Bombay,
16th November, 1983.
(R. N. Mehrotra),
General Secretary (Complainant).

For Punjab National Bank,
(G. B. Singh),
Manager (Staff),
Zonal Office, Bombay.

New Delhi, the 25th April, 1984

S.O. 1602.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Muddihi Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th April, 1984.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD
REFERENCE NO. 2/83

PRESENT:

Shri J. N. Singh, Presiding Officer

PARTIES

Employers in relation to the management of Muddihi Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd.

AND
Their workmen

APPEARANCES

For the Employers— Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen—Shri S. N. Bhattacharjee, Advocate.

INDUSTRY : COAL

STATE : BIHAR

Dated. the 5th April, 1984.

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(421)/82-D. III (A) dated the 18th May, 1983.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Mudidih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., in not regularising the services of Cartridge Makers (listed in the Annexure below) as regular workmen of the colliery is justified? If not, to what relief are these workmen entitled?

ANNEXURE

1. Arjun Bhuiya
2. Nanda Bhuiya
3. Josodwa Bhuiya
4. Amarendra Kumar
5. Surji Bhuiya
6. Baiju Prasad
7. Budhawa Mian
8. Rai Kumar
9. Dahani Bhuiya
10. Shambhu Pd. Keshri
11. Rajendra Kr. Singh
12. Chintwa Bhuiya
13. Domia Bhuiya
14. Dilip Kumar
15. Sontosh Kr. Dey
16. Gejia Bhuiya
17. Karu Chamer
18. Ram Rup

2. The case of the concerned workmen who are 18 in number is that they are working at Mudidih Colliery in the capacity of Cartridge Makers for the last 6 to 7 years and are the permanent employees under the management. It is alleged that the management, however, paid them wages on vouchers on the quantum of work done by them but they were never paid V.D.A., D.A. and other benefits admissible for coal mine worker as the management did not consider them as regular employees.

3. It is submitted that as per N.C.W.A. the concerned workmen are entitled to Category I wages. It is also submitted that they are working in the premises of the management and are getting materials for manufacturing cartridges which are prepared under the direction of the management and the said cartridge are utilised for blasting purposes. Their demand is that they should be regularised as Cartridge Makers in Category I and be given consequential relief since January, 1977.

4. The defence of the management is that there is no relationship of employer and employee between the concerned

workmen and the management and that the concerned workmen are not workmen as defined under the Industrial Disputes Act. It is stated that Arjun Bhuiya workman mentioned in Sl. No. 1 of the Annexure used to supply Clay Cartridges on order from the management for which payment is made at the rate of Rs. 10/- per thousand and that the said Arjun Bhuiya is a supplier only. It is also submitted that the management has been purchasing several other materials like explosives, bamboos, sand, bricks, cement etc. from different suppliers at stipulated rate but those suppliers can not be deemed to be an employee of the colliery. It is also stated that no materials for preparing the above cartridges was ever supplied by the management and as there is no relationship of employer and employee between the parties, the question of regularising them does not arise at all.

5. On the above grounds it is prayed that the Reference be decided in favour of the management.

6. The point for consideration is as to whether the action of the management in not regularising the concerned workmen as regular workman of the colliery is justified. If not to what relief the concerned workmen are entitled.

7. It may be stated that the question of regularisation of the concerned workman will arise only when it is shown that they are working under the management either as a permanent or as a temporary employee and there is a relationship of employer and employee between the two. No appointment letter has been filed on behalf of the concerned workmen to show that they were ever engaged to work as Clay Cartridge Maker. Their names do not appear in Form B or in any other register of the management. WW-1 is Arjun Bhuiya one of the concerned workmen who has stated that the materials for preparation of clay cartridges were supplied by the management, but there is no proof to this effect and further the said fact has been denied by MW-1 who is working as Superintendent of the colliery in question. WW-1 has also stated in his evidence that they have been provided with free residence but this fact has also been denied and it appears clearly an after thought because nowhere it is stated in the written statement of the management that they have been provided with free accommodation.

8. The only document filed on behalf of the workmen is Ext. W-1. It is said to be a requisition slip showing that some materials were supplied from the colliery store. This document will, however, show that it is a copy and not original. Further it only shows that 4 pieces of cane baskets were requisitioned in the name of Arjun Bhuiya one of the concerned workmen but cane baskets definitely cannot be used for manufacture of clay cartridges. It may, however, be used as a container only and even if some cane baskets were supplied then it was for the purpose of keeping clay cartridges which were supplied by Arjun Bhuiya as a Supplier as contended by the management. Another document is Ext. W-2 which is said to be an outdoor ticket of the colliery dispensary standing in the name of one Ram Rup. It simply prescribes certain medicines on the back portion of the prescription. The front portion is blank. This document has also been attached as not a genuine document by the management. Further it is a matter of common experience that no colliery dispensaries even contractor or contractor's labourers are given medical facilities and so even if this document is genuine that would not show that the concerned workman is an employee of the management.

9. As against this the management has filed Ext. M-1 series which are the statements showing the total number of clay cartridges supplied by Arjun Bhuiya to the management. The name of any other concerned workman do not appear in this document to show that they also worked with Arjun Bhuiya. These documents clearly indicate that Arjun Bhuiya as contractor supplied so many number of clay cartridges on different dates to the management. Ext. M-2 series would show the work order issued to Arjun Bhuiya on different dates for supplying clay cartridges and the rate of supply is also mentioned in it. On the basis of this work order Arjun Bhuiya was paid the price of clay cartridges vide Ext. M-3 series. These payments were made by vouchers and it shows

that it was paid at the rate of Rs. 10/- per thousand besides Rs. 3/- per thousand as carrying charges. Admittedly all these vouchers bear the signature of Arjun Bhuiya with stamp showing the amount received by him. Thus all these documents clearly indicate that Arjun Bhuiya one of the concerned workmen used to supply clay cartridges on certain rate to the management and he received payments through vouchers. MW-1 has stated that there are other suppliers of clay cartridges who received such payments.

10. Considering the entire evidence, I hold that Arjun Bhuiya one of the concerned workmen supplied clay cartridges as supplier to the management and that there was never any relationship of employer and employee between Arjun Bhuiya or any other workmen concerned and the management and so the question of regularisation does not arise at all. It is accordingly held that the action of the management in not regularising the concerned workmen as regular workmen of the management is justified. In the circumstances concerned workmen are not entitled to any relief.

11. The award is passed accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012(421)/82-D. III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली: 21 अप्रैल 1984

का०आ० 1603.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डॉस्ट्रैक्ट कोआप्रेटीव यूनियन लिं. ००१ सिविल वार्ड नं०-१ दामोह (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थान को लागू करने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त जक्षियों का प्रयत्न करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करते हैं।

[सं० एस-35019(80)/84/पी०एफ-2].

New Delhi, the 21st April, 1984

S.O. 1603.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. District Co-operative Union Limited, Civil Ward No. I, Damoh (M. P.) have agreed that the provisions of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019 (80)/84-PF. II]

का०आ० 1604.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डी आरएल ब्रूम कम्पनी (गुजरात) प्रा० नि० पा०-२-२९८ फेज-II जी० आई० डॉ०सी० वत्तवा डिस्ट्रिक अहमदाबाद-45 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर पहार दा गई है कि कर्मचारों

भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त जक्षियों का प्रयत्न करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(81)/84/पी०एफ-2]

S.O. 1604.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs The Aryan Brush Co. (Gujarat) Private Limited A-2-289, Phase-II, G.I.D.C. Vatva Dist. Ahmedabad-45, have agreed that the provisions of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(81)/84-PF. II]

का०आ० 1605.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रीमियर प्लास्टिक्स १२४ भारतीयरम अम्मान-कुलम रोड कोयम्बटूर ३७, तमिलनाडु तथा ५/५ हैडक्वार्टर्स रोड कोयम्बटूर-१८ पर स्थित इसके मुख्यालय सहित। नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त जक्षियों का प्रयत्न करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(84)/84/पी०एफ-2]

S.O. 1605.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs Premier Plastics, 124, Bharathipuram Ammankulam Road, Coimbatore-641037, Tamil Nadu including its Head Office at ५/५, Headquarter Road, Coimbatore-18, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019 (84)/84-PF. II]

का०आ० 1606.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बैल कट पीस सं० ४२३ बाजार स्टूट, सालम-६३६००१ तमिलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध

अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(87)/84 पी०एफ-2]

S.O. 1606.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Vcl Cut Piece, No. 423, Bazar Street, Salem-636001, Tamilnadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(87)/84-PF. II]

का०आ० 1607.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल जय हिन्द फॉर्ट गेट राजाहमन्डी ई०जी० डिस्ट्रिक्ट आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हैं। गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(91)/84/पी०एफ-2]

S.O. 1607.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Jai Hind, Fort Gate, Rajahmundry, E.G. District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019 (91)/84-PF. II]

का०आ० 1608.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सैन्ट जॉन्सफ फैमिली हैल्पर प्रोजेक्ट चैम्पियन रीफस कोलार गोल्ड फॉल्ड्स-563117 कर्नाटक नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हैं। गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

107 GI/84-9

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(92)/84/पी०एफ-2]

S.O. 1608.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs St. Joseph's Family Helper Project, Champion Reefs Kolar Golds Field-563117, Karnataka, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019 (92)/84-PF. II.]

का०आ० 1609.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेन्ट्रा इन्जीनियरिंग कॉम्प्लेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड प्लाट सं० 23-बी इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट एरिया पाटनचेरू-502320, मेडक जिला, आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हैं। गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(93)/84/पी०एफ-2]

S.O. 1609.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ventra Engineering Consultants Private Limited, Plot No. 23-B, Industrial Development Area, Patancheru-502320, District, Medak, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(93)/84-PF. II]

का०आ० 1610.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साउर्डे इण्डस्ट्रीज सौजिज एण्ड ट्रूल्स प्राइवेट लिमिटेट, 226/3, कनादानचावावी, डाकघर पेंगुडी मद्रास-96, तमिलनाडू नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हैं। गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं. एस-35019(94)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1610.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs Industries Gauges & Tools Private Limited, No. 226/3 Southern Kandachayadi Perengudi, P. O., Madras-96 Tamil Nadu, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(94)/84-PF-II]

का०आ० 1611.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस कनटिक प्रॉटीव्योटिक्स एंड फार्मसियुटिकल्स लिमिटेड 174, छठा क्रम, गांधीनगर, वंगलौर-560009, कनटिक तंदा प्लॉट सं० 14, फेज-2 पीन्या इण्डस्ट्रीयल प्रॉरिया, वंगलौर-560058 पर स्थित इसकी फैक्ट्री सहित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपर्यंथ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं.एस-35019(95)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1611.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs Karnataka Antibiotics & Pharmaceuticals Limited, 174, 6th Cross, Gandhinagar, Bangalore-560009 including its factory at Plot No. 14, Phase No. II, Peenya Industrial Area, Bangalore-560058, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. 35019(95)/84-PF-II]

का०आ० 1612.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस म्यूनिसिपल कॉलेज एंड फार्मसी चिक्काबल्लापुर-562101, जिनां कोलार कनटिक नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपर्यंथ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(96)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1612.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs Municipal College of Pharmacy, Chikkaballapur, Kolar District, Karnataka-562101, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(96)/84-PF. II]

का०आ० 1613.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस भारत सीमेन्ट पाइप्स, कुलाई, मंगलौर—574196, कनटिक नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपर्यंथ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(97)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1613.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs Bharat Cement Pipes, Kulai, Mangalore-574196 (Karnataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(97)/84-PF. II]

का०आ० 1614.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस रिआशारा सेवा सहकारी संघ नियामिता कदित्यनी 583115, जिला-बल्लारी, कनटिक नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपर्यंथ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपर्यंथ उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(99)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1614.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rayathara Seva Sahakara Sangha Niyamitha, Kudithini-583115, Bellary District, Karnataka, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(99)/84-PF-II]

का०आ० 1615—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सेरीं कल्चरिस्ट्स—कम—फारमर्स सेविस को-आपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड थेल्लनर, कोल्लेगल तालुक जिला—मैसूर, कर्नाटक नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करते हैं।

[सं एस-35019(100)/84/पी०एफ०-2]

S.O. 1615.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sericultrists Cum-Farmers Service Co-operative Society Limited, Thell-anur, Kollegal Takum, Mysore District, Karnataka, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(100)/84-PF. III]

का०आ० 1616 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनाइटेड ग्लास बोतल्स मन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, अवालाहली गांव, अन्नानपुरा-डाकघर, वंगलौर-560061, कर्नाटक नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं एस-35019(98)/84/पी०एफ०-2]

S.O. 1616.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs United Glass Bottles Manufacturing Company Limited, Avalahalli Village, Anjanapura Post Office, Bangalore-560061, Karnataka have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S- 35019(98)/84-PF.III]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1984

का०आ० 1617—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अस्वार्थी इन्जीनियरिंग, 30-ए, तथा बी, इलैक्ट्रोनिक्स कम्पनीक्स, कुसाइगुडा, हैदराबाद-500762 अन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं एस-35019(90)/84/पी०एफ०-2]

New Delhi, the 23rd April, 1984

S.O. 1617.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Aswathi Engineering, 30-A&B, Electronics Complex, Kusaiguda, Hyderabad-500762, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(90)/84-PF.II]

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1984

का०आ० 1618 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ऐवरस्ट फार्मसियूटिक्स (प्राइवेट) लि० 71, इन्द्रा बिश्वास रोड, कलकत्ता-37 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं एस-35017(23)/84/पी०एफ०-2]

New Delhi, the 26th April, 1984

S.O. 1618.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Everest Pharmaceuticals (P) Limited, Indra Biswas Road, Calcutta-37.

have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(23)/84-PF.II]

का०आ० 1619.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टोपसल प्रा० लि० 25-गणेश चन्द्रा एवं वनयु कलकत्ता-13 और (1) चांद मार्किट, ए०टी० रोड, गोहाटी (2) टेलिफोन एक्सचेंज रोड, धनबाद (3) डाक बंगला रोड, डिप्टी पारा, रांची स्थित इसकी शाखाओं सहित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017(22)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1619.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs. Topsel private limited, 25- Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13 and its branches at (1) Chand Market, A.T. Road, Gauhati (2) Telephone Exchange Road, Dhanbad. (3) Dak Bungalow road, Deputy Para, Rauchi have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(22)/84-PF. II]

का०आ० 1620.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्क्योरिटी सर्विस, लक्ष्मी निवास जेन्द्रांगडा ग्वालियर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(74)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1620.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Security Services, Laxmi Niwas Jayendra Ganj, Gwalior. (M.P.)

have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(74)/84-PF. II]

का०आ० 1621.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आशा वेबिंग फैक्ट्री य० ए०म० मिस्ट्री कम्पाउड नियर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट बापु नगर, अहमदाबाद ; नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०-35019(76)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1621.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Asha Weaving Factory, U. M. Mistry Compound, Near Industrial Estate, Bapunagar, Ahmedabad-23, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(76)/84-PF. II]

का०आ० 1622.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अरुण प्रिन्टिंग वर्क्स 71, कैलास बोस स्ट्रीट कलकत्ता-700006, नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35017(19)/84-पी०एफ०-2]

S.O. 1622.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs. Arun Printing Works, 71 Kailash Bose Street, Calcutta-700006, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(19)/84-PF. II]

कांग्रा० 1623.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स न्यू मुद्रानी 71, कैलास बोस स्ट्रीट कलकत्ता-700006 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017(20)/84-पी०एफ/०-२]

S.O. 1623.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation of the establishment known as Messrs New Mudrani, 71, Kailash Bose Street, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(20)/84-PF. II]

कांग्रा० 1624.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ड्रेड्स एण्ड ट्रॉसपोर्ट 38, काली कृष्णा टैगोर स्ट्रीट, दूसरी मंजिल, कलकत्ता-70 और इसकी शाखायें सराफ भृगु, गोहाटी, आसाम और ग्रागतल्ला, त्रिपुरा में स्थित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017(21)/84-पी०एफ०-२]

S.O. 1624.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Trades and Transport 38, Kalikrishna Tagore Street, 2nd Floor, Calcutta-70 including its branches at (1) Sarafbhatt, Gaubati, Assam (2) Motor Stand Road, Agartala, Tripura, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(21)/84-PF. II]

कांग्रा० 1625.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साधना ट्रेडिंग कम्पनी बी/2, यू० राम० मिस्ट्री कम्पाउंड नियर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बायूनगर, अहमदाबाद-380023 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(79)/84-पी०एफ०-२]

S.O. 1625.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Sadhana Trading Company, B/2, U.M. Mistry Compound, Near Industrial Estate, Bapunagar, Ahmedabad-380023, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(79)/84-PF. II]

कांग्रा० 1626.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बीर भूम पिंजा फार्मस डेवलपमेंट एजेंसी पोस्ट आफिस मूरी जिला बीरभूम नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35017(24)/84-पी०एफ०-२]

ए० के० भट्टाराई, अधिकारी, सचिव

S.O. 1626.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Birbhum Fish Farmers' Development Agency P.O. Suri, Dist. Birbhum, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(24)/84-PF. III]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

New Delhi, the 1st May, 1984

S.O. 1627.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chinakuri Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., Post Office Sonderchak, Distt. Burdwan and their workmen which was received by the Central Government on the 23rd April, 1984.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 21/82

PRESENT :

Shri J. N. Singh, Presiding Officer

PARTIES :

Employers in relation to the management of Chinakuri Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., P.O. Sunderchak, Dist. Burdwan.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. N. Lala, Advocate.

For the Workmen—Shri D. Mukherjee, Advocate.

INDUSTRY : Coal

STATE : West Bengal

Dated, the 12th April, 1984

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred by them U/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 has forwarded the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-19012(76)/81-D.IV(B) dated the 8th March, 1982.

SCHEDULE

"Whether the action of the Agent, Chinakuri Colliery of ECL, P.O. Sunderchak, Dist. Burdwan in superannuating Shri Chhabiraj Dubey, John Hembrem, Security Guards and Shri Gurjan Mallah and Narsingh, loaders of Chinakuri Colliery w.e.f. 1-7-81 is justified? If not, to what relief are they entitled?"

2. The case of the concerned workmen is that they were superannuated illegally by the management on 1-7-81. It is stated that they have not attained the age of 60 years on that date and hence the superannuation is wrongful and unjustified. It is also stated that the Form B register is a statutory register in which the particulars of a workman is mentioned including his age and that identity card containing photo, age and other particulars are also made over to each workman of the colliery bearing the signature of the Personnel Officer or Welfare Officer and from these two documents it will appear that the concerned workmen had not attained the age of 60 years on that date. It is submitted that during conciliation proceeding the management did not produce Form B register. According to them the year of birth of Chhabiraj Dubey is 1924, that of John Hembrem 1923, Gurjan Mallah 1926 and of Narsingh 1925. It is prayed that the workmen are entitled to be reinstated with full pay till the age of their retirement.

3. On the other hand the case of the management is that the concerned workmen had reached the age of 60 years on 1-7-81 as per entry made in Form B register. It is also stated that as per letter dated 6-10-76 when only the year

of birth of an employee is known then he is to retire on 1st July of the year in which he completes 60 years. In these cases as the year of birth is only recorded in Form B register they were rightly retired with effect from 1-7-81.

4. On the above allegations it is prayed that the Reference be decided in favour of the management.

5. The point for consideration is as to whether the action of the management in superannuating the concerned workmen with effect from 1-7-81 is justified. If not to what relief they are entitled.

6. To determine the issue as to whether the concerned workmen had attained the age of 60 years on 1-7-81 or not it will be proper to take the case of each workman one by one.

7. It is not disputed that the age of retirement has now been raised to 60 years. Ext. M-3 is a letter dated 6-10-76 issued by the Eastern Coalfields Ltd., in which it has been decided that in the case of a workman whose year of birth is known but not the exact date then 1st July should be treated as the date of birth for the purpose of determining the date on which the workman concerned should be held to have attained the age of 58 (now 60 years). The provision of this letter has also not been challenged on behalf of the workmen and as only the year of birth is recorded in relevant documents concerning all the workmen 1st July would be deemed to be the date on which they will be deemed to have attained the age of 60 years.

8. Let us now take up the case of the first workman viz. Chhabiraj Dubey who was working as Security Guard since before take over and nationalisation of coal mines. Ext. M-2/1 is entry in Sl. No. 70 of Form B register maintained by the management. This register according to MW-1 Sr. Personnel Officer was prepared in 1973 after take over. MW-1 in his cross-examination in para 6 has stated that new registers are prepared when old registers are worn out. The old Form B register of ex-management has not been filed on the ground that it has been worn out or not available. From a perusal of Ext. M-2/1 it will appear that in Column No. 4 the year of birth is recorded in respect of this workman as 1921 and below it figures 48 has been noted. Now if the year of birth as mentioned in it be deemed to be correct then in the year 1973 he could be aged 52 years and not 48 years as mentioned in Form B register. Chhabiraj Dubey has examined himself as WW-1 and he has stated that at the time he put his signature on this register the age column of this register was blank. It will also appear that the figures 48 has been written in this document in different ink and all the entries regarding him is not in one ink. According to the workman his year of birth is 1924 and in support of it he has filed his identity card issued to him by the ex-management and is dated 3-6-1955. In this identity card his year of birth recorded is 1924. There is nothing on the record to show that the entry made in this identity card is not genuine. It bears the signature either of the Labour Officer or of the Personnel Officer of the ex-management. Thus there is difference between the age recorded in Form B register as also in identity card which is the earlier document. According to MW-1 this register was prepared on the basis of the registers prepared by ex-management. The old register has not been filed in this case. The old register would have been the most authentic document to decide the year of birth of this workman, but MW-1 has stated that the said register is not available. He cannot say whether it is destroyed. In view of the difference between identity card and Form B register the old register should have been filed by the management. Further it will appear that as soon as the concerned workman Chhabiraj Dubey received notice of retirement Ext. W-5 dated 1-3-84 he filed a representation on 11-3-81 (Ext. W-2) challenging his retirement and requesting the management to check his grading list issued by Bengal Coal Co. But it was not done by the management. It will also appear that the Form B register itself has got conflicting entry because on the one hand the year of birth recorded is 1921 but on the other hand in the same column Sri Dubey has been shown to be aged

48 years which is not possible. In view of this contradictory entries and in view of the identity card issued by the management where the year of birth is specifically entered, it will not be safe to rely on the entry made in Form B register.

9. During the course of bearing the management stated that the concerned workman had also been sent to the Medical Board for assessment of his age and it was determined as 60 years on 17-7-81 by the Medical Board. Ext. M-4 is the Medical report. MW-2 is Dr. M. N. Mukherjee who was one of the members of the Board and he has stated that he examined the concerned workman and found to be aged 60 years. This examination admittedly was made after Chhabiraj Dubey had already been retired from service. It is, therefore, to be seen as to whether the assessment of age as made by the Medical Board is based on medical jurisprudence or not. The Doctor MW-2 in para 5 of his cross-examination has stated that the reason for determination of age are recorded in Ext. M-4. He has further stated that they determined the age as per company's procedure and not as per medical jurisprudence procedure. From the report itself it will appear that there is nothing to show as to on what basis the age was determined at 60 years by the Board. The report shows the general condition of the workman was good and nothing abnormal was found in his nervous system, respiratory system, digestive system and endocrine system. The blood pressure has been noted and the teeth was found to be healthy. But the above are not the data on which the age of a person can be assessed scientifically as per medical jurisprudence. The Doctor has admitted that besides hair, wrinkle on the face, third molar teeth there are other methods for determination of age. Nothing has been written about wrinkle on the face and molar teeth etc. Further it is well settled that the exact age of a person cannot be determined after attaining certain age because ascertaining test also is not dependable after attaining certain age. Further even according to the Doctor the determination of age was approximate one and so it cannot be held specifically that on the date of examination the concerned workman had attained the age of 60 years. In such circumstances and considering the contradictory entries in the Form B register it was proper for the management to rely on the identity card of the concerned workman and he should have been retired on 1-7-1984 and not on 1-7-1981.

10. Considering all the evidence I hold that the retirement of Sri Chhabiraj Dubey with effect from 1-7-81 is unjustified and illegal.

11. Next comes the case of John Hembrem, Security Guard. Ext. M-2 is the entry in Form B register and the Sl. No. 58 would show the year of his birth as 1921 and on this basis the concerned workman was superannuated with effect from 1-7-81. Sri John Hembrem has examined himself as MW-2 and he has stated that his year of birth is 1923 and it was recorded in Form B register prepared by the erstwhile management. As stated earlier Ext. M-2 is an entry in Form B register which was prepared by the management in the year 1973 after take over. Though this register bears the signature of Sri John Hembrem but he has stated that at the time his signature was taken on it the age column was blank. It cannot be disputed that the year of birth recorded against his name has been in different ink.

12. As against this the concerned workman has filed his identity card Ext. W-1/1 which would show his year of birth as 1923. Other details are also mentioned in it. This identity card was prepared while the workman was working before the erstwhile management in watch and Ward Department. The fact that this year of birth is 1923 and not 1921 is corroborated by one important document of the management itself and it falsifies the entries made in Form B register prepared in 1973. Ext. W-3 is a letter written by Sri John Hembrem to the Chief Security Officer praying to issue him a date of birth certificate as recorded in the office book. It was written by him that the colliery concerned had informed him that service tenure had completed as per his age, but the date of birth recorded in his pay book is 1923 and the same year of birth is also recorded in the office of the Security Officer and so a certificate may be issued to him so that he may take steps in the matter. On

his application an endorsement was made by the office stating that the records had been sent to Sr. Personnel Officer (HQ) and to Sri Hembrem was directed to see the Sr. Personnel Officer. On the back of this petition there is an endorsement by the Sr. Personnel Officer of Eastern Coalfields Headquarter, Sanctoria with his seal and this endorsement is addressed to the Senior Security Officer. In this endorsement it has been mentioned that according to service record available from the ex-owner the year of birth of Sri Hembrem has been recorded as 1923. This also bears the endorsement of the Chief Security Officer who sent it to the Manager, Chinakuri Colliery for necessary action. Thus this endorsement by the Sr. Personnel Officer and the Chief Security Officer clearly show that in the service record of the ex-owner the year of birth of Sri Hembrem as recorded is 1923 as claimed by the workman himself. This is also corroborated by the service card of the concerned workman Ext. W-1/1.

13. The only argument on behalf of the management regarding this document is that the endorsement of the Sr. Personnel Officer (HQ) is dated 7-12-81 that is after the retirement of the concerned workman and so it has got no value. The management has not challenged the genuineness of the endorsement and signature of the Sr. Personnel Officer as also of Chief Security Officer and in view of Ext. W-4 and the Identity card Ext. W-1/1, it must be held that the year of birth of Sri John Hembrem is 1923 and not 1921 as recorded in Form B register.

14. It may, however, be stated that this workman was also sent to Medical Board for assessment of his age after his retirement and Ext. M-4/1 is the medical report in the pen of MW-2 who examined Sri Chhabiraj Dubey. Almost the same facts as recorded in the certificate of Chhabiraj Dubey are recorded in this document also and it is clear from the entries made in this document as well as evidence of MW-2 that the age was not assessed on any medical jurisprudence data but it was done in an arbitrary manner. No reliance can be placed on such a medical report. It must, therefore, be held that the retirement of Sri John Hembrem on 1-7-81 is also illegal and unjustified.

15. Next comes Gurjan Mallah, Loader, Gurjan Mallah, however, has not come to the witness box to depose about his age. Ext. M-1/1 is entry in Sl. No. 1899 in Form B register which is of the period of ex-owner and it was taken by the present management at the time of take over. It was prepared in October 1970 as the register shows. In this register the year of birth of the concerned workman recorded is 1921 but below it the figure 49 is written and it appears that this figure 49 has been subsequently written on the figure 42 as '2' has been changed to '9'. The over-writing is quite clear. But if 1921 is taken as year of birth then in 1970 Sri Gurjan must have attained the age of 49 years. As against this the original service card of Sri Gurjan has not been filed and instead photostate copy of his identity card purported to have been issued by the ex-owner has been filed. No reason has been assigned as to why the original service card has not been filed in this case. The concerned workman ought to have filed the original service card to show that the year of birth recorded in it was correct and entry in Form B register was wrong. No reason has been assigned as to why Sri Gurjan did not even come to support his case. Thus there is no authentic document to disbelieve the entry made in Form B register regarding this workman. He was also examined by the Medical Board but as no reliance has been placed on the report of the Medical Board in case of other workmen hence no reliance is put on the Medical Board report concerning this workman. But in the circumstances of the case and evidence on record it must be held that the entry regarding year of birth of the concerned workman Sri Gurjan Mallah in the Form B register is genuine and correct and he was rightly retired by the management with effect from 1-7-81.

16. Lastly comes the case of Sri Narsingh, Loader. Ext. M-1 is entry in Sl. No. 1926 relating to this workman in Form B register which also bears his thumb impression. The year of birth as recorded in this entry is 1921 and below it the figure 49 is also written which shows that in the year 1970 when this register was prepared the concerned

workman was aged 49 years. There is nothing to disbelieve this particular entry regarding the concerned workman. The workman however has filed identity card Ext. W-1/2 in which at one place year of birth recorded is 1925 and at another place it is 1926. It does not bear the signature of any officer of the ex-management. Further Sri Narsingh has also not come to the witness box to challenge the entry made in Form B register. He was also sent to Medical Board but in view of the reasonings mentioned already no reliance is placed on the report of the Medical Board.

17. Considering all the evidence on record and facts and circumstances of the case, I hold that S/Sri Gurau Mallah and Narsingh were rightly retired with effect from 1-7-81 as they had attained the age of 60 years on that date and the action of the management in superannuating them with

effect from the said date is legal and justified. The above 2 workman concerned, therefore, are not entitled to any relief. It is further held that the other 2 concerned workman viz, S/Sri Chhabiraj Dubey and John Hembrem were superannuated improperly as they had not attained the age of 60 years on 1-7-81. Sri Chhabiraj Dubey will attain the age of 60 years on 1-7-84 and so he is entitled to be reinstated in service with full back wages and continue in service till 1-7-84. As Sri John Hembrem has already attained the age of 60 years on 1-7-83 he is entitled to his full wages with effect from 1-7-81 till 1-7-83 as question of re-instatement does not arise in his case.

18. The award is passed accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer